पारा आपडेट
मैक्सिमम 25.00 | मिनीमम 13.00
सूर्यास्त (आज) 17.06
सूर्योदय (कल) 06.24
बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
पौष कृष्ण पक्ष पंचमी संवत 2082
RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 2/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 167 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

नीलकमल नाव हादसा मामले में नौसेना के विरुद्ध मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई के पास नीलकमल नाव हादसा मामले में इस घटना में बचाये गए यात्री नथाराम चौधरी की शिकायत पर गुरुवार को कोलाबा पुलिस स्टेशन में नौसेना की गश्ती स्पीड बोट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नौसेना आज सुबह हादसाग्रस्त नांव को टोइंग कर समुद्र के किनारे लायी और उसकी छानबीन कर रही है। साथ ही नौसेना, तटरक्षक दल और बचाव दल की टीमें इस हादसे में लापता हुए दो लोगों की सुबह से समुद्र में तलाश कर रही हैं।यह जानकारी कोलाबा पुलिस ने दी। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, 101 लोगों को बचाया गया है। इसमें जर्मनी के दो विदेशी यात्री भी शामिल थे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मार, एक्यूआई 448 पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के साथ अब कोहरे की समस्या भी देखने को मिल रही है। गुरुवार को प्रदूषण की स्थिति और भी चिंताजनक हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 448 रिकॉर्ड किया गया, जो कि 'अति गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। विशेषकर सांस के तकलीफ वाले मरीजों और छोटे बच्चों के लिए। प्रदूषण के साथ-साथ दिल्ली में धुंध भी छाई रही। मौसम विज्ञान विभाग ने 19 और 20 दिसंबर के लिए धुंध का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

धर्म संसद के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद में धर्म संसद के मामले पर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण को हाई कोर्ट जाने को कहा। प्रशांत भूषण ने कोर्ट में कहा कि इस बात की संभावना है कि वहां मुस्लिमों के खिलाफ भड़काऊ बातें होंगी। उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स और समाजसेवियों की तरफ से याचिका दायर की गई थी। इस धर्म संसद का आयोजन यति नरसिंहानन्द फाउंडेशन की ओर से किया गया है। धर्म संसद का आयोजन गाजियाबाद के डासना में शिव शक्ति मंदिर परिसर में 17 दिसंबर से 21 दिसंबर तक होना है।

एनआईए ने बीजापुर में तीन जगहों पर की छापेमारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तीन अलग-अलग जगहों पर गुरुवार सुबह एनआईए ने छापेमारी की। बताया जा रहा है कि एनआईए को सूचना मिली थी कि कुछ लोगों का नक्सलियों से संबंध है। एनआईए की टीम आज सुबह साढ़े 5 बजे जिले के भैरमगढ़, आवापल्ली और तर्रेम पहुंचकर कुछ लोगों के घरों में छापा मारा है, उनसे पूछताछ किया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। उल्लेखनीय है कि एनआईए की टीम ने सप्ताहभर पहले सुकमा जिले में भी छापा मारा था। इसके अलावा सुकमा से लगे पड़ोसी राज्य ओडिशा के मलकानगिरि में भी छापेमार कार्रवाई की गई थी। वहीं नक्सल मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

धक्का-मुक्की प्रकरण : कांग्रेस-भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया एक-दूसरे पर पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. आंबेडकर को लेकर संसद में शुरू हुई तकरार ने आज धक्का-मुक्की का रूप ले लिया। पहले भाजपा ने आरोप लगाया कि उसके सांसदों को धक्का दिया गया और वो भी राहुल गांधी ने ऐसा किया। दूसरी ओर कांग्रेस ने यही आरोप भाजपा सांसदों पर लगाया। भाजपा ने जहां राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाया तो कांग्रेस ने इस मुद्दे पर पुलिस में शिकायत की। इस मुद्दे पर दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए पत्रकार वार्ता भी की। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस संसद में तर्क के स्थान पर शारीरिक बल से अपने आपको ऊपर उठाना चाहती है। वहीं, कांग्रेस का आरोप है कि आज का पूरा घटनाक्रम मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश है।

कांग्रेस की गिरती हुई सोच का परिणाम : शिवराज सिंह

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज संसद में हुए घटनाक्रम को कांग्रेस की गिरती हुई सोच का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने एक बुजुर्ग और एक आदिवासी महिला के साथ अशोभनीय व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि आज संसद में हुआ घटनाक्रम कल्पना से परे है। यह अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार है, इस आचरण की सभ्य समाज कल्पना भी नहीं कर सकता। वह स्वयं कई बार लोकसभा और विधानसभा के सदस्य रहे हैं लेकिन उन्होंने आज तक संसद या विधानसभा में इस तरह का आचरण नहीं देखा।

आंबेडकर को लेकर झूठ फैलाने का काम : कांग्रेस

दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पत्रकार वार्ता कर इस घटनाक्रम के बारे में बताया। खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेहरू और आंबेडकर को लेकर झूठ फैलाने का काम कर रही है। उन्हें तथ्य देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने अपने बयान से डॉ. आंबेडकर का अपमान किया है। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और अगर वह इस्तीफा नहीं देते तो प्रधानमंत्री को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने सुबह हुई धक्का-मुक्की की घटना को लेकर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा है कि विपक्षी गठबंधन की महिला सांसदों को संसद के अंदर जाने से रोका गया। उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और स्वयं उनके साथ भी दुर्व्यवहार हुआ, उनका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गए। इसके उलट भाजपा हम पर आरोप लगा रही है कि हमने धक्का दिया। अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पूरे देश में आंदोलन होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी मुद्दों से ध्यान भटकने के लिए ऐसा कर रही है।

अंबेडकर मुद्दे पर सियासत तेज : संसद परिसर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संग्राम

धक्का-मुक्की में भाजपा सांसद घायल

- पूर्व मंत्री व सांसद प्रताप चंद्र सारंगी का सिर फटा
- मुकेश राजपूत को आईसीयू में भर्ती कराया गया
- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर धक्का देने का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर सियासत तेज हो गई है और गुरुवार को संसद के भीतर ही नहीं, संसद परिसर में भी सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सांसदों के बीच धक्का-मुक्की होने के साथ ही जमकर हंगामा हुआ। संसद भवन के मकर द्वार पर गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में दिये गये बयान के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे इंडी गठबंधन के सांसदों एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की में गिरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसद घायल हो गये, जिन्हें यहां उपचार के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ सदन में जाते हुए संसद के द्वार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने धक्का मुक्की की है।

आरोप है कि संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन कर रहे भाजपा सांसदों से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उलझ पड़े। राहुल गांधी ने संसद भवन में प्रवेश करने के चलते एक सांसद को धक्का दे दिया, वे आगे खड़े प्रताप चंद्र सारंगी के ऊपर गिरे, जिससे सारंगी चोटिल हो गई। व्हील चेयर पर बैठकर एबुंलेंस तक जाते हुए सारंगी ने कहा, 'मैं सीढ़ियों के पास खड़ा था, राहुल गांधी आए और उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया, जो मेरे ऊपर गिर गया, जिससे मैं भी गिर पड़ा।' स्वयं राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में स्वीकार किया कि वे संसद भवन के भीतर जाना चाहते थे। उन्होंने कहा 'मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन भाजपा के सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे, धक्का दे रहे थे और धमका रहे थे। ये संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है।' बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने फरूखाबाद से सांसद मुकेश राजपूत को धक्का दिया और वे प्रताप चंद्र सारंगी पर गिरे थे। मुकेश राजपूत को अचेतावस्था में आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

संसदीय इतिहास में यह एक काला दिन, लोकतंत्र की मर्यादा तार-तार : शिवराज

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'संसदीय इतिहास में यह एक काला दिन है। मर्यादा को तार-तार कर दिया गया है। लोकतंत्र को तार-तार कर दिया गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा आचरण कभी नहीं देखा गया। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र हार गए तो वे संसद में अपनी हताशा क्यों निकाल रहे हैं? राहुल गांधी और कांग्रेस के लोगों को लोकतंत्र में आचरण को समझने के लिए एक कार्यशाला बुलाई जानी चाहिए। मैं दुखी हूं। श्री अमित शाह के भाषण ने कांग्रेस को बेनकाब कर दिया है। वे इससे इतने हताश हो गए हैं कि अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। हम इस गुंडागर्दी की निंदा करते हैं।'

भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज करायी रिपोर्ट

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में इंडिया समूह और राजग सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की मामले में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। श्री ठाकुर ने कहा, ह्लहमने दिल्ली पुलिस में राहुल गांधी के खिलाफ मारपीट और उकसावे की शिकायत दर्ज कराई है।''

हम पर हमला किया गया : खरगे-राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने संसद भवन परिसर में गृहमंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों पर हमला किया और यह सरकार का जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। श्री खरगे तथा श्री गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के सदस्य संसद में 14 दिन से विरोध प्रदर्शन कर प्रयास कर रहे हैं कि सदन चले और देश को लूटने वाले उद्योगपति अडानी के भ्रष्टाचार पर सदन में चर्चा हो लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे से ध्यान भटकाने का बराबर प्रयास किया है और आज कांग्रेस नेताओं के साथ संसद परिसर में धक्का मुक्की की गई।

भाजपा पर लगाये आरोप

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी भाजपा सांसदों पर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सांसद अराजकता पैदा करने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को निशाना बनाने और उन पर हमला करने के इरादे से पहुंचे। जैसे ही वह अंदर घुसे भाजपा सांसदों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया।

खरगे ने अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डॉ. भीमराव आंबेडकर विवाद पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया है। यह जानकारी कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने दी है। गुरुवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 'राज्यसभा में डॉ आंबेडकर पर अपमानजनक टिप्पणी' के लिए पेश किया गया।

खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें संसद के द्वार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों ने गुरुवार को धक्का देकर घायल किया और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की की इसलिए इस घटना की जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब अम्बेडकर का अपमान किया है। यह अत्यंत गंभीर मुद्दा और निंदनीय घटना है और इसके लिए श्री शाह तथा भाजपा देश से माफी मांगे।

कुलगाम मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के शीर्ष कमांडर सहित पांच आतंकी मार गिराये, दो जवान जख्मी

एजेंसी

कुलगाम। कुलगाम जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष कमांडर सहित हिज्बुल मुजाहिदीन के पांच आतंकवादी मारे गए हैं। इस मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबल के दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बुधवार रात जिले के बेहीबाग इलाके के कद्देर में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबल के जवानों पर भारी फायरिंग की। जिसके जवाब में सुरक्षाबल के जवानों ने फायरिंग की। इस फायरिंग में पांच आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकियों में हिज्बुल मुजाहिदीन का स्वयंभू कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल है, जो दक्षिण कश्मीर के क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों और कई अपराधों में शामिल था।

इस ऑपरेशन में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान इरफान लोन, आदिल हुसैन, मुश्ताक इटू और यासिर जावेद के रूप में हुई है। यह सभी स्थानीय निवासी हैं। इलाके में सुरक्षाबल के जवान तलाशी अभियान चला रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय निवासियों से सुरक्षा कारणों से मुठभेड़ स्थल के करीब न जाने का अनुरोध किया है।

असम में आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश

हिंदू नेताओं को निशाना बनाने की साजिश में आठ जिहादी गिरफ्तार

एजेंसी

गुवाहाटी। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने केरल और पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से आठ जिहादियों (कट्टरपंथियों) को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बांग्लादेशी नागरिक भी है। आरोप है कि यह मॉड्यूल देश में हिंसक हमले और हिन्दू नेताओं को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। ऑपरेशन 'प्रगति' के तहत देशभर में जुड़े अन्य मॉड्यूल का पता लगाने के लिए पुलिस पड़ताल कर रही है।

गुरुवार को असम पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम पुलिस के स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी आपरेशन 'प्रगति' तहत केरल और पश्चिम बंगाल की पुलिस की मदद से आतंकी माड्यूल का पदार्फाश किया गया है। पुलिस ने संयुक्त अभियान में आठ जिहादियों को गिरफ्तार किया है। इन जिहादियों की पहचान अब्दुल करीम, मु. अब्बास अली, एनामुल हक, हमिदुल इस्लाम, मिनरूल एसके, शुरू इस्लाम मंडल, मु. साद रंदी उर्फ शाब शेख, मजिबर रहमान के रूप में की गई है। इनके पास से दौरान बांग्लादेशी दस्तावेज, कट्टरपंथी साहित्य और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

बांग्लोदश का है मास्टरमाइंड

उन्होंने बताया कि मोहम्मद साद रादी उर्फ शब शेख (32), जो राजशाही, बांग्लादेश का निवासी है, बीते नवंबर में भारत आया था। यह आरोपित असम और पश्चिम बंगाल में स्लीपर सेल्स बनाने और जिहादी विचारधारा फैलाने में लगे थे। उन्होंने बताया कि इन जिहादियों ने इलाकें में कई बैठकें कर हिंदू संगठनों और प्रमुख धार्मिक नेताओं पर हमले की योजना बनाई थी। इसका उद्देश्य इलाके में साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था।

राज्यसभा : उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण, नोटिस खारिज

संवैधानिक पद को नीचा दिखाने का दुस्साहस : हरिवंश

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने उपराष्ट्रपति के विरुद्ध विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को त्रुटिपूर्ण तथा राष्ट्र के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद को जानबूझकर तुच्छ बनाने और नीचा दिखाने का दुस्साहस बताते हुए कहा है कि इस संबंध में समीचीन हुआ, तो विस्तृत आदेश 24 दिसंबर के बाद ही दिया जाएगा।

श्री हरिवंश ने गुरुवार को राज्यसभा में भोजनावकाश के बाद पटल पर रखे अंतरिम आदेश में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 67-ख के तहत उप राष्ट्रपति को पद हटाये जाने पर विचार करने वाले किसी भी प्रस्ताव के लिए कम से कम 14 दिन की पूर्व सूचना अलंघनीय रुप से अनिवार्य है। आदेश में कहा गया है कि विपक्ष के 60 सदस्यों के कथित हस्ताक्षर वाला यह प्रस्ताव 10 दिसंबर को दिया गया था। इस प्रकार इस पर 24 दिसंबर 2024 के बाद ही कोई अनुमति दी जा सकती है। उप सभापति ने कहा है कि विपक्ष के इस प्रस्ताव पर 'एक विस्तृत आदेश समीचीन होने पर बाद में जारी किया जाएगा।'

आदेश में यह भी कहा गया है कि विपक्षी सदस्यों के संबंधित पत्र में किसी विशिष्ट प्राधिकारी को संबोधित नहीं किया गया है और बाद में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसका प्रचार किया। उप सभापति ने अपनी अंतरिम व्यवस्था में कहा है कि प्रस्ताव लाने वालों को जानकारी थी कि यह प्रस्ताव इस सत्र के दौरान विचार के लिए नहीं लाया जा सकता है। फिर भी इसे इस उद्देश्य के साथ लाया गया कि देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के खिलाफ एक कहानी फैलायी जा सके।

मीडिया रिपोर्टो के लिंक पर आधारित

अंतरिम आदेश के अनुसार पूरे सूचना पत्र पर एक नजर डालने से ही पता लगता है कि यह एक अत्यधिक बेढंगा, लापरवाहीपूर्ण और प्रत्येक कल्पनीय पहलू पर गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण है। प्रस्ताव में प्रेषिती का नाम नहीं है, संकल्प पाठ अनुपस्थित है, संपूर्ण याचिका में पदस्थ उप राष्ट्रपति का नाम सही ढंग से नहीं लिखा गया है और जिन दस्तावेजों और वीडियो का दावा किया गया है, उन्हें याचिका का हिस्सा नहीं बनाया गया है तथा यह बिना प्रमाणीकरण के असंबद्ध मीडिया रिपोर्टो के लिंक पर आधारित है।

चिंताजनक विषय बताया : उपसभापति

उप सभापति ने इसे संसद और सांसदों की प्रतिष्ठा के लिए चिंताजनक विषय बताया है। इसमें यह भी कहा गया है कि मौजूदा उप राष्ट्रपति के अगस्त 2022 में पद ग्रहण करने से लेकर अब की घटनाओं का इसमें उल्लेख उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से झूठे दावों से भरा हुआ है। इस आदेश में उप राष्ट्रपति के विरुद्ध मीडिया अभियान चलाये जाने की बात कही गयी है और इस संबंध में गत 12 दिसंबर को कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल के नेता और मुख्य सचेतक की टेलीविजन पर प्रसारित संवाददाता सम्मेलन का भी उल्लेख किया गया है।

गुरदासपुर की सीमावर्ती पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के जिला गुरदासपुर की एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला किया गया है। बीते 26 दिन में यह छठी घटना है। बुधवार की रात हुए इस हमले की जिम्मेदारी गुरुवार को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली है। इससे पूर्व भी गुरदासपुर व अमृतसर में ग्रेनेड हमले व धमाके की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस इस मामले में चुप है।

जानकारी के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते कलानौर कस्बे की बख्शीवाल चौकी पर बीती रात ग्रेनेड फेंका गया। इस धमाके में कोई जनहानि नहीं हुई है।

- खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह ग्रेनेड ऑटो में सवार व्यक्ति ने फेंका है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। गुरुवार को दिन में बख्शीवाल चौकी में आलाधिकारी पहुंचे, लेकिन किसी ने भी हमले को लेकर अधिकारिक बयान नहीं दिया।

इस बीच खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इस धमाके की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जत्थेदार भाई रणजीत सिंह जम्मू के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

एबीवीपी ने छेड़खानी मामले को लेकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ छेड़खानी का मामला गुरुवार को सामने आया है। जूलॉजी विभाग की छात्रा ने पीएचडी स्कॉलर के ऊपर यह आरोप लगाया है कि विभाग की कई छात्राओं के साथ वह छेड़छाड़ करता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस मामले को विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने रखा और यह मांग की कि जांच कमेटी बनाकर तीन दिन के भीतर सच्चाई को सामने लाया जाए और निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करते हुए दोषी को कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा ना हो। एबीवीपी ने यह भी कहा कि अगर आरोपित पर लगाया गया आरोप सही पाया जाता है तो पुलिस प्रशासन को सूचित किया जाए।

आज से हैदराबादी खाद्य महोत्सव चाणक्य बीएनआर में

रांची। चाणक्य बी.एन.आर में 20 से 29 दिसम्बर के मध्य अपने होटल प्रांगन में हैदराबादी खाद्य महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस सम्बंध में चाणक्य के खाद्य एंव मादक पदार्थ प्रबंधक धर्मवीर कुमार ने बताया के हैदराबादी खाद्य पदार्थ का स्वंय में विशेष महत्तव है, जो हैदराबाद के परम्परागत नेजाम किंगडम में प्रचलित, कबाब, गुलाबी मछली टिक्का, मटन बोटी, हैदराबादी फिश टिक्का, बिरयानी इत्यादि खाद्य पदार्थ जो विख्यात है, जैसे फुड का इस खाद्य महोत्सव में विशेष प्रबंध किया गया है। इस सम्बंध में मुख्य शेफ कोशर अली, जो हैदराबादी फूड के लिए विख्यात है, उन्होने बताया के हमारे कार्यकारी शेफ श्री पिनाकी मिश्रा और हैदराबादी व्यंजनों के विशेषज्ञ धीरेन शेरपा और उनकी टीम ने इस उत्सव को सफल बनाने के लिए अपने टीम के सदस्यों के साथ व्यंजन तैयार किए हैं। इस वर्ष हैदराबादी खाद्य महोत्सव में हैदराबादी परम्परागत मसालों के मिश्रण से विशेष फूड को तैयार किया गया है जो हमारे ग्राहकों को हैदराबादी फूड का पूर्ण स्वाद देगा।

स्कूल छुट्टी के समय सादे लिबास में महिला और पुलिस बल की हो तैनाती

रांची। राजधानी में पिछले दिनों बच्ची के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना को लेकर अब झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग भी एक्टिव मोड में आ गया है। आयोग के सदस्य उज्जवल प्रकाश तिवारी ने पुलिस महानिदेशक से ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि स्कूल के छुट्टी की समय सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की जाए। इसके अलावा उज्जवल प्रकाश तिवारी ने पुलिस महानिदेशक से कई अन्य बातों पर भी गंभीरता पूर्वक विचार करने का अनुरोध किया है। श्री तिवारी ने बताया है कि पुलिस महानिदेशक ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए इस पर उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है। अपने ज्ञापन में बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ने निम्न बातों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई करते हुए व्यवस्था करने की मांग की है। किसी भी तरह से शिकायत करने के लिए प्रत्येक स्कूल एवं उसके आसपास शिकायत पेटी की व्यवस्था की जाए। स्कूल छुट्टी के समय सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की जाए। जिला प्रशासन के द्वारा स्कूल के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाने की व्यवस्था हो। प्रत्येक स्कूल के बाहर पुलिस पोस्ट बनाने की दिशा में पुलिस मुख्यालय कार्यवाही करें। प्रत्येक माह बच्चों से संबंधित केस की समीक्षा की जाए। इसकी सूचना आयोग को भी उपलब्ध कराई जाए।

मोर्चा का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 19 जनवरी को

रांची। पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक मेन रोड स्थित होटल दुलारी इन में हुई। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप सोनी ने की इसमें सर्वसम्मति से नये प्रदेश अध्यक्ष मोर्चा के प्रधान महासचिव पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा का चयन किया गया। इसके अलावा कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप कुमार सोनी, प्रधान महासचिव अरुण कश्यप, उपाध्यक्ष अब्दुल खालिक का चयन किया गया। वहीं कमेटी के विस्तार के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौपी गई। सर्वसम्मति ने पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 19 जनवरी को रांची में करनें का निर्णय लिया गया। बैठक में अरुण कश्यप, भीम शर्मा, रवींद्र वर्मा , दिनेश प्रजापति, विक्रांत विश्वकर्मा, सूरज कुमार, ललित कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार गुप्ता साहित्य अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड में दस बीज ग्राम की होगी स्थापना : शिल्पी तिर्की

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा, राज्य में अच्छे बीज की हमेशा से रही है कमी

संवाददाता

रांची। झारखंड में कृषि विभाग दस बीज ग्राम की स्थापना करेगा। इसका उद्देश्य उन्नत बीज के साथ-साथ राज्य में बीज की कमी को पाटना है। इसके लिए पश्चिम सिंहभूम, चतरा और लातेहार के दस गांव के साथ गुरुवार को एमओयू किया गया।

रांची के हेसाग स्थित पशुपालन भवन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभागीय समीक्षा के बाद ये जानकारी दी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में अच्छे बीज की हमेशा से कमी रही है। इसके साथ ही डिमांड के अनुरूप राज्य में बीज उपलब्ध नहीं हो पाता है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग ने 10 अलग -अलग गांव को बीज ग्राम के तौर पर विकसित करने का निर्णय लिया है। किसानों के जरिये तैयार बीज को खुद सरकार खरीदने का काम करेगी। फिर उस बीज को राज्य के किसानों के बीच तय सब्सिडी दर पर वितरित किया जाएगा। पशुपालन भवन में समीक्षा के दौरान मडुवा का उत्पादन करने वाले राज्य के 1400 किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की गई। राज्य सरकार मडुवा की खेती करने वाले किसानों को तीन हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से राशि का भुगतान करती है। विभाग के जरिये पंचायत स्तर पर इसकी मैपिंग की जाती है।

मंत्री ने कहा कि विभाग एफपीओ को मजबूत करने में जुटा है। इसी क्रम में लोहरदगा के एफपीओ को 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। समीक्षा बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के जरिये संचालित योजनाओं पर चर्चा हुई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने योजनाओं को गति देने को लेकर अधिकारियों को कई तरह के दिशा-निर्देश भी दिए।

राहुल गांधी ने लोकतंत्र को तार-तार किया : संजय सेठ

संवाददाता

रांची। कांग्रेस के राहुल गांधी ने लोकतंत्र की गरिमा को तार-तार कर दिया। संसद परिसर में जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत के साथ धक्का मुक्की कर उन्हें चोटिल किया गया यह लोकतंत्र को तार-तार करने वाली घटना है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने इस घटना की कड़ी शब्दों में निंदा की है। मंत्री सेठ ने कहा राहुल गांधी निराशा और हताश है। यह वही लोग हैं जो संविधान को नहीं मानते जिसका आज ताजा उदाहरण सबके सामने है । जिस तरह आज राहुल गांधी ने गुंडागर्दी दिखाई दो वरिष्ठ सांसदों को धक्का देकर चोटिल किया यह लोकतंत्र के लिए काला दिन है। राहुल गांधी ने आज सभी मयार्दाओं का हनन किया है। भारतीय संसदीय में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। कांग्रेस और राहुल गांधी का चाल , चरित्र, और चेहरा, देश के सामने आ चुका है। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है।

हाईकोर्ट ने साहिबगंज जलापूर्ति मामले में सरकार को फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का दिया निर्देश

संवाददाता

रांची। साहिबगंज में पेयजलापूर्ति के संबंध में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर अदालत को बताया गया कि साहिबगंज पेयजलापूर्ति में जो ठेकेदार काम कर रहे थे। वह इस कार्य को गति नहीं दे पा रहे थे। इस कारण उन्हें हटा दिया गया है और काम पूरा करने के लिए फ्रेश टेंडर जारी किया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए ठेकेदार को कार्य आवंटित होने के बाद जल्द ही साहिबगंज में पेयजल जलापूर्ति योजना को पूरा किया जाएगा।

हाई कोर्ट की अदालत ने राज्य सरकार के जवाब को देखते हुए मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2025 निर्धारित की है। गुरुवार को साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना के शीघ्र चालू करने को लेकर दायर सिद्धेश्वर मंडल की जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट की अदालत ने सुनवाई की। शिकायतकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव शर्मा एवं अधिवक्ता ओम प्रकाश ने पक्ष रखा। इससे पहले की सुनवाई में हाई कोर्ट की अदालत ने साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना पूरी होने में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था। अदालत ने मौखिक कहा था कि चाहे एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हो या चीफ इंजीनियर या इंजीनियर इन चीफ या फिर ठेकेदार हो जिनके कारण साहिबगंज में जलापूर्ति योजना पूरी नहीं हो पाई है उन पर कार्रवाई करें। कोर्ट ने मौखिक कहा था कि पानी लोगों की मूलभूत जरूरत होती है इसके बिना सामाजिक दायित्व पूरा होना असंभव है। गुड गवर्नेंस के तहत राज्य सरकार को प्राथमिकता के आधार पर साहिबगंज हो या पाकुड़ हो या मेदनीनगर हो, यहां के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना होगा। वहीं, महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि साहिबगंज में पेयजलापूर्ति योजना के लिए रेलवे से एनओसी मिल चुका है, तीन माह में साहिबगंज में पेयजल योजना में काफी प्रोग्रेस नजर आने लगेगा।कई जगहों पर पाइपलाइन भी बढ़ा दिया गया है, पाइपलाइन का कुछ काम बचा हुआ है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

अनुकंपा समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता

रांची। रांची उपायुक्त सह जिला अनुकंपा समिति के अध्यक्ष मंजूनाथ भजंत्री ने गुरुवार को समाहरणालय में अनुकंपा पर नियुक्ति को लेकर बैठक की। इस बैठक में सामान्य और उग्रवादी हिंसा में मरने वाले पांच लोगों के आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी देने पर सहमति बनी।

साथ ही डीसी ने जिला अनुकंपा समिति की समीक्षा कर कुछ मामलों में संबंधित कार्यालय प्रधानों से रिपोर्ट मांगी। बैठक में परियोजना निदेशक आई.टी.डी.ए. रांची संजय कुमार भगत, डी.एस.पी. शहर रांची, जिला स्थापना उप-समाहर्ता रांची ज्योति वंदना कुजूर, सर्जेंट मेजर और सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी देने पर बनी सहमति

जिला अनुकंपा समिति ने पांच लोगों की नियुक्ति की अनुशंसा की गई। इसके अलावा उग्रवादी घटना में मृत के आश्रित की नियुक्ति की सहमति मिली। जिला अनुकंपा समिति सामान्य में चार आश्रितों की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गयी।

मिथिला मंच का पंचांग विमोचन समारोह 25 को

रांची। झारखंड मिथिला मंच के तत्वावधान में मंच के स्थापना दिवस पर 25 दिसंबर को रक्तदान शिविर, चिकित्सा परामर्श और कैलेंडर सह पंचांग का विमोचन अरगोड़ा स्थित लेक गार्डेन में होगा। मंच के मीडिया प्रभारी संजीत झा ने गुरुवार को बताया कि इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही मंच के तत्वावधान में 12 और 13 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय मिथिला महोत्सव मनाया जायेगा। इस बार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, दरभंगा, मधुबनी और सहरसा के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर डॉ आनंद शेखर झा, निशा झा, ममता झा, उषा पाठक सहित अन्य जुटे हुए है।

मरांडी ने क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महान क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है।

वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा2025 के लिए परीक्षा केंद्र चयन समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने गुरुवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए सभागार में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए परीक्षा केन्द्र चयन समिति की बैठक आयोजित कि गई। बैठक में अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी तृप्ति कुमारी, अध्यक्ष जिला मदरसा संघ, अध्यक्ष रांची जिला इंटरमीडिएट शिक्षक संघ, अध्यक्ष रांची जिला संस्कृत शिक्षक संघ एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त द्वारा बैठक में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए निर्धारित केंद्र प्रखंडवार एवं अनुमंडलवार समीक्षा कि गई। बैठक में बताया गया कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 के लिए निर्धारित केंद्र एवं छात्रों का प्रखंडवार केंद्रों कि संख्या कुल- 102, संलग्न विद्यालय कि संख्या 314 और कुल छात्र संख्या- 38139 हैं।प्रखंडवार एवं अनुमंडलवार कुल केंद्रों कि संख्या 57, विद्यालयों कि संख्या115, छात्र कि संख्या 42121 हैं। कला संकाय में सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या 27146, वाणिज्य संकाय में सम्मिलित परीक्षार्थियों कि संख्या- 5836 और विज्ञान संकाय में सम्मिलित परीक्षार्थियों की कुल संख्या 9139 है।

पीएम पोषण योजना जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक संपन्न

चल रही योजनाओं की डीसी ने की समीक्षा

आच्छादन दर को 70 प्रतिशत से बढ़ाया जाय

संवाददाता

रांची। उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर गुरुवार को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित सभागार में पीएमपोषण योजना अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक आयोजित कि गई। बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रांची, प्रदीप भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी रांची, जिला प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम रांची, अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मांडर और ओरमांझी, अवर विद्यालय निरीक्षक एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिले में मध्याहन भोजन की स्थिति मध्याहन भोजन योजना अंतर्गत नवंबर माह का आय-व्यय की स्थिति कि समीक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा उपस्थित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि आच्छादन दर को 70 प्रतिशत से बढ़ाया जाय।

पेंशन योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित

प्रत्येक माह 8 वीं तारीख तक पोर्टल इन्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया जाय मध्यान पोर्टल में ऑटोमेटिक मोनेटरींग के तहत विद्यालयों द्वारा किये जा रहे दैनिक एसएमएस की प्रखंडवार स्थिति कि समीक्षा करते हुए विद्यालयों द्वारा प्रतिदिन छात्र उपस्थिति का शतप्रतिशत एसएमएस किया जा रहा है, साथ निर्देश देते हुए कहा गया कि राज्य में जिले की शत प्रतिशत की स्थिति बरकार रखी जाय। जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रत्येक माह 8 वीं तारीख तक पोर्टल इन्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया जाय। आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित रसोईया की प्रखंडवार स्थिति कि समीक्षा करते हुए उपस्थित प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से कार्यरत रसोईया का आगामी बैठक तक शतप्रतिशत रसोईया को आयुष्मान कार्ड से लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करें। रसोईया-सह-सहायिकाओं को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना से आच्छादित प्रतिवेदन की प्रखंडवार स्थिति कि समीक्षा करते हुए उपस्थित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि रसोईया सह सहायिकाओं को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना से रसोईयों जोडे एवं आगामी बैठक तक 60 वर्ष पूर्ण कर चुकी रसोईया को राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करें।

जनता को सच्चाई जानने का अधिकार: मरांडी

सरकार बकाए का हौआ खड़ा कर अपनी विफलताओं को छुपाने की कर रही कोशिश

झारखंड और झारखंडियों के हर अधिकार के लिए भाजपा खड़ी है

झूठे आंकड़े और फर्जी दावे बर्दाश्त नहीं होंगे

संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को हेमंत सरकार पर निशाना साधा। श्री मरांडी ने सीएम से सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य की जनता को बकाए से संबंधित सच्चाई जानने का अधिकार है। कहा कि झारखंड के 1.36 लाख करोड़ कोयला रॉयल्टी के दावे पर जनता को सच्चाई जानने का हक है। श्री मरांडी ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछा कि सरकार बताए यह बकाया किस-किस साल का है और किस किस योजना, परियोजना का है? 1.36 लाख करोड़ की राशि का आधार क्या है? यूपीए शासनकाल और शिबू सोरेन जी के कोयला मंत्री रहते हुए कितनी राशि वसूली गई थी? इस मामले में पारदर्शिता क्यों नहीं है? कहा कि झारखंड के भ्रष्टाचार से भरे इतिहास को देखते हुए, जनता सबकुछ जानना चाहती है। सही दस्तावेज और तथ्यों को पारदर्शिता के साथ सामने रखें तब बात करें। झारखंड और झारखंडियों के हर अधिकार के लिए भाजपा खड़ी है, जहां भी जरूरत होगी वे सरकार के साथ खड़े होंगे। लेकिन झूठे आंकड़े और फर्जी दावे बर्दाश्त नहीं होंगे। सच्चाई पर चलिएगा तो हम हर हमेशा सहयोग के लिए तैयार हैं।

कहा कि बकाया-बकाया का हौव्वा खड़ा कर कहीं राज्य सरकार जानबूझकर आगे मंईयां सम्मान योजना की राशि देने में विफलता के दोषारोपण की भूमिका तो तैयार नहीं कर रही है? झूठी राजनीति छोड़कर झारखंड के असली मुद्दों पर ध्यान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष में 24 से निकाली जाएगी प्रभात फेरी

वरीय संवाददाता

रांची। दशम पातशाह श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा 24 दिसंबर से प्रभात फेरियों की शुरूआत सुबह 5:45 बजे से होगी। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहब से रोजाना आरंभ होकर कृष्णा नगर कॉलोनी की विभिन्न गलियों का भ्रमण कर वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर समाप्त होगी। प्रभात फेरी का समापन 31 दिसंबर को होगा।

सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि नव वर्ष के आगमन की खुशी में 1 जनवरी को सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा, इस दीवान में दरबार साहिब के भाई कमलजीत सिंह जी एवं भाई मान सिंह जी विशेष रुप से शिरकत करेंगे।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व 6 को, सजेगा विशेष दीवान

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व 6 जनवरी को मनाया जाएगा, इस उपलक्ष में रात 8:00 बजे से 1.00 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा तथा रात 12:00 बजे प्रकाश पर्व के उपलक्ष में 4 जनवरी को रखे गए श्री अखंड पाठ साहिब जी का भोग होगा। पटना साहब में प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए गुरु नानक सत्संग सभा के 240 श्रद्धालुओं का जत्था तीन एवं चार जनवरी को हटिया रेलवे स्टेशन से हटिया पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस द्वारा पटना साहिब के लिए रवाना होगा और प्रकाश पर्व के सभी आयोजनो में शामिल होने के बाद श्रद्धालुओं का जत्था 8 जनवरी को वापस रांची पहुंचेगा. श्रद्धालुओं के जत्थे के रांची वापस पहुंचने के बाद 11 एवं 12 जनवरी को सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य विशेष दीवान सजाया जाएगा, जिसमें 11 जनवरी को सुबह 8:00 से 10:00 बजे तक तथा रात आठ बजे से ग्यारह बजे तक एवं 12 जनवरी को सुबह दस बजे से दोपहर ढाई बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा। इन सभी दीवानों में विशेष रूप से शिरकत करने पहुंच रहे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई गुरमन प्रीत सिंह, दिल्ली वाले शबद गायन कर रांची की साध संगत को निहाल करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

भीम आर्मी का पैदल मार्च व विरोध प्रदर्शन 21 को

फुसरो/ बोकारो। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद भवन में विश्वरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर गलत तरीके से टिप्पणी करने के कारण भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी एवं अन्य बहुजन संगठन के लोगों में आक्रोश है। यह जानकारी भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष गोवर्धन रविदास ने देते हुए कहा कि इस मामले को लेकर 21 दिसंबर को शाम चार से सात बजे तक पुराना बीडीओ ऑफिस ढोरी से लेकर बैंक मोड फुसरो तक विरोध मार्च एवं पैदल यात्रा भीम आर्मी की ओर से निकाला जायेगा। जिसमें आजाद समाज पार्टी, कई राजनैतिक पार्टी तथा सामाजिक संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे।

हाथियों के झुंड ने दी दस्तक ग्रामीणों में दहशत

बेरमो/ बोकारो। पेटरवार प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों के झुंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। बुधवार को पेटरवार प्रखंड के मायापुर पंचायत स्थित बोरवापानी जंगल में दो हाथियों को विचरण करते देखा गया। दिन के कारण हाथी जंगल में डेरा जमाये हुए हैं। हाथियों के आने की खबर मायापुर के साथ-साथ आस-पास के पंचायतों में आग की तरह फैल गई, जिससे ग्रामीणों के बीच दहशत व्याप्त है। लोग रात में हाथी भगाने के लिए मशाल, पटाखा, टार्च आदि की व्यवस्था करने में जुटे हैं। हाथी आने की खबर को वनकर्मी रामनाथ हांसदा ने पुष्टि करते हुए कहा कि इसकी खबर वन विभाग के अधिकारी को दे दी गई है। ज्ञात हो कि इस क्षेत्र में हर वर्ष हाथियों का झुंड पहुंचता है। पिछले वर्ष भी मायापुर, चांदो, खेतको, चांपी पंचायत में हाथियों ने फसलों को नुकसान पहुंचाया था। इस बार वन विभाग को समय पर सूचना मिली है देखना है वन विभाग हाथी को भगाने में कितना सफल होता है।

सीसीएल कर्मी घनश्याम महतो का निधन

बेरमो/ बोकारो। सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र अंतर्गत सीसीएल एएडीओसीएम के अमलो एक्सवेशन में फीटर के पद पर कार्यरत सह घुठियाटांड़ बस्ती निवासी 56 वर्षीय घनश्याम महतो की गुरुवार को घर के बारी में अचानक तबीयत बिगड गई। घर वाले इलाज के लिए केन्द्रीय अस्पताल ढ़ोरी लाया। जहां चिकित्सक राहुल रंजन ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते हीं बेरमो थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची। सीसीएल ढोरी के जीएम रंजय सिंहा, पीओ राजीव कुमार सिंह, कार्मिक प्रबंधक सुरेश सिंह सहित कई अधिकारी घटनास्थल पहुंचे और लगभग आघा घंटे की मशक्कत के बाद घनश्याम महतो के शव को सीसीएल अधिकारियों ने फिलहाल केंद्रीय अस्पताल ढोरी के मर्चरी में रखवा दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। वहीं यूनियन प्रतिनिधियों ने मृतक के आश्रित को नौकरी व मुआवजा देने की मांग सीसीएल प्रबंधन से की। जीएम ने मृतक के आश्रित को नियोजन देने की बात कही। घनश्याम महतो एक बेटा और बेटी छोड़कर चल बसे।

समाजसेवी स्व. गोपाल प्रसाद बरनवाल की पुण्यतिथि पर गरीबों के बीच बांटे कंबल

बेरमो/ बोकारो। नया रोड फुसरो स्थित ब्लॉक कॉलोनी के समीप गुरूवार को समाजसेवी स्व० गोपाल प्रसाद बरनवाल की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। यहां उनके परिजनों व लोगों ने स्व० बरनवाल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शांति पाठ व भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। यहां वक्ताओं ने कहा कि स्व० बरनवाल हमेशा समाजिक कार्य में बढ़ चढ़ कर अपनी भूमिका निभाते थे। आज समाज के युवा पीढ़ी को इनके दिये हुए मार्गदर्शन में चलकर उनके सपनों को साकार करने की जरूरत है। कहा कि उनका जीवन समाज के उत्थान के लिए समर्पित था। कहा कि दिवंगत बरनवाल को कोटि कोटि साधुवाद देते हैं, जो हम सबको भी इस पुनीत मौके पर शामिल होने का मौका मिला है। जो हम सबको उनके बताये मार्ग से प्रेरणा लेना चाहिए। इस दौरान दरिद्र नारायण भोज कराकर गरीब, असहाय एवं वृद्धों के बीच दर्जनों कंबल का वितरण किया गया। मौके पर स्व० बरनवाल की पत्नी मंजू देवी, पुत्र पवन कुमार बरनवाल, प्रकाश कुमार बरनवाल, रीता देवी, कविता देवी, शुभम, ऋषि शिवानी, अनोखी आदि मौजूद थे।

भाजपा संगठन महापर्व सदस्यता अभियान-2024 के तहत बैठक आयोजित

बोकारो। झारखंड प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार संगठन महापर्व सदस्यता अभियान-2024 के तहत गुरुवार को बालीडीह मंडल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यता अभियान के मंडल प्रभारी महेंद्र राय, सुनील गोस्वामी और उपेंद्र पांडेय ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अविनाश सिंह ने की। सदस्यता अभियान के प्रभारी महेंद्र राय ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर सदस्यता अभियान 2024-2030 की शुरूआत 22 दिसंबर से सभी शक्ति केन्द्रों पर होगी, और प्रत्येक शक्ति केन्द्र में कम से कम 250 सदस्य बनाए जाएंगे। प्राथमिक सदस्यता अभियान 22 दिसंबर से 14 जनवरी 2025 तक पूरा करना है। बैठक में सदस्यता अभियान के मंडल के संयोजक जितेंद्र गोस्वामी, राम विनय ठाकुर, श्याम लोचन सिंह, जे पी सिंह, सुनील सिंह, उमेश कुमार, तरुण महतो, जयप्रकाश साव, राजेन्द्र नाथ ठाकुर, जीतन रविदास, राजेश ठाकुर और किशोर ठाकुर समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फुटपाथ दुकानदारों पर बुलडोजर चलाने के विरोध में पुतला दहन, विस्थापितों को मुआवजा देने की मांग

संवाददाता

बोकारो। विस्थापित युवा लायंस फोर्स के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को बीएसएल प्रबंधन द्वारा फुटपाथ दुकानों पर बुलडोजर चलाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी का पुतला फूंका। प्रदर्शन का नेतृत्व झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष और युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा ने किया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन के इस कदम को निंदनीय करार देते हुए कहा कि इस तरह की बर्बरता की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। देव शर्मा ने आरोप लगाया कि बीएसएल प्रबंधन दोहरे चरित्र का परिचय दे रहा है। एक ओर जहां बीएसएल प्रबंधन द्वारा बोकारो के बड़े पूंजीपतियों और नेताओं के लिए अवैध रूप से अतिक्रमण किए गए बड़े-बड़े शो रूम और अन्य संपत्तियों को मोटी रकम लेकर संरक्षण दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गरीब और विस्थापित फुटपाथ दुकानदारों का रोजगार छीनने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि फुटपाथ पर दुकानें लगाकर रोजी-रोटी कमाने वाले ये गरीब लोग अब अपनी जीविका चलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और बीएसएल प्रबंधन ने बर्बरतापूर्वक उनके रोजगार को छीन लिया है। शर्मा ने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा हमेशा से ही पूंजीपतियों और अमीरों की सरकार रही है, और जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है, तब से निचले तबके के लोगों के जीवन की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएसएल प्रबंधन केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है, और यह सरकार गरीबों और विस्थापितों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। प्रदर्शन में शामिल अन्य नेताओं ने भी बीएसएल प्रबंधन और केंद्र सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। मुर्शलिम अंसारी, जो संगठन के उपाध्यक्ष हैं, ने भी अपने संबोधन में बीएसएल द्वारा विस्थापितों और गरीबों के साथ हो रहे अन्याय का जिक्र किया।

उन्होंने बीएसएल प्रबंधन से फुटपाथ दुकानदारों को मुआवजा देने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें 10 दिनों के अंदर पूरी नहीं की जातीं, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि सीएसआर फंड का दुरुपयोग इस स्थिति की मुख्य वजह है, जिसके कारण विस्थापित और गरीब लोग शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हो गए हैं।

इस फंड का सही उपयोग नहीं होने के कारण विस्थापितों को रोजी-रोटी की जद्दोजहद करनी पड़ती है। प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल थे, जो अपने हक की लड़ाई के लिए आवाज उठा रहे थे। अगर बीएसएल प्रबंधन और केंद्र सरकार द्वारा उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की जाती है, तो उनका आंदोलन और भी उग्र हो सकता है, इसकी चेतावनी भी दी गई है।

महिला मोर्चा की बैठक में बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने समाज को संबोधित किया

संवाददाता

बोकारो। चास नगर निगम के वार्ड संख्या 17, शिवशक्ति नगर स्थित अटल क्लिनिक में माहुरी वैश्य समाज की महिला मोर्चा की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जहां समाज ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। बैठक में समाज के विभिन्न सदस्य भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। सामाजिक कार्यों में महिला मोर्चा के योगदान पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती श्वेता सिंह ने अपने संबोधन में सबसे पहले मां मथुरासिनी को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह समाज मां मथुरासिनी की कृपा से न केवल शिक्षित है, बल्कि हर क्षेत्र में मजबूती से खड़ा है। आज समाज के लोग झारखंड प्रदेश के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्यरत हैं और प्रदेश का नाम गर्व से रोशन कर रहे हैं। समाज के इस विकास को देखकर उन्हें अपार खुशी होती है।

श्रीमती सिंह ने समाज के सदस्यों से अपील की कि अगर समाज के किसी भी सदस्य को कोई भी समस्या हो, तो वह उन्हें शीघ्र अवगत कराएं, ताकि उसका समाधान जल्द से जल्द किया जा सके। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि समाज के हित में जो भी कार्य होंगे, वह उन्हें प्राथमिकता देंगे और समाज की भलाई के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।कार्यक्रम में समाज के प्रमुख सदस्य उपस्थित थे, जिनमें महिला मोर्चा की अध्यक्ष सोनी सेठ, अध्यक्ष सुदामा प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष अवधेश प्रसाद, सचिव शशि भूषण, डॉ. के पल्लव, रचना, अनामिका, अल्का, पुरुषोत्तम, पिंटू, प्रीति, बबिता, सरिता, नीलम और रेणु आदि प्रमुख थे। इस बैठक के दौरान सभी ने समाज के विकास और महिलाओं की सशक्तीकरण पर चर्चा की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की।

सहयोगिनी द्वारा बाल हितैषी पंचायत बनाने के लिए सघन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कसमार/ बोकारो। ग्राम पंचायत विकास योजना और उसमें बाल देखरेख विषयक मुद्दों के लेकर सहयोगिनी द्वारा फोर्सेस के साथ मिलकर कसमार प्रखंड में जागरूकता का कार्य किया जा रहा है।इस संबंध में सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर बनने वाले योजना में जीपीडीपी के तहत बाल हितैषी योजनाओं को शामिल किया जाना जरूरी है।उन्होंने बताया कि गांव स्तर पर किशोरी तथा महिला समूह के बीच बैठक कर इससे संबंधित जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों के साथ भी संपर्क पर योजना में बाल हितैषी शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जीपीडीपी अर्थात ग्राम पंचायत विकास योजना ग्राम स्तर पर आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए तैयार की जाने वाली योजना है। जिसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर एवं कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना, समग्र एवं समेकित विकास, जिसमें न केवल अधोसंरचनात्मक विकास बल्कि सामाजिक, आर्थिक एवं वैयक्तिक विकास शामिल हो, समुदाय को निर्णय लेने हेतु सक्षम बनाना तथा आवश्यकताओं का चिन्हीकरण एवं प्राथमिकीकरण, सहयोगी नियोजन एवं संसाधनों का अभिसरण सुनिश्चित करना, निर्धनों की आजीविका, निर्धनता एवं सामाजिक सुरक्षा प्रमुखता से सम्मिलित करते हुए अनुसूचित जनजाति व अनुसूचित जाति के कल्याण को प्राथमिकता देना, सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण करना है। इस संबंध में सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि पंचायत दर पर जागरूकता कर बताया जा रहा है लिंग के आधार पर गर्भपात न हो, बाल विवाह न हो,कोई घरेलू हिंसा नहीं हो,नियमित वी.एच.एन.डी. का आयोजन और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिले,स्कूलों में पौष्टिक मिड डे मील, आपातकालीन तैयारी ,स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल और अपशिष्ट प्रबंधन,संचारी रोगों की रोकथाम हेतु उपाय, पी एच सी / सी एच सी / स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सुविधा, जानवरों के काटने और अन्य दुर्घटनाओं के मामले में आपातकालीन सेवाएं, विकलांगता की प्रारंभिक पाहचान और प्रबंधन होना जरूरी है।

श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो का 36वां वार्षिक खेल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ

संवाददाता

बोकारो। श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो का 36 वां वार्षिक खेल दिवस शुक्रवार को बड़े धूमधाम से आयोजित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को विभिन्न पोस्टरों और रंग-बिरंगे नारों से सजाया गया था, जो छात्रों के मनोबल को उत्साहित करने में सहायक थे। विद्यालय परिसर में उर्जा और उत्साह का वातावरण था, और इस आयोजन में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों की भारी उपस्थिति रही। सभी ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी-अपनी टीमों का उत्साहवर्धन किया। खेल दिवस की शुरूआत मुख्य अतिथियों सुधीर कुमार जीएम, परियोजना प्रबंधक, सेल, बोकारो स्टील सिटी, अभिषेक कुमार प्राचार्य, श्री गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, चास, बोकारो, डॉ० राधाकृष्णन कोषाध्यक्ष, सहोदया कॉम्प्लेक्स, सोमेन चक्रवर्ती प्राचार्य, श्री गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5, बोकारो, सुरज शर्मा प्राचार्य, चिन्मय विद्यालय, सिटी बोकारो द्वारा मशाल जलाकर की गई। मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ और बच्चों द्वारा बनाए गए बैंच से किया गया। स्वागत गीत स्वागतम हम आपका अभिनंदन करते हैं ने सभी को भावुक कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पी. शैलजा जयकुमार ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि खेल दिवस केवल शारीरिक कौशल को ही नहीं बल्कि छात्रों की रचनात्मक और लयबद्ध प्रतिभाओं को भी प्रदर्शित करने का अवसर है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम में योगा नृत्यम्, संथाली रिंग-विंग लोक नृत्य, और पाइका नृत्य जैसे सांस्कृतिक प्रदर्शनों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। इन नृत्य प्रस्तुतियों में छात्रों ने अपनी कला और सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन किया। इसके बाद छह सदनों के छात्रों द्वारा भव्य मार्च पास्ट किया गया और खेल शपथ लिया गया। राष्ट्रगान के साथ खेल दिवस की शुरूआत हुई, जो देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत था। खेल गतिविधियों में जिग-जैग रेस, 75 मीटर दौड़, बाधा दौड़, 100 मीटर रेस, और 47100 रिले रेस जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एथलीटों ने अपनी कठिन मेहनत और समर्पण से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 47100 रिले रेस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मानसिक संतुलन और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ावा देते हैं।

विद्यालय स्तरीय कहानी पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

बोकारो। पीएम श्री एस एस + 2 उच्च विद्यालय, कसमार के प्रांगण में काव्य सभा (पोएट्री क्लब) के तत्वावधान में विद्यालय स्तरीय कहानी पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दी के विद्वान शिक्षक और काव्य सभा के नोडल शिक्षक राम बाबू शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न वर्गों के कुल 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य फारुक अंसारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि काव्य सभा के माध्यम से विद्यार्थियों की छिपी रचनात्मक क्षमताओं को निखारने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि क्लब द्वारा समय-समय पर काव्य की विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।।कार्यक्रम में विद्यालय के विभिन्न शिक्षक, डॉ० रंजीत कुमार झा, डॉ० अवनीश कुमार झा, जितेन्द्र कुमार सिंह, खुर्शीद रजा, श्रीमती सीमा कुमारी और नितेश कुमार प्रजापति भी उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन पर कार्यशालाः ग्रामीणों को बचाव के उपायों के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

बोकारो। तेजी से बदलते पर्यावरण का प्रभाव सबसे अधिक किसानों और ग्रामीण समुदाय पर देखने को मिल रहा है। ऐसे में इन्हें समय रहते बचाव के तरीकों के बारे में सजग करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से गुरुवार को पेटरवार के वन विश्रामागार में वन विभाग, असर, एसआईडीएचए और पंच सफर संस्था के संयुक्त प्रयास से जलवायु परिवर्तन और हम, एक पहल समाधान की ओर विषयक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में पेटरवार और आसपास के इलाकों से वन रक्षा समिति के सदस्य और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एपीपीसीएफ रवि रंजन ने कहा कि नेशनल मिशन ऑन स्ट्रैटेजिक नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज के तहत झारखंड में 25,000 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे अगले पांच साल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर चर्चा करते हुए कहा कि दुनियाभर में इसके दुष्परिणाम देखे जा रहे हैं, जैसे सऊदी अरब में बर्फबारी और पाकिस्तान में बाढ़। झारखंड भी इससे अछूता नहीं है, और यहां का 69 प्रतिशत इलाका मरुस्थल में तब्दील होने की कगार पर है।

रवि रंजन ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाव के लिए पानी को रोकने के उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिकीकरण के कारण धरती का तापमान 1.1 डिग्री बढ़ चुका है, जिससे बरसात के पैटर्न में तेजी से बदलाव हो रहा है। बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के तहत जलवायु परिवर्तन के बचाव के उपायों पर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में असर संस्था के मुन्ना झा, इश्तियाक अहमद, एसआईडीएचए के हेमंत कुमार, गुलाबचंद्र, मनीष कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

अधिवक्ता संघ तेनुघाट का चुनाव आज, तैयारी पूरी

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। झारखंड राज्य विधिविद परिषद रांची के आदेश के आलोक में अधिवक्ता संघ तेनुघाट का सत्र 2024/26 का चुनाव 20 दिसंबर शुक्रवार को होगा। मालूम हो कि झारखंड राज्य विधिज्ञ परिषद रांची द्वारा मनोनीत पर्यवेक्षक मृत्युजंय कुमार श्रीवास्तव भी तेनुघाट पहुंच चुनाव प्रक्रिया की जानकारी चुनाव पदाधिकारी से ली और उन्हें कई तरह के दिशा निर्देश भी दिए। मनोनीत पर्यवेक्षक मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, अनील कुमार महतो एवं परमेश्वर मंडल के साथ चुनाव पदाधिकारी प्रबोध कुमार महथा, उमेश प्रसाद और बिनोद कुमार गुप्ता के द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा। वहीं उनके साथ मनोज कुमार, मजहर जानी और पंकज कुमार झा भी सहयोग करेंगे तथा उनके साथ द्वारिका नाथ तिवारी, बीरेंद्र प्रसाद, सुभाष कटरियार, मनोज कुमार चौबे, मो० सबीर एवं अजय कुमार कपूर भी मौजूद रहेंगे। चुनाव शांति पूर्ण संपन्न कराने को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। चुनाव की जानकारी बोकारो प्रधान जिला जज, तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जज प्रभारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को भी दिया गया है। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए कामेश्वर मिश्रा, मदन गोपाल वर्मा एवं बद्री नारायण पोद्दार, उपाध्यक्ष पद के लिए वेंकट हरि विश्वनाथन, अवध किशोर सिंह एवं मोहितोष चक्रवर्ती, महासचिव पद पर रमेंद्र कुमार सिन्हा, वकील प्रसाद महतो एवं वकील महतो, सहायक सचिव प्रशासन पद पर शंकर ठाकुर एवं आनंद कुमार श्रीवास्तव एवं गणेश तिवारी तथा उपकोषाध्यक पद चन्द्रशेखर प्रसाद एवं महेश ठाकुर चुनाव मैदान पर हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

ट्रक मालिकों ने जिला प्रशासन से ढुलाई के लिए निर्धारित समय-सीमा बढ़ाने की मांग की

टंडवा/ चतरा। कोयले की ढुलाई के लिए जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा को लेकर ट्रक मालिकों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं और समय-सीमा बढ़ाने की मांग की है। इस मुद्दे पर गुरुवार को आम्रपाली परियोजना स्थित एक नंबर बैरियर के पास ट्रक वाहन संयोजक मंडली की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी ट्रक मालिकों ने एक स्वर में चतरा के डीएमओ से समय-सीमा में तुरंत बढ़ोतरी करने का अनुरोध किया। संघ के पूर्व संयोजक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि पहले भी जिला प्रशासन से इस मुद्दे पर कई बार समुचित संज्ञान लेने की अपील की जा चुकी है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आम्रपाली से रेहला तक की दूरी लगभग 250 किमी है, जबकि निर्धारित समय केवल पांच घंटे का है, जो पर्याप्त नहीं है। इस दौरान, माइंस से मात्र 20 किमी दूर स्थित सिमरिया तक जाने में तीन से चार घंटे का समय लग जाता है, जिससे ट्रक मालिकों के लिए निर्धारित समय के भीतर ढुलाई करना असंभव हो जाता है। इस मुद्दे पर वाहन मालिकों ने समय में वृद्धि की मांग की है, साथ ही यह भी प्रस्ताव रखा कि पच्चीस हजार टन से कम कोयले का उठाव ट्रकों से किया जाए और कोल डम्प की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाए। यदि प्रशासन इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देता, तो वाहन मालिकों ने मंगलवार को एक और बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसमें वे आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे। ट्रक मालिकों का कहना है कि कम समय सीमा के कारण वाहन चालकों को उच्च गति से वाहन चलाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है और जान-माल की हानि हो सकती है। इस संदर्भ में सीसीएल प्रबंधन द्वारा 17 दिसंबर को कोल वाहनों के लिए 20 किमी प्रति घंटे की गति सीमा निर्धारित की गई थी, जो नीतिगत तौर पर विरोधाभासी प्रतीत होती है।

सदर पुलिस ने कई चोरों को पकड़ा

चतरा। शहर में पिछले दिनों हुई चोरी की घटनाओं में शामिल कई चोरों को सदर पुलिस ने गिरफ्तार कर थाना लाया है। पुलिस ने इन चोरों से पूछताछ शुरू कर दी है और चोरी की घटनाओं का जल्द ही खुलासा करने का दावा किया है। यह घटनाएं शनिवार की रात सीआरपीएफ कैंप के पास स्थित एक जनरल स्टोर और मंगलवार की रात गंदौरी मंदिर के पास स्थित उत्तम विश्वकर्मा गैरेज में हुई थीं। पुलिस ने इन घटनाओं में शामिल चोरों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया और कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कुछ चोरों को पकड़ लिया गया है और बाकी चोरों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है। पुलिस की टीम को यकीन है कि बहुत जल्द इन चोरी की घटनाओं का खुलासा कर लिया जाएगा और चोरों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

रिमी पंचायत में एक दिवसीय शिविर का आयोजन

लावालौंग/ चतरा। लावालौंग प्रखंड के नक्सल प्रभावित रिमी पंचायत में आदिम जनजाति परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए आयोजित किया गया था। शिविर का उद्घाटन रिमी पंचायत की मुखिया सुगी देवी, रोजगार सेवक मनोरंजन कुमार और अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया। इस शिविर में आदिम जनजाति परिवारों को कई महत्वपूर्ण योजनाओं से जोड़ा गया, जिनमें आधार कार्ड, जॉब कार्ड, अबुवा स्वास्थ्य कार्ड, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पशुधन योजना और अन्य योजनाएं शामिल थीं। इसके साथ ही, सोना सोबरन योजना के तहत धोती और साड़ी का वितरण भी किया गया। इस आयोजन में स्कूली बच्चों के बीच दाल-चावल, कॉपी, किताब और बैग का भी वितरण किया गया, ताकि उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिल सके। शिविर के आयोजन से आदिवासी और अन्य ग्रामीण परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला, जिससे उनका जीवनस्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर मनरेगा ऑपरेटर आशीष कुमार, अवधेश यादव, जगदीश यादव और दर्जनों ग्रामीण भी उपस्थित थे।

ठंड से नीलगाय की मौत

हंण्टरगंज/ चतरा। ठंड के मौसम का असर न केवल इंसान, बल्कि वन्य जीवों पर भी पड़ रहा है। गुरुवार को हंण्टरगंज थाना क्षेत्र के कोबना गांव में ठंड के कारण एक नीलगाय की मौत हो गई। यह घटना गांव के गुड्डू मिस्त्री के घर के पास खेत में हुई, जहां नीलगाय बीमार पड़ी थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन क्षेत्र पदाधिकारी सूर्यभूषण कुमार को दी, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारी और मवेशी चिकित्सक घटना स्थल पर पहुंचे। चिकित्सक ने नीलगाय को मृत घोषित कर दिया और इसके बाद वन विभाग की टीम ने नीलगाय का विधिवत अंतिम संस्कार किया। इस अवसर पर वन विभाग के पदाधिकारी चंदन सिंह, कोबना पंचायत वन विभाग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव, मवेशी चिकित्सक दांगी और कई ग्रामीण मौजूद थे। वन विभाग के पदाधिकारी चंदन सिंह ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई पशु बीमार दिखाई दे, तो उन्हें तुरंत सूचना देकर आग जलाकर गरमाहट प्रदान करें, ताकि पशु को बचाया जा सके और उसकी जान को खतरे से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि अगर कोई वन्य प्राणी संकट में हो, तो उसकी मदद के लिए वन विभाग से संपर्क किया जाए। यह घटना यह भी दशार्ती है कि ठंड के मौसम में जानवरों को भीषण समस्याएं हो सकती हैं, और हमें उनके प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

जिला आधार निगरानी समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता

गिरिडीह। अपर समाहर्ता विजय सिंह बिरुआ की अध्यक्षता में जिला आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुदूर क्षेत्रों में आधार पंजीकरण और अद्यतन केन्द्रों की आवश्यकता का आकलन किया गया, और उन क्षेत्रों में आधार पंजीकरण केन्द्र की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, उन्होंने शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के आधार पंजीकरण में तेजी लाने की आवश्यकता जताई।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आधार में मोबाइल नंबर को जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

अपर समाहर्ता ने बीआरसी के सभी मशीनों के माध्यम से 05 और 15 साल के बच्चों का बायोमैट्रिक अपडेट अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, जिन लोगों का आधार 10 साल पुराना हो और जिन्होंने कभी भी अपडेट नहीं कराया, उन्हें अपना आईडी कार्ड और एड्रेस प्रूफ अपडेट करने के लिए कहा गया। जिला समाज कल्याण विभाग को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई ताकि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों का आधार पंजीकरण किया जा सके।

बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, जिला शिक्षा अधीक्षक, डाक अधीक्षक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में आधार पंजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए सभी अधिकारियों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई।

चोरों ने गेट ग्रिल दुकान से कई सामानों की चोरी की

संवाददाता

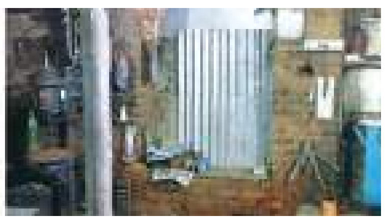

चतरा। शहर के गंदौरी मंदिर स्थित उत्तम विश्वकर्मा गैरेज में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने गैरेज के दरवाजे को तोड़कर वहां रखे कई महंगे औजार और उपकरण चुराए, जिनमें स्टेपलाइजर, ग्राइंडर, कटर और लोहे के अन्य औजार शामिल थे। इस घटना के बाद, गैरेज संचालक उत्तम विश्वकर्मा ने सदर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ आवेदन दिया और शिकायत दर्ज कराई। उत्तम विश्वकर्मा ने बताया कि वह मंगलवार शाम को अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे और सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे, तो दरवाजा टूटा हुआ था। दुकान में प्रवेश करने पर देखा कि कई सामान गायब थे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और चोरों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया।सूचना के अनुसार, उत्तम विश्वकर्मा गैरेज के अलावा बगल में स्थित पार्ट्स की दुकान से भी कुछ सामान की चोरी हुई है। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस चोरों की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है और बहुत जल्द उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गिरिडीह द्वारा पुलिस विभाग के पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। माननीय झालसा, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गिरिडीह, अरविंद कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में आज दिनांक 19 दिसंबर 2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गिरिडीह द्वारा पुलिस विभाग के अनुसंधानकताओं के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गिरिडीह, अरविंद कुमार पांडेय, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज चंद्र झा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अष्टम श्री यशवंत प्रकाश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गिरिडीह श्रीमती सोनम बिश्नोई और पुलिस उपाधीक्षक नीरज कुमार सिंह के पावन कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष महोदय, अरविंद कुमार पांडेय ने पोक्सो एक्ट, महिलाओं पर अत्याचार, नारकोटिक्स ड्रग्स एवं साइकोट्रोपिक एक्ट पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर के महत्व पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निदेर्शों का पालन सभी अनुसंधानकर्ता ओं को करना चाहिए, ताकि पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सके। इन मामलों में पुलिस पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, और प्रशिक्षण के माध्यम से न्यायिक अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी पुलिस अनुसंधानकताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती सोनम बिश्नोई द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 11 नव चयनित पैरा लीगल वालंटियर का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी नवचयनित वालंटियर उपस्थित रहे।

पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन

संवाददाता

हंटरगंज। राम नारायण मेमोरियल डिग्री कॉलेज के एनएसएस इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कॉलेज के प्रांगण से शुरू होकर एनएच 99 से होते हुए भोंदल गांव तक पहुंची। रैली का नेतृत्व एनएसएस पीओ डॉ. फहीम अहमद, भूगोल विभाग की व्याख्याता प्रो. पूजा कुमार सिंह, गणित विभाग के व्याख्याता प्रो. अनिल कुमार सिंह, डब्लू सिंह और उपेंद्र कुमार ने किया। रैली के दौरान कॉलेज के एनएसएस वॉलंटियर्स और छात्रों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर जल, पेड़ और पर्यावरण के महत्व को लेकर नारे लगाए।

उन्होंने नारा दिया- जब तक जल सुरक्षित है, तब तक कल सुरक्षित है, पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ, पर्यावरण पर बच्चों जैसा ध्यान, तभी होगा मानव कल्याण, सब मिलकर करें जल सुरक्षित, तभी होगा कल सुरक्षित, हरियाली हो चारों ओर, तभी गूंजेगा मानव का शोर और हम सब मिलकर करें प्रयास, तभी होगा सफल जागरूकता का प्रयास जैसी आवाजों से वातावरण गुंजायमान हो गया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने भोंदल गांव के विभिन्न हिस्सों में जाकर ग्रामीणों से संपर्क किया और उन्हें जल संचय, पेड़ लगाने, जमीन कटाव से बचाने, स्वच्छता बनाए रखने और गांव को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे जल और पर्यावरण के महत्व को समझें और इसका संरक्षण करें, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह बहुत जरूरी है। इस दौरान छात्रों ने जल, भूमि और पेड़-पौधों की उपलब्धता और इसके न रहने पर होने वाले दुष्परिणाम पर भी व्यापक प्रकाश डाला। उनका उद्देश्य था कि ग्रामीणों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न किया जाए।

ग्रामीणों ने छात्रों की बातों को सुना और इस अभियान को पूरी तरह से अपनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपना योगदान दिया। इसमें सचिन कुमार, आदित्य कुमार, आरफा प्रवीण, शहनाज प्रवीण, गुलफ्शन प्रवीण समेत दर्जनों छात्र-छात्राओं ने रैली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पिकअप और मोटरसाइकिल की टक्कर में युवक का पैर टूटा, पिकअप वाहन फरार

संवाददाता

हंटरगंज /चतरा। थाना क्षेत्र के चतरा-डोभी मुख्य पथ पर स्थित गोदोवार गांव के पास, पुराना अनपूर्णा हॉस्पिटल के समीप एक दर्दनाक दुर्घटना हुई। यहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने पिकअप वाहन को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके पैर में दो जगह फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के बाद पिकअप वाहन मौके से फरार हो गया, जिससे वाहन की पहचान करना मुश्किल हो गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया और उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, युवक का बायां पैर दो जगह से टूट चुका है, और उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। घायल युवक की पहचान हंटरगंज थाना क्षेत्र के धारधारा गांव निवासी 19 वर्षीय सेमी कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना उस समय हुई जब पिकअप वाहन हंटरगंज की अनपूर्णा हॉस्पिटल की दिशा से मुख्य सड़क पर आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने पिकअप में सीधे टक्कर मार दी, जिससे युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर के बाद पिकअप वाहन घटनास्थल से फरार हो गया, जिसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन इस दुर्घटना के मामले की जांच कर रहे हैं और फरार पिकअप वाहन का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

लावालौंग/ चतरा। चतरा उपायुक्त के निर्देशानुसार, लावालौंग प्रखंड के कटिया पंचायत भवन में गुरुवार को प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनकी समस्याओं का समाधान करना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी विपिन कुमार भारती, जिला परिषद सदस्य प्रसाद भारती और कटिया पंचायत मुखिया मिसी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। इस शिविर के माध्यम से आदिवासी और अन्य ग्रामीण परिवारों को योजनाओं का लाभ देने का उद्देश्य था। शिविर में प्रमाण पत्रों का वितरण, ऑनलाइन सेवाओं का अपडेट, भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान, पेयजल, स्वच्छता और परियोजना संबंधी मुद्दों का समाधान करने की योजना थी। इसके अलावा, ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाना था, ताकि वे समय पर उनका लाभ प्राप्त कर सकें। हालांकि, शिविर में कई विभागों के कर्मी और अधिकारी अनुपस्थित रहे। शिक्षा विभाग से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के पशु चिकित्सा प्रभारी, राजस्व उप निरीक्षक, अंचल निरीक्षक, पेयजल और स्वच्छता विभाग से संबंधित अधिकारी अनुपस्थित थे। उनके न होने के कारण, दूर-दराज से आए लोग समस्याओं का समाधान नहीं करवा पाए और वे शिविर में भटकते हुए वापस लौट गए। कई लोगों ने बताया कि उन्हें आवेदन स्वीकार नहीं किए गए और कुछ ने तो निराश होकर शिविर को छोड़ दिया।यह स्थिति इस बात को दशार्ती है कि अगर संबंधित अधिकारी और विभाग शिविर में उपस्थित होते, तो अधिक लोगों को लाभ मिल सकता था और उनकी समस्याओं का समाधान भी होता।

आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गिरिडीह। विलुप्तप्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से बनवासी विकास आश्रम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बगोदर द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बिरहोर समुदाय के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए आयोजित किया गया था। स्वास्थ्य जांच शिविर में विशेषज्ञ डॉ. चांदनी पाठक और उनकी टीम ने 42 बिरहोर समुदाय के लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल की जांच, बच्चों की पोषण जांच और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान किया गया। एक महिला में आंखों की समस्या पाई गई, जिसे उपचार के लिए उचित दवाइयां दी गईं। शिविर में उपस्थित डॉक्टरों ने रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और उन्हें नियमित जांच और साफ-सफाई की महत्ता बताई। सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने भी इस शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बनवासी विकास आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक उत्तम कुमार ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं को उन क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला थाना में कार्यक्रम

कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था

संवाददाता

गिरिडीह। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, श्रीमती स्नेह कश्यप के निर्देशानुसार बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत मासिक कार्यक्रम का आयोजन महिला थाना, गिरिडीह में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए सर जे.सी. बोस उत्कृष्ट विद्यालय की बालिकाओं का एक्सपोजर विजिट करवाया गया। बाल संरक्षण पदाधिकारी जीतू कुमार, विधि-सह-प्रोबेशन पदाधिकारी अहमद अली और संरक्षण पदाधिकारी कामेश्वर कुमार ने उपस्थित बच्चों को कानून से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

उन्होंने बताया कि बच्चों को कभी भी थाना में शिकायत लिखवाने का अधिकार है, और अगर वे स्वयं शिकायत नहीं कर सकते तो 100 नंबर डायल कर पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

विधि-सह-प्रोबेशन प्राधिकारी, अहमद अली ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अगर हम उन्हें शिक्षा नहीं देंगे, तो महिला पुलिस, महिला डॉक्टर जैसी पेशेवरों की कमी हो जाएगी। इस कार्यक्रम में महिला थाना की पुलिस पदाधिकारी राजेश्वरी देवी ने भी बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों ने महिला शिक्षा और सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बीएड सेमेस्टर चार में होगी पीओटी परीक्षा, रेगुलेशन में होगा बदलाव

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी ने बीएड कोर्स के रेगुलेशन में बदलाव का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो० रामकुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को हुई परीक्षा बोर्ड की बैठक में प्रैक्टिस ऑफ टीचिंग की परीक्षा सेमेस्टर चार में कराने का निर्णय लिया गया। यह बदलाव बीएड सत्र 2023-25 से लागू होगा। डीन एजुकेशन से इस संबंध में प्रस्ताव मांगा गया है। वर्तमान में पीओटी परीक्षा सेमेस्टर तीन में आयोजित की जाती है। पीओटी के तहत प्रशिक्षुओं को 16 सप्ताह की स्कूल इंटर्नशिप करनी होती है, जिसमें स्कूलों का आवंटन शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। इस प्रक्रिया में देरी के कारण सेमेस्टर तीन की परीक्षा में भी विलंब होता रहा है। इस समस्या को देखते हुए पीओटी की परीक्षा अब सेमेस्टर चार में कराने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, प्रशिक्षुओं की पीओटी प्रक्रिया सेमेस्टर तीन में ही प्रारंभ हो जाएगी।

अब तक पीओटी परीक्षा केवल वाइवा के माध्यम से ली जाती थी, लेकिन परीक्षा विभाग इसके स्वरूप में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। बैठक में वाइवा का वेटेज 30 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया। अंतिम निर्णय से पहले इस पर डीन एजुकेशन से प्रस्ताव मांगा गया है। यूजी सेमेस्टर चार में 68 प्रतिशत परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण बैठक में यूजी सेमेस्टर चार सत्र 2022-26 का रिजल्ट जारी करने का निर्णय भी लिया गया। परीक्षा में 68 प्रतिशत परीक्षार्थी सभी विषयों में उत्तीर्ण हुए, जबकि 95 प्रतिशत विद्यार्थियों ने चार सीजीपीए से अधिक ग्रेड प्वाइंट प्राप्त किए। बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ० पुष्पा कुमारी, प्रॉक्टर डॉ० अजीत कुमार, डीन एजुकेशन डॉ० शर्मिला रानी, रजिस्ट्रार डॉ० डीके सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ० सुमन कुमार वर्णवाल सहित अन्य विभागों के डीन भी उपस्थित थे।

खनन टास्क फोर्स पर जानलेवा हमला, चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

धनबाद। जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन का सख्त रुख जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा के निर्देश पर खनन टास्क फोर्स ने एक विशेष जांच अभियान चलाया। सुबह 10 बजे बलियापुर रोड स्थित बालाजी पेट्रोल पंप के पास टास्क फोर्स ने बिना परिवहन चालान के बालू लदे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा।
जब तक ट्रैक्टरों पर आगे की कार्रवाई की जाती, तभी अचानक 8-10 हथियारबंद लोगों ने खनन टास्क फोर्स पर हमला कर दिया। हमलावरों ने धारदार हथियार, लाठी-डंडा, पत्थर और बेलचे का इस्तेमाल कर टास्क फोर्स के सदस्यों को चोट पहुंचाने की कोशिश की। इसके बाद जबरन दोनों ट्रैक्टरों को छुड़ा लिया और उन्हें वहां से भगा दिया। इस घटना से टीम के सदस्यों में दहशत का माहौल बन गया।घटना के तुरंत बाद टास्क फोर्स ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की, जिसमें हमलावरों की पहचान राजेंद्र सिंह कोल कुसमा, असीम मंडल उर्फ चीकू मंडल और राकेश मंडल उर्फ प्रकाश मंडल मोराईडीह तथा राहुल सिंह गोविंदपुर के रूप में हुई। इनके अलावा कुछ अज्ञात व्यक्तियों के शामिल होने की भी जानकारी सामने आई है। खनन टास्क फोर्स ने सरायढेला थाना में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इससे पहले सुबह 8 बजे डीजीएमएस के सामने हटिया मोड़ पर भी खनन टास्क फोर्स ने चार टाटा 407 वाहनों को पकड़ा। ये सभी वाहन बिना परिवहन चालान के बालू का परिवहन कर रहे थे।

सांसद ने संसद में आवास निर्माण से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाया

संवाददाता

धनबाद। धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने संसद में शहरी आवास और विकास से संबंधित अहम सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं की प्रगति पर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान महतो ने शहरी आवास के विकास को गति देने के लिए 10 मिलियन नई आवास इकाइयों के निर्माण की मौजूदा स्थिति, उच्च स्टांप शुल्क और पारदर्शी किराये की व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और झारखंड सहित बड़े शहरों में पारगमन-उन्मुख विकास की भूमिका पर जानकारी मांगी। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से अब तक 118.64 लाख आवासों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 88.32 लाख आवास पूरे किए जा चुके हैं। इस योजना के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए सितंबर 2024 में 'सभी के लिए आवास' मिशन की शुरूआत की गई है, जिसका उद्देश्य 10 मिलियन नए आवासों का निर्माण है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि पारगमन-उन्मुख विकास से बड़े शहरों में प्रदूषण और भीड़भाड़ कम होगी और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और किफायती आवास को प्राथमिकता दी जाएगी। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि धनबाद समेत झारखंड के शहरी क्षेत्रों में इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन योजनाओं की प्रगति पर निरंतर निगरानी बनाए रखेंगे, ताकि शहरी नागरिकों को उचित सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज में विधायक का अभिनंदन हुआ

संवाददाता

धनबाद। शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ में मथुरा प्रसाद महतो, विधायक टुंडी एवं सत्ता पक्ष सरकार के मुख्य सचेतक का अभिनंदन सह स्वागत समारोह आयोजित किया गया।
कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार महतो द्वारा माननीय विधायक को बुके एवं शाल पहनाकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय एवं विद्यालय के शिक्षक-कार्मिकों ने भी माननीय विधायक को बुके और माला पहनाकर सम्मानित किया। माननीय विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने सभी का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार महतो ने विधायक एवं सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो० मनोज कुमार महतो ने किया। इस अवसर पर भागवत वक्ता सुरेंद्र हरिदास, डॉ. गौरांग भारद्वाज, प्राचार्य शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज टुंडी, प्रो. मोकितउद्दीन, प्रो. रमेश प्रसाद, प्रो. समीर कुमार महतो, प्रो. अविनाश कुमार, प्रो. राकेश कुमार महतो, प्रो. दिनेश मधेशिया, प्रो. राजकुमार प्रसाद, प्रो. पंचानन सिंह चौधरी, प्रो. शेखर महतो, प्रो. चमन महतो, प्रो. राजकुमारी, गोविंद महतो, राजीव रंजन, तपन महतो आदि उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान योजना: महिलाओं के खातों में 28 दिसंबर तक पहुंचेगी पांचवीं किस्त

संवाददाता

धनबाद। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य की महिलाओं को नए साल से पहले एक विशेष उपहार मिलने जा रहा है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विधानसभा में पेश किए गए द्वितीय अनुपूरक बजट को मंजूरी दे दी है। इस बजट के तहत मंईयां सम्मान योजना की पांचवीं किस्त की राशि जल्द ही लाभुक महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार ने घोषणा की है कि 28 दिसंबर तक प्रत्येक लाभुक महिला के खाते में 2500 की राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस राशि को रांची से खुद जारी करेंगे। इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। योजना की राशि कल्याण विभाग को पहले ही भेज दी गई है, ताकि समय पर सभी लाभार्थियों तक यह सहायता पहुंचाई जा सके। विधानसभा चुनाव के बाद झारखंड सरकार ने सदन में मंईयां सम्मान योजना और बिजली बिल माफी योजना को लेकर 11,697 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। इस योजना का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।।सरकार की यह पहल न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगी, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित होगी। 28 दिसंबर तक राशि के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, झारखंड की हजारों महिलाओं को सीधे तौर पर इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की यह पहल राज्य में महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

प्रगणक व अनुश्रवण समिति के सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

धनबाद। नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को न्यू टाउन हॉल में वार्ड वार प्रतिनियुक्त प्रगणक एवं वार्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया।।इस संबंध में नगर आयुक्त ने कहा कि नगर पालिका आम निर्वाचन 2024 के निमित्त पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिए जाने की पात्रता निर्धारण के लिए नगर निगम के 55 एवं चिरकुंडा नगर परिषद के 21 वार्ड में प्रगणक द्वारा डोर टू डोर सर्वे किया जाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को सावधानीपूर्वक और ध्यान से वोटर लिस्ट का वार्ड वार विखंडीकरण करने और डोर टू डोर सर्वे कर त्रुटि रहित प्रपत्र 1 सहित अन्य प्रपत्रों को भरने का प्रशिक्षण दिया गया।? साथ हीं निवर्तमान वार्ड पार्षद, वार्ड सुपरवाइजर एवं वार्ड में कार्यरत एक सरकारी कर्मी के साथ गठित तीन सदस्यीय वार्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्यों को प्रतिदिन सर्वे की निगरानी रखने और प्रगणकों को सहायता करने का अनुरोध किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि सभी प्रगणकों को 31 दिसंबर 2024 तक सर्वे पूरा कर लेने के लिए निर्देशित किया है। इसके बाद दावा आपत्ति के लिए 7 दिन रहेंगे। उन्होंने सभी प्रगणकों को अपनी पूरी क्षमता के साथ सर्वे करने और निर्धारित समयावधि में सर्वे पूरा करने का अनुरोध किया। प्रशिक्षण में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा, प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण, पुरुषोत्तम कुमार सिंह के अलावा धनबाद, बाघमारा, एगारकुंड एवं बलियापुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी, धनबाद, बाघमारा, झरिया, पुटकी, एगारकुंड एवं बलियापुर के अंचल अधिकारी, सभी वार्ड के निवर्तमान पार्षद उपस्थित थे।

धनबाद में भाकपा माले ने अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

संवाददाता

धनबाद। पूर्व घोषित राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत, भाकपा माले की धनबाद जिला इकाई द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति गृहमंत्री अमित शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम धनबाद मुख्यालय स्थित रणधीर वर्मा चौक पर हुआ, जिसमें अमित शाह का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में ₹अमित शाह इस्तीफा दो₹, ₹देश की जनता से माफी मांगो₹, और ₹अमित शाह गद्दी छोड़ो₹ जैसे नारे लगाए गए। विरोध सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति अमित शाह की टिप्पणी आरएसएस और संघी मानसिकता को दशार्ती है। यह बयान अंबेडकर और संविधान के प्रति संघ और भाजपा के द्वेष को उजागर करता है और उनके संविधान हटाने के मनुवादी इरादों का पदार्फाश करता है।।सभा की अध्यक्षता जिला सचिव बिंदा पासवान ने की। कार्यक्रम में राज्य समिति सदस्य हरि प्रसाद पप्पू, जिला सह सचिव सह राज्य समिति सदस्य कार्तिक प्रसाद, आनंदमयी पाल, सुभाष सिंह, सुभाष चटर्जी, नकुलदेव सिंह, राणा चट्टराज, विजय पासवान, दिलीप राम, संदीप कौशल, सरोज देवी, सुमित्रा दास, बिश्वजीत राय, बुटन सिंह, मधेश्वर प्रसाद, अजय प्रजापति, करण पासवान, प्रदीप कुमार अधिवक्ता, सुरजीत चंद्रा, आनंद लाल महतो, किशन चंद्र दाँ, और राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ अंबेडकर मिशन से शशि भूषण कुमार अधिवक्ता, लालधारी रजक, अशोक पासवान, बबन पासवान, मिथिलेश प्रसाद बी डी ओ सेवानिवृत्त, धर्मेंद्र कुमार सहित कई नेता मौजूद थे।

अखंड ज्योति पाठ में झरिया बना श्याममय, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

संवाददाता

झरिया। झरिया का माहौल पूरी तरह श्याममय हो गया। श्री श्याम बाल मंडल की ओर से श्री श्याम मंदिर परिसर में 24वें श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10 बजे पंडित कैलाश पांडेय ने विधिवत पूजा-अर्चना से की। इस पावन अवसर पर कोलकाता से आई सुप्रसिद्ध कथा वाचक ज्योति खन्ना ने अखंड ज्योति पाठ का वाचन किया। उन्होंने अपनी सुमधुर वाणी और भक्तिभाव से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। ज्योति खन्ना के साथ 601 श्याम भक्तों ने पूरे सुर-लय में पाठ का सस्वर वाचन किया। पाठ के दौरान श्याम बाबा के जीवन से जुड़ी कथाएं और प्रसंग प्रस्तुत किए गए, जिन्हें श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ सुना। श्याम बाबा के जीवन पर आधारित एक विशेष नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई, जिसने वहां उपस्थित भक्तों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में ज्योति खन्ना द्वारा गाए गए भजनों ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ₹सुनकर आयो संवारे सुनकर आयो₹ और ₹बने हैं याचक कृपाणिधान₹ जैसे भजनों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु पूरे समय श्याम प्रेम में डूबे रहे और श्याम बाबा के नाम का जयकारा लगाते रहे। श्याम बाबा के जन्मोत्सव को भव्य रूप में मनाया गया। उन्हें छप्पन भोग, सवामनी, चूरमा, खीर और अन्य व्यंजनों का भोग लगाया गया। बाबा के जन्मदिन पर विशेष रूप से केक भी अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य के प्रति भक्ति भाव से नतमस्तक होकर दर्शन और पूजन किया। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन की सफलता में श्री श्याम बाल मंडल के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। भक्तों ने आयोजन की भव्यता और व्यवस्था की जमकर सराहना की।

पुलिस जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित

संवाददाता

कतरास। कतरास के राजस्थानी समाज भवन में बुधवार को पुलिस जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और पुलिस तथा जनता के बीच विश्वास और संबंध को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह, कतरास अंचल इंस्पेक्टर विष्णु राउत, थानेदार असीत कुमार सिंह, चिकित्सक डॉ० उमाशंकर सिंह और समाजसेवी डॉ० मधुमाला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।
एसडीपीओ ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह राज्य सरकार और डीजीपी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाना है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायतें लिखित या मौखिक रूप में दर्ज करा सकते हैं, जिसके लिए पावती रसीद दी जाएगी। इन शिकायतों का सही समाधान सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएगी। धनबाद सिटी एसपी अजीत कुमार ने शिविर में लगे सभी थानों और ओपी के स्टॉल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में निष्पादित किया जाना चाहिए। शिविर में भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें सबसे अधिक दर्ज की गईं। कार्यक्रम में चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज कुमार गुप्ता ने सड़क जाम, जर्जर बिजली तार, जलजमाव, गंदे पानी की आपूर्ति और कतरास में सांडों के आतंक जैसी समस्याओं को उठाया। साथ ही, गोशाला पुल पर पुलिस तैनाती और स्कूल-कॉलेजों में महिला पुलिस बल की नियुक्ति की मांग की गई। कार्यक्रम का संचालन कतरास थानेदार असीत कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर महिला थाना प्रभारी वर्षा रानी मिंज, रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर, अंगारपथरा ओपी थानेदार विशाल दास, तेतुलमारी थानेदार सतेंद्र यादव, राजगंज थानेदार अलीशा अग्रवाल और बरोरा थानेदार जयप्रकाश सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदर्शन धनबाद में कांग्रेस ने अमित शाह के बयान के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

यह बयान देश की संसद व संविधान के प्रति एक गहरी बेइज्जती है

संवाददाता

धनबाद। धनबाद कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह योगी ने किया। विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई विवादित टिप्पणी के खिलाफ था, जिसे कांग्रेस पार्टी ने गंभीर रूप से निंदनीय करार दिया। संतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का बाबा साहेब अंबेडकर पर दिया गया बयान न केवल भारतीय संविधान के रचनाकार का अपमान है, बल्कि यह ओछी मानसिकता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि इस बयान के माध्यम से भाजपा और संघ की राजनीति में डॉ० अंबेडकर के योगदान को नकारा गया है, जो किसी भी स्थिति में अस्वीकार्य है। कांग्रेस ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान देश की संसद और संविधान के प्रति एक गहरी बेइज्जती है। संतोष सिंह ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी, बाबा साहेब के प्रति सम्मान का पालन नहीं कर रहे हैं और इस प्रकार की बयानबाजी से यह स्पष्ट हो गया है कि उनकी नीतियों में डॉ. अंबेडकर के विचारों और भारतीय संविधान की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सांसदों को ₹मोटे डंडे वाले प्लेकाड्सर्₹ से लैस कर विपक्षी सांसदों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने का प्रयास किया जाता है, ताकि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने वालों के विरोध को दबाया जा सके। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि यह समय है जब देश की जनता भाजपा और संघ की राजनीति का सही रूप पहचाने और उनके मंसूबों को समझे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के झूठी राजनीति को अब जनता समझने लगी है, जो हमेशा एक तरफ कुछ कहती है और दूसरी तरफ कुछ करती है। इस धरना-प्रदर्शन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव मदन महतो, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज, झारखंड प्रदेश कांग्रेस डेलिगेट मनोज कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश्वर यादव, मंटू दास, महेंद्र कुमार दुबे, अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष जहीर अंसारी सहित अन्य नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सरकार की नीतियों का विरोध किया।
कांग्रेस नेताओं ने इस प्रदर्शन के जरिए यह संदेश दिया कि भारतीय संविधान और बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों का अपमान सहन नहीं किया जाएगा और कांग्रेस पार्टी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने दिवंगत पत्रकार संपद गोप को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

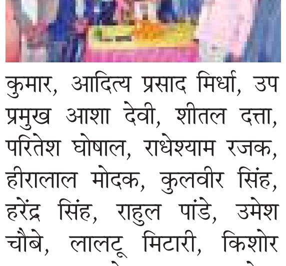

बलियापुर। बलियापुर के प्रसिद्ध दिवंगत पत्रकार संपद गोप की शोक सभा में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो पहुंचे। उन्होंने शोक प्रकट करते हुए पत्रकार के फोटो पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। चंद्रदेव महतो ने कहा कि संपद गोप जैसे जुझारू, ईमानदार और लड़ाकू पत्रकार जिन्होंने बलियापुर क्षेत्र के हर मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, उनका निधन बहुत दुखद है।

उनका योगदान और उनके जैसे पत्रकारों की कमी अब महसूस हो रही है। विधायक ने यह भी कहा कि वे पत्रकार के परिवार के साथ हर परिस्थिति में खड़े हैं और उनकी मदद के लिए तैयार हैं। शोक सभा में संतोष महतो, सेख कलीम, बंटी जैसवाल, मनोज कुमार, रविंद्र कुमार, दिलीप कुमार, आदित्य प्रसाद मिर्धा, उप प्रमुख आशा देवी, शीतल दत्ता, परितेश घोषाल, राधेश्याम रजक, हीरालाल मोदक, कुलवीर सिंह, हरेंद्र सिंह, राहुल पांडे, उमेश चौबे, लालटू मिटारी, किशोर रजक, अशोक कुमार, शेख वकील, रवीश तिवारी, राहुल मोदक, संजय सेन, प्रवीर महतो, सुरेंद्र महतो, देवाशीष पांडेय, अविनाश महतो, युधिष्ठिर महतो, सुनील महतो, रवीश तिवारी, विजय ठाकुर, एस.के. तोफिक, नयन ठाकुर समेत कई पत्रकार और सामाजिक साथी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्णा ना मरी, कह गये दास कबीर? - कबीर

'एक देश एक चुनाव' में क्या कमी है

'एक देश एक चुनाव' के सपने को साकार करने की तरफ देश बढ़ रहा है। लगातार चुनाव देश की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। भारत में 'एक देश-एक चुनाव' का विचार ऐसा विषय है जिस पर अलग-अलग लोगों की बंटी हुई राय है। कुछ लोगों का मानना है कि इससे देश को कई फायदे होंगे, वहीं कुछ लोग इसके कुछ नुकसान भी बताते हैं। पर ये सच है कि बार-बार चुनाव कराने में काफी पैसा खर्च होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। चुनावों में सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती करनी पड़ती है। जाहिर है, बार-बार चुनाव होने से कामकाज में बाधा तो आती ही है, संसाधनों का भारी दुरुपयोग भी होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के बाद सरकार एक देश-एक चुनाव की तरफ तेजी से बढ़ रही है। इससे लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत चुनाव सभी एक साथ होंगे। यह सब 100 दिनों के अंदर संपन्न होगा। सरकार का मानना है कि इससे देश की जीडीपी में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। केंद्र सरकार इस मुद्दे पर आम सहमति बनाना चाहती है। यह मामला किसी एक दल का नहीं बल्कि पूरे देश के हित में है। यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा क्योंकि सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि 'एक देश, एक चुनाव' से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। एक देश, एक चुनाव भाजपा और नरेंद्र मोदी का पुराना एजेंडा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मोदी जी इसकी वकालत करते रहे हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में 2 सितंबर 2023 को कोविंद कमिटी बना कर उन्होंने पहला कदम बढ़ाया था। निश्चित रूप से बार-बार चुनाव होने से सरकारें नई नीतियों और योजनाओं को लागू करने में झिझकती हैं। एक साथ चुनाव होने से सरकारों को स्थिरता मिलती है और वे बेहतर ढंग से काम कर पाती हैं। साथ ही बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दल विकास के मुद्दों से भटक जाते हैं और चुनाव जीतने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दलों को विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अधिक अवसर मिलता है। 'एक देश-एक चुनाव' के खिलाफ विपक्षियों की तरफ से कुछ कमजोर तर्क दिए जा रहे हैं। जैसे कि राष्ट्रीय चुनाव के साथ राज्यों के चुनाव होने से क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र कमजोर हो सकता है क्योंकि इससे राष्ट्रीय स्तर पर एक ही राजनीतिक दल का दबदबा हो सकता है। यह सब तर्क कमजोर हैं। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग चुनाव व्यवस्थाएं हैं। कुछ देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, जबकि कुछ देशों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। स्वीडन, बेल्जियम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव एक साथ होते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं।

बहरहाल, एक देश-एक चुनाव से देश के जनमानस में राष्ट्र की अवधारणा सशक्त होगी। भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार चुनाव हो रहे थे। साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस समय टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया, इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनाव में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग हो गई थी। यह भी माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव होने से मतदाता भागीदारी में वृद्धि हो सकती है क्योंकि लोगों को बार-बार मतदान करने की आवश्यकता नहीं होगी। कुल मिलाकर बात यह है कि 'एक देश एक चुनाव' को दलगत आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। – आर.के. सिन्हा

साइबर क्राइम का ट्रेनिंग सेंटर है फर्जी काल सेंटर!

मनोज कुमार अग्रवाल

बढ़ रहे साइबर क्राइम में अवैध ढंग से चलाए जा रहे फर्जी काल सेंटर की बड़ी भूमिका है। देश भर में शातिर किस्म के धंधेबाजो द्वारा फर्जी काल सेंटर का संचालन कर न सिर्फ देश विदेश के लोगों को साथ ठगी को जा रही है वरन हर साल हजारों की संख्या में बेरोजगार युवाओं की मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें धोखा देकर या नौकरी का लालच देकर इस अवैध धंधे में लगा दिया जाता है। दरअसल तकनीकी सहायता देने, नौकरी आदि दिलवाने के नाम पर फर्जी मैसेज और लिंक भेज कर लोगों को फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से ठगने वाले गिरोह देश में तेजी से बढ़ रहे हैं, यह धंधा कितने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है, इस का प्रमाण पिछले छह महीने में अनेक राज्यों के शहरों में धरपकड़ के बाद सामने आए फर्जी काल सैंटरो के खुलासे से चलता है।

18 दिसंबर को दक्षिण कोलकाता के न्यू अलीपुर इलाके में फर्जी कॉल सेंटर खोल कर अमेरिकी नागरिकों को फोन कर उनसे मोटी रकम ठगने के मामले में लालबाजार के साइबर क्राइम विभाग की टीम ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के नाम अनुराग गुप्ता, मोहम्मद सद्दाम, हरि छेत्री, मोहम्मद मिराज और वसीम रब्बानी बताये गये हैं। इनके कब्जे से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये गये हैं। कोलकाता पुलिस के अनुसार पहले पुलिस ने न्यू अलीपुर इलाके में एक अवैध कॉल सेंटर में रेड कर गिरोह के 19 सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ के बाद इस गिरोह का पता चला। पुलिस ने एक कमरे में छापामारी कर रंगेहाथों गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि वे लोग खुद को नामी एंटी वायरस कंपनी का प्रतिनिधि बताकर अमेरिकी नागरिकों को फोन करते थे. इसके बाद इनके झांसे में फंसने वाले विदेशी नागरिकों को अपनी बातों में फंसा कर एंटी वायरस सॉफ्टवेयर अपडेट करने के नाम पर उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हैक कर लेते थे। इसके बाद इसे फिर से सामान्य करने के एवज में मोटी रकम वसूलते थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

आपको बता दें कि 8 अगस्त को राजपुर (उत्तराखंड) पुलिस ने विदेशी नागरिकों को ठगने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पदार्फाश करके 8 लोगों को गिरफ्तार किया जो स्वयं को 'इंटरनैशनल एंटी हैकिंग डिपार्टमेंट' के वरिष्ठ अधिकारी बताकर अमरीका और कनाडा के नागरिकों से ठगी कर रहे थे। छापे के दौरान इनसे 81 लैपटॉप और 42 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। 25 अगस्त को साइबर पुलिस ने सोहना (हरियाणा) में 2 फ्लैटों से चलाए जा रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके तकनीकी सहायता देने के नाम पर मुख्यतः विदेशी नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के आरोप में 4 महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार करके वहां से 16 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन और हजारों रुपए की नकद राशि बरामद की।

8 सितम्बर को नोएडा पुलिस ने लोगों को कनाडा और सर्बिया समेत विभिन्न देशों में भेजने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पदार्फाश करके 6 महिलाओं सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जो अब तक 300 से अधिक लोगों को ठग चुके हैं। पुलिस ने वहां से 24 लैपटॉप, स्वाइप मशीन, 10 मोबाइल फोन तथा अन्य सामान बरामद किया।गिरोह के सदस्य फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से विदेश जाने के इच्छुकों का डाटा निकाल कर फोन कॉल तथा व्हाट्सएप के जरिए उनसे सम्पर्क करते और विदेश में 'स्टोर कीपर', 'स्टोर सुपरवाइजर', 'एडमिन' आदि पदों पर नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगते थे।4 अक्तूबर को जयपुर पुलिस ने 'स्मार्ट डिजीटल सेवा केंद्र' की आड़ में चलाए जा रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। ये जालसाज फोन करके लोगों को 'मित्र केंद्र' या 'आधार कार्ड फ्रैंचाइजी' देने का झांसा देते और उसके बदले में उनसे भारी-भरकम रकमें वसूल करते थे।16 अक्तूबर को भुवनेश्वर (ओडिशा) के 'सुंदरपाड़ा' इलाके में पुलिस ने विदेश में रहने वाले एक पीड़ित की शिकायत पर एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके 6 लोगों को हिरासत में लिया।19 अक्तूबर को लखनऊ के पी. जी. आई. थाना इलाके के एक फ्लैट में चल रहे फर्जी इंटरनैशनल कॉल सेंटर का कमिश्नरेट पुलिस ने भंडाफोड़ करके 12 लोगों को गिरफ्तार किया।

25 नवम्बर को गोवा पुलिस ने जरूरतमंदों से, जिनमें अधिकांश विदेशी थे, एक करोड़ रुपए से अधिक की ठगी कर चुके 'जुआरी नगर' में एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके 24 लोगों को गिरफ्तार किया।4 दिसम्बर को गुरुग्राम पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने एक मकान में फर्जी तरीके से कॉल सेंटर चलाकर अमरीकी नागरिकों को तकनीकी सहायता और कस्टमर सर्विस देने के नाम पर, धोखाधड़ी करने के आरोप में कॉल सेंटर के मालिक सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया। और अब 14 दिसम्बर को नोएडा पुलिस ने विदेशी नागरिकों को तकनीकी सहायता आदि के नाम पर फर्जी मैसेज लिंक एवं कॉल के माध्यम से लाखों रुपयों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करके 9 महिलाओं सहित 76 लोगों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल फोन तथा अन्य इलैक्ट्रिक उपकरण बरामद किए। ये लोग बदल-बदल कर लैपटॉपऔर मोबाइल का इस्तेमाल करते थे ताकि पकड़े न जाएं। छापेमारी के दौरान पकड़े गए ये फर्जी कॉल सेंटर तो धोखाधड़ी रूपी सागर में एक बूंद के समान हैं जबकि देश में ऐसे फर्जी कॉल सेंटरों की भरमार है जो लोगों को लूट कर अपनी तिजोरियां भर रहे हैं।

नोएडा फर्जी काल सेंटर का सबसे बड़ा सैंटर बना है। 13 दिसंबर को यहां गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर 63 थाना पुलिस, क्राइम रेस्पांस टीम (सीआरटी) व स्वाट टीम ने सेक्टर 63 के ए ब्लॉक में डेढ़ माह से चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का शुक्रवार को भंडाफोड़ किया। सेंटर से चार सरगना समेत नौ महिला और 67 पुरुषों को गिरफ्तार किया। आरोपित विदेशी नागरिकों को फर्जी पार्सल भेजने, टेक सपोर्ट व लोन दिलाने के नाम पर ठगी कर रहे थे। नागरिकों से गिफ्ट कार्ड, चेक आदि की डिटेल लेकर ब्लॉगर के माध्यम से धनराशि ठग रहे थे। कॉल सेंटर कर्मियों को हवाला के माध्यम से धनराशि मिल रही थी। वहीं चार में से तीन संचालक फर्जी काल संचालन को लेकर पूर्व में भी जेल जा चुके हैं।

अतः जहां लोगों को ऐसे धोखेबाजों से सावधान रहने की जरूरत है, वहीं ऐसी धोखाधड़ी करने वालों को शीघ्र और कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए ताकि उनका अंजाम देखकर दूसरों को नसीहत मिले और वे ऐसी करतूतों से बाज आएं व जरूरतमंद लोग ठगे जाने से बच सकें। सरकार को युवा बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर उन्हें फर्जी काल सेंटर में नौकरी देने वाले धंधेबाजो पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और रासुका लगानी चाहिए। कई युवा इन लोगों के जाल में फंस कर सुसाइड तक कर चुके हैं। सरकार को सभी राज्यों को एक एडवाइजरी जारी करनी चाहिए।

विपक्षी एकता की दरकती दीवार और बाबा साहेब का अपमान

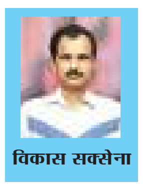

विकास सक्सेना

संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में चार दिनों तक लम्बी चर्चा चली। राज्यसभा में चर्चा का जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। उन्होंने अपने लगभग एक घण्टा 40 मिनट लम्बे भाषण में जिस तरह से तथ्यों और तर्कों को रखा उसने कांग्रेस नेतृत्व को मुंह छिपाना मुश्किल हो रहा था। अमित शाह के भाषण के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे लेकिन कोई भी नेता दमदारी से अमित शाह के तर्कों का विरोध नहीं कर सका।

राज्यसभा की कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा और मोदी विरोधी तंत्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया और यह प्रचारित किया जाने लगा कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया है। इसके बाद बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हो गए। कांग्रेस के उठाए मुद्दे पर इन दलों की जुगलबंदी के बाद तमाम राजनैतिक विश्लेषक कयास लगाने लगे कि पिछले दिनों विपक्षी एकता में जो दरारें दिख रही थी, वह इस मुद्दे के बाद थम जाएगी। लेकिन बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता कायम होने की उम्मीद जताने से पहले दो बिन्दुओं पर विचार करना अपरिहार्य है। पहला यह कि आखिर ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेता कांग्रेस को पीछे क्यों ढकेलना चाहते हैं। दूसरा, बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस का किस हद तक बचाव कर सकेंगे जबकि ऐतिहासिक तथ्य इस मामले में कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा करते हैं।

दरअसल, राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जिस आक्रामक अंदाज में कांग्रेस को घेरा, उसने राहुल गांधी के 'संविधान बचाओ' अभियान की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने अपने भाषण में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सिलसिलेवार तरीके से बताया कि किस तरह कांग्रेस की सरकारों ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक के कार्यकाल में निजी और राजनैतिक हित साधने के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने पहले संविधान संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि इसके जरिए देश के आम लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को छीनने का प्रयास किया गया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने अदालत से उनके खिलाफ आए एक फैसले के बाद अपनी कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लगा दिया और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए। राजीव गांधी ने तो वोटबैंक के लालच में शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को ही पलट दिया गया। इसके उलट मोदी सरकार ने पिछले दस साल के शासनकाल में संविधान में जो भी संशोधन किए हैं उनका उद्देश्य देश को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मोर्चे पर मजबूत बनाना रहा है। इसके लिए उन्होंने महिलाओं के आरक्षण देने, पूरे देश में एक समान कर प्रणाली (जीएसटी) लागू करने और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी करने जैसे कई संविधान संशोधनों का जिक्र किया।

भाजपा और मोदी पर संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर पिछले लोकसभा चुनाव में आंशिक सफलता हासिल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की कलई भी अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान खोलकर रख दी। उन्होंने तथ्यों के आधार पर समझाया कि किस तरह कांग्रेस सरकारों की वजह से जम्मू और कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा गया। जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में दलितों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विस्तार से बताया कि किस तरह दो बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम्बेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई। यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुद जाकर प्रचार भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तार्किक आरोपों से बौखलाए कांग्रेसियों ने राज्यसभा में अमित शाह के भाषण से 12 सेकेण्ड की एक वीडियो क्लिप निकाली जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं ह्यआजकल एक नया फैशन चला है, आम्बेडकर, आम्बेडकर, आम्बेडकर। इतना नाम यदि भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कांग्रेस और उससे जुड़ा प्रचार तंत्र मौके का लाभ उठाने के लिए इस वीडियो क्लिप को बहु प्रसारित (वायरल) करने में जुट गया। भाजपा और मोदी के विरोध में वातावरण तैयार करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए अमित शाह पर राजनैतिक हमले शुरू कर दिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर आ गए। इसी तरह अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी अमित शाह के बयान की तीखी आलोचना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो बाकायदा पत्रकार वार्ता करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की कि अमित शाह को केंद्रीय मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाए। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी नेताओं के हमले झेल रहे अमित शाह भी शाम के समय पत्रकारों के बीच आए लेकिन वे किसी तरह से बचाव की मुद्रा में दिखाई नहीं दिए। कांग्रेस पर सत्य को झूठ के कपड़े पहनाकर लोगों का भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए वहां मौजूद पत्रकारों से उन्होंने एक ही अपील की कि वे उनके पूरे भाषण को लोगों के सामने रखें, इसे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

सोशल मीडिया के इस युग में किसी भी सच्चाई को ज्यादा समय से छिपा कर रख पाना संभव नहीं है। खासतौर पर तब जबकि राज्यसभा में दिया गया भाषण तमाम स्थानों पर सहज रूप से उपलब्ध है। दरअसल, अमित शाह के भाषण की 12 सेकेण्ड की जो वीडियो क्लिप बहु प्रसारित की जा रही है उसके आगे के अंश में वे कह रहे हैं, डॉ. आम्बेडकर का सौ बार और नाम लो लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि उनके बारे में आपकी भावनाएं क्या हैं, वो ज्यादा जरूरी हैं। मैं आपको बता दूं कि जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार से असहमति के बाद बीआर आम्बेडकर को पहले मंत्रिमण्डल से इस्तीफा देना पड़ा था। आम्बेडकर जी ने कई बार कहा था कि मैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हुए व्यवहार से असंतुष्ट हूं। सरकार की विदेश नीति और अनुच्छेद 370 से मैं असहमत हूं।

देहरादून के वैद्य वेद प्रकाश गोयल की मधुमेह की दवा हुई पेटेंट

राम प्रताप मिश्र साकेती

उत्तराखंड की जड़ी-बूटियों का दोहन बाहरी राज्यों के लोग ज्यादा कर रहे हैं लेकिन इस प्रदेश के कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जड़ी-बूटियों के माध्यम से लोगों को नवजीवन देने का काम कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों में एक नाम वेद प्रकाश गोयल का है जिनकी जड़ी-बूटी को सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंस (सीसीआरएएस) द्वारा पेटेंट कर दिया गया है। वेद प्रकाश गोयल उन लोगों से हैं जो घर से ही आयुर्वेदिक दवा बनाकर लोगों को स्वस्थ करने की इच्छा से सेवा करते हुए वर्षों से इस साधना में लगे रहे हैं। आज लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वह आयुष सेवा में जुटे हैं। आयुर्वेद की दवा का पेटेंट प्राप्त कर चुके वैद्य वेद प्राकश गोयल का कहना है कि लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वे चाहते हैं कि लोग निरोगी रहें। अपना संस्मरण बताते हुए वेदप्रकाश गोयल का कहना है कि उनके माता-पिता की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें लेकिन ऐसा न हो सका। उसी इच्छा को पूरा करने के लिए उन्होंने आयुर्वेदिक ग्रंथों का अध्ययन किया, जड़ी-बूटियों की पहचान कर उनके गुणों को परखा। समय-समय पर पुराने हकीमों, वैद्यों की शरण में जाकर उनके अनुभवों द्वारा रोगियों के उपचार

और जड़ी बूटियों के संगठकों को मिलाकर औषधियां तैयार करने का तरीका सीखा। आज भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

वेदप्रकाश गोयल ने पेटेंट प्राप्त करने के लिए 31 मार्च 2017 को आवेदन किया था और उन्हें पेटेंट मिल गया है। आयुर्वेदिक हर्बल फामूर्लेशन (आयुष-डी) फॉर दी मैंनेजमेंट ऑफ डाइबिटीज नामक आविष्कार के लिए पेटेंट अधिनियम 1970 के उपबंधों के अनुसार 20 वर्ष की अवधि के लिए यह पेटेंट प्रदान किया गया है। कंट्रोलर ऑफ पेटेंट ने अनुदान की तिथि 31 अगस्त 2023 दी है। इसे संयोग कहेंगे कि सीसीआरएएस द्वारा इस वर्ष 11 औषधियों का पेटेंट किया गया है जिसमें 7वीं औषधि आयुष-डी जो डाइबिटीज टाइप-2 के मरीजों के लिए स्वीकृत की गई है।

आयुष मंत्रालय की रिसर्च संस्था द्वारा इस दवा को स्वीकार्यता दिया जाना वैद्य वेद प्रकाश ही नहीं, उत्तराखंड के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है। इसके लिए विभाग द्वारा वेद प्रकाश गोयल से विधिवत अनुबंध किया गया है।

वेद प्रकाश गोयल ने पहले अस्थमा की दवा बनाई थी लेकिन अब शुगर की दवा का पेटेंट मिलने के बाद अपना विशेष प्रभाव जमाना शुरू कर दिया है। पहाड़ी दवा नाम से बनी इस दवा के बारे में वेद प्रकाश गोयल कहते हैं कि 12 से अधिक जड़ी-बूटियों से निर्मित यह दवा मधुमेह से मुक्ति के लिए सफल मानी गई है। आयुर्वेद को बेहतर चिकित्सा बताते हुए वेद प्रकाश गोयल कहते हैं कि जड़ी-बूटियों में इतनी शक्ति है कि वह बड़े से बड़े रोग में लाभकारी है, साथ ही अन्य दवाओं से अधिक किफायती है। इस दवा को बनाने में उन्हें लगभग 16 वर्ष लग गए हैं लेकिन अब यह दवा शोध संस्थान सीसीआरएएस द्वारा भी लाभकारी पाई गई है।

डॉ. वेद प्रकाश गोयल मानते हैं कि मधुमेह बीमारी नहीं बल्कि बीमारियों का गुच्छा है, इसमें जांच परीक्षण कराते रहने के साथ-साथ चिकित्सक की सलाह आवश्यक है। तनाव मुक्त रहना, सायंकाल व प्रातःकाल घूमना तथा समय पर आवश्यकतानुसार थोड़ा-थोड़ा जल पीते रहना, मधुमेह के रोगियों के लिए अच्छा माना जाता है। पैर, तलुए और पिंडलियों में दर्द महसूस होने पर दर्द निवारक तेल से मालिश के साथ-साथ ऐसे पदार्थ नहीं खाने चाहिए जो शुगर में अच्छे नहीं माने जाते। इनमें आलू, चावल, मीठे पदार्थ आदि शामिल हैं। नाश्ते में गेहूं का दलिया खाना चाहिए वह भी बिना मीठे के। पनीर व अन्य पौष्टिक आहार का प्रयोग करना चाहिए लेकिन यह पदार्थ शुद्ध शाकाहारी होना चाहिए। गोयल अपनी दवा के बारे में बताते हैं कि उनकी दवा चिकित्सकीय परामर्श के मुताबिक दी जाती है और उसके खाने की एक विधि है। इसके लिए वेद प्रकाश गोयल से पल्टन बाजार में अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आज का राशिफल

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

वृष : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। सार्थक परिणाम मिलेगा।

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा।

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शांतिपूर्वक कार्य करें।

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। धन व्यय होगा।

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी।

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

संक्षिप्त खबरें

अंचलाधिकारी ने बड़कागांव के तीन बालू यार्ड का किया निरीक्षण

बड़कागांव। प्रखंड में पिछले चार-पांच वर्षों से संचालित बालू यार्डों का निरीक्षण बड़कागांव अंचलाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार, थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल और अन्य अधिकारियों के साथ कोयलंग गांव स्थित जितेंद्र कुमार, बिंदेश्वर दांगी उर्फ बिंदु और तलसवार गांव स्थित अशोक महतो के बालू यार्ड की जांच की गई। जब अधिकारियों ने यार्ड मालिकों से उनके कागजात मांगे, तो किसी भी मालिक ने न तो स्वयं पेश होने की कोशिश की और न ही कागजात प्रस्तुत किए। इसके बाद अंचलाधिकारी ने सभी तीनों बालू यार्ड मालिकों को नोटिस जारी करने की बात कही और आदेश दिया कि जब तक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाते, तब तक बालू का उठाव नहीं किया जाएगा। बड़कागांव प्रखंड में संचालित कुल 12 बालू यार्डों की जांच की जाएगी, जिसमें से अभी तक केवल नयाटांड (बहबलपुर) का बालू यार्ड ही वैध पाया गया है।

भाजपा संगठन सदस्यता कार्यशाला का आयोजन

बड़कागांव। भारतीय जनता पार्टी ने बड़कागांव में संगठन सदस्यता कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला बड़कागांव के पूर्वी मंडल की बैठक हरली पंचायत भवन और पश्चिमी मंडल की बैठक बड़कागांव पश्चिम पंचायत भवन में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, हजारीबाग जिला सांसद प्रतिनिधि अनिल मिश्रा, सदस्यता अभियान प्रभारी महेंद्र विहारी, और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कार्यकताओं से कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। वहीं, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने सभी कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों से संगठन को मजबूत करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने की अपील की। सांसद प्रतिनिधि अनिल मिश्रा ने भी पार्टी के सदस्यता अभियान के नियमों और 8800002024 पर मिस कॉल कर सदस्य बनने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में जिले के कई अन्य नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाबा साहब अंबेडकर को लेकर अमित शाह के बयान पर आक्रोश

बड़कागांव। लोकसभा में संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान पर बड़कागांव प्रखंड में अंबेडकरवादियों का आक्रोश फूट पड़ा। भीम आर्मी, अनुसूचित जाति महासभा, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक और रविदास महासभा के बैनर तले 19 दिसंबर को बड़कागांव मुख्य चौक में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अमित शाह का पुतला दहन किया गया और विरोधी नारे लगाए गए। इसके बाद एक मसाल जुलूस भी निकाला गया, जो एक्सिस बैंक रोड, काली मंदिर, मुख्य चौक और दैनिक बाजार से होकर गुजरा। वक्ताओं ने कहा कि अमित शाह सांसद बनकर संविधान के तहत संसद पहुंचे थे, लेकिन अब वही संविधान निमार्ता का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने न केवल दलितों, बल्कि सभी नागरिकों को अधिकार और सुरक्षा प्रदान की, जिससे हर नागरिक को वोट देने का अधिकार मिला। इस मौके पर कई पंचायत समिति सदस्य, पूर्व मुखिया, समाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सिकरी ओपी प्रभारी ने चलाया मोटर साइकिल जांच अभियान

बड़कागांव। सिकरी ओपी प्रभारी सुनील कुमार सिंह द्वारा चलाए जा रहे मोटर साइकिल जांच अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। 19 दिसंबर को केरेडारी-बड़कागांव मुख्य सड़क पर राजा बागी के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 22 दोपहिया वाहनों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात अपडेड नहीं थे और जो लोग बिना हेलमेट के यात्रा कर रहे थे, उनके खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस अभियान का व्यापक असर देखा जा रहा है। इसके चलते न केवल लोगों में जागरूकता बढ़ी है, बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को जारी रखा जाएगा ताकि सड़क सुरक्षा में और सुधार किया जा सके।

अमित शाह द्वारा अंबेडकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी पर कांग्रेसियों ने किया विरोध प्रदर्शन

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न भीमराव आम्बेडकर के बारे में राज्यसभा में बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी किए जाने पर हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम से चलकर झंडा चौक तक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि अमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर में बाबा साहब को जिस तरह अपमानित किया है, वो एक कुंठा और द्वेष से भरे मानसिकता वाला व्यक्ति हीं कर सकता है। गृहमंत्री जैसे पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा संविधान निमार्ताओं में एक का अपमान करना दशार्ता है कि भाजपा के नेताओं में दलितों के प्रति कितनी घृणा भरी है। धरना-प्रदर्शन में महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह, शशि मोहन सिंह एसी सेल के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, लाल बिहारी सिंह, अजय गुप्ता, राजू चौरसिया, रघु जायसवाल, संजय तिवारी, साजिद हुसैन, गुड्डु सिंह, परवेज अहमद, कृष्णा किशोर , राम कुमार पटेल, रिंकू कुमार, मो. वारिस, अशोक कुमार, अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

आनंदा महाविद्यालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

आनंदा महाविद्यालय में एकेडमिक माहौल का उदाहरण है

संवाददाता

हजारीबाग। आनंदा महाविद्यालय हजारीबाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। सेमिनार का उद्देश्य देश के लोगों को शोध में विभिन्न आयामों के महत्व के बारे में जागरूक करना है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० डॉ० पवन पोद्दार, मुख्य वक्ता के रूप में राम दयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान रांची के निदेशक, रनेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रो० डॉ० राजेश कुमार सिंह विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग दिन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, जबकि अन्य रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ० श्याम सुंदर राय, महीसादल महाविद्यालय पश्चिम बंगाल पश्चिम बंगाल, डॉ० वर्षा सिंह गुरुनानक कॉलेज धनबाद, डॉ० के के गुप्ता विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग सह एमएड के कॉर्डिनेटर विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, अरुण मिश्रा डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, शामिल हुए। सेमिनार की शुरूआत अथितियों ने दीपप्रज्वलन कर की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि आनंदा महाविद्यालय विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग का अंग है। आनंदा महाविद्यालय में एकेडमिक माहौल का उदाहरण पेश कर रहा है। आज का यह सेमिनार शैक्षणिक गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा ओर परिचर्चा का विषय है और इससे आने वाले निष्कर्षों समकालीन परिस्थितियों को समझने में सहायक होगा। वहीं मुख्य वक्ता रनेंद्र कुमार ने भारत की मौजूदगी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सार्क , दक्षेस से लेकर रुस यूक्रेन युद्ध ,जापान के साथ संबंध के मसले को उठाते हुए कहा कि आज भारत रूस ओर अमेरिका ये दोनों देशों के साथ मध्यम मार्ग अपनाकर विश्व में बनाते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो अमेरिका विश्व ग्राम का अगुवा बना हुआ था वहीं आज अमेरिकन फर्स्ट की बात कर रहा है।

पहले सत्र में प्रो० डॉ० राजेश कुमार सिंह दिन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर , उत्तर प्रदेश ने चेयर पर्सन के रूप में पहले तकनीकी सत्र का संचालन किया। जबकि राम दयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान रांची के डायरेक्टर रनेंद्र कुमार ने दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। सेमिनार का विषय ग्लोबल डेवलपमेंट इन ट्रांसडिशिपलिनियरी एस्पेक्ट्स ऑफ रिसर्च इन ग्लोबल प्रेसपेक्टिव है। सेमिनार के पहले दिन 10 उपविषयों पर चर्चा की गई, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 73 प्रतिभागियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। आनंदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार के विषय की विशिष्टता पर प्रकाश डाला। संरक्षक के रूप में महाविद्यालय के सचिव डॉ सजल मुखर्जी ने महाविद्यालय के गौरवशाली अतीत व गतिशील तथा निरंतर विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए सेमिनार के विषय पर प्रकाश डाला। बतौर सम्मानित अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रो० इंचार्ज डॉ० सुभाष कुमार, डॉ० जे पी सान्याल, डॉ० सरोज रंजन, डॉ० निकेतन कुमार , डॉ० बंशीधर रखैयर भी उपस्थित रहे। सेमीनार का मंच संचालन डॉ० विनीता ने किया वहीं दूसरे सत्र में संचालन सुचोरिता घोष ने किया। इस अवसर पर सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ० ए पी वर्मा ,सदस्य डॉ० कृष्णा कुमार यादव, डॉ० बादल रक्षित, डॉ० बरनांगों बनर्जी, डॉ० विवेक, डॉ० राजीव रंजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सेमिनार में 20 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन मध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के शोधार्थी तथा शिक्षाविद से जुड़ेंगे। पेपर पढ़ने वाले में डॉ० मीना श्रीवास्तव, प्रेरणा, दीप्ति रश्मि,संजीव चटर्जी,अनुपम मिश्र, रोजलीन चेरोवा, गंगोपाध्याय रहे। सेमिनार को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी शिक्षक तथा शिक्षकेतर जुड़े रहे।

बाबू राम नारायण सिंह की 140 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता

हजारीबाग। स्वाधीनता सेनानी बाबू राम नारायण सिंह की 140 वीं जयंती पर स्थानीय स्वर्ण जयंती पार्क में सागर भक्ति संगम के तत्वधान में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सम्मिलित लोगों ने महान योद्धा बाबू राम नारायण सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित की। इस अवसर पर संगम के सदस्यों ने एक प्रस्ताव पारित कर देश के माननीय प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, जिसमें मांग की कि महान स्वाधीनता सेनानी बाबू राम नारायण सिंह की एक आदम कद प्रतिमा हजारीबाग में लगाई जाय। मुख्य अतिथि शिक्षाविद के.सी.मेहरोत्रा ने कहा कि बाबू राम नारायण सिंह स्वाधीनता आंदोलन के अप्रतिम योद्धा थे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदा देशवासियों का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। वे आजीवन सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते रहे। उन्होंने सदा अन्याय का प्रतिकार किया था। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को देखने से प्रतीत होता है कि वे एक महापुरुष थे। वे पृथक झारखंड निर्माण के पक्षधर रहे थे। यह मेरा सौभाग्य रहा कि बाबू राम नारायण सिंह को देखने और सुनने का मौका मिला था। आज की बदली राजनीतिक परिस्थिति में देश के नेताओं को बाबू राम नारायण सिंह के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए संगम के संयोजक विजय केसरी ने कहा कि बाबू राम नारायण सिंह के जीवन से हम लोगों को सबक लेनी चाहिए। वे सादा जीवन और उच्च विचार के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारत की आजादी के नाम कर दिया था। बाबू राम नारायण सिंह के सुपौत्र डॉ० प्रमोद सिंह ने कहा कि बाबू राम नारायण सिंह का संपूर्ण जीवन भारत की आजादी के संघर्ष और देश की आजादी के बाद आजाद भारत की रक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में दस वर्षों तक जेल में बिताए थे। वे देश के पहले ऐसे नेता थे ,जो दस वर्षों तक आजादी के संघर्ष में जेल में बंद रहे थे। उनका संसदीय कार्यकाल तीस वर्षों का था। उन्होंने स्वार्थ की राजनीति कभी नहीं की। बल्कि त्याग और बलिदान का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जो सदैव लोगों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री पद के नाम की जगह प्रधान सेवक नामकरण का सुझाव दिया था।

आरोग्यम अस्पताल ने आयोजित किया एक दिवसीय मेगा नेत्र चिकित्सा शिविर

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से स्वस्थ समाज का निर्माण हमारा लक्ष्य : हर्ष अजमेरा

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के आरोग्यम अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने और समुदाय के लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ मेरु कैंप में एक दिवसीय मेगा नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 650 से भी अधिक मरीजों ने भाग लिया और अपनी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान पाया। शिविर में आरोग्यम अस्पताल के अनुभवी डॉक्टरों ने भाग लिया। जनरल फिजिशियन के रूप में डॉ० निखिल आनंद ने मरीजों की सामान्य बीमारियों जैसे बुखार, खांसी, जुकाम और पेट दर्द का इलाज किया। नेत्र विशेषज्ञ के रूप में डॉ० विवेक कुमार ने नेत्र जांच की और मरीजों को उनकी आंखों से जुड़ी समस्याओं जैसे दृष्टि दोष और मोतियाबिंद के लिए परामर्श दिया। ईएनटी विशेषज्ञ ने शिविर में कान, नाक और गले से संबंधित बीमारियों के निदान एवं उपचार के लिए ईएनटी सेवाएं उपलब्ध थीं। दंत चिकित्सक दांत क्षय, मसूड़ों की समस्या और दांतों की सफाई जैसी सेवाओं के लिए विशेष परामर्श दिया गया।

शिविर में आने वाले मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श और आवश्यक दवाएं दी गईं। मरीजों को उनके रोग के आधार पर उचित परामर्श एवं उपचार की जानकारी दी गई। इसके अलावा गंभीर बीमारियों की पहचान करने के लिए स्क्रीनिंग की गई और कुछ मरीजों को आगे के इलाज के लिए रेफर किया गया। आरोग्यम अस्पताल हमेशा से जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह शिविर समाज में जागरूकता फैलाने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने का प्रयास है। निकट भविष्य में, अस्पताल विभिन्न क्षेत्रों में इसी तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना बना रहा है। ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके। शिविर में आए मरीजों ने आरोग्यम अस्पताल और डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया। मरीजों ने निःशुल्क सेवाओं और डॉक्टरों के सहानुभूतिपूर्ण रवैये की सराहना की। निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा की हम आरोग्यम अस्पताल के इस मेगा नेत्र एवं चिकित्सक शिविर की सफलता पर गर्व महसूस करते हैं। हमारा उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस शिविर के माध्यम से हमने 650 से अधिक मरीजों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया, जो हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

कराटे प्रशिक्षक उदय कुमार को मिला स्वामी विवेकानंद प्रेरणा सम्मान

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग रविंद्र पथ निवासी झारखंड के जाने-माने कराटे प्रशिक्षक शिहान उदय कुमार को स्टार अप शिक्षा फाउंडेशन नई दिल्ली ने उदय कुमार के कराटे में उनके प्रशिक्षण एवं उपलब्धि के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया। ज्ञात हो कि शिहान उदय कुमार लगभग 30 वर्षों से झारखंड की कई जिलों में लगातार कराटे प्रशिक्षण देते आ रहे हैं। इनके सैकड़ो छात्रों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीते हैं। इनके छात्राओं ने मलेशिया, सिंगापुर व आस्ट्रेलिया में भी शानदार प्रदर्शन किया। उदय कुमार के प्रशिक्षण की सबसे बड़ी उपलब्धियां रही है कि महिला सशक्तिकरण को लेकर इन्होंने अभी तक तीस हजार लड़कियों एवं महिलाओं को प्रशिक्षण दिया है, जिसमें सैकड़ो महिला प्रशिक्षक बनकर अन्य जगहों पर प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है। उदय कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व तत्कालीन झारखंड की राज्यपाल एवं वर्तमान में भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू के सामने भी तीन बार इनके द्वारा प्रशिक्षित छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया था, जिसे देखकर महामहिम काफी खुश हुई थीं और उन्होंने कहा था कि सभी लड़कियों को यह कराटे की कला सीखनी चाहिए। ताकि हर लड़कियां मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत रहे एवं समाज में एक मिसाल कायम करें। महामहिम ने उदय के इस कार्य को भी काफी सराहा था। उदय कुमार ने इसका सारा श्रेय अपने ग्रुरू एवं विश्व कराटे संध के कोच हानसी प्रेमजीत सेन को दिया है।

सिविल कोर्ट परिसर में परीक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले सिविल कोर्ट परिसर में प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रंजीत कुमार के देखरेख में आयोजित इस प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न थानों के कई अनुसंधान कर्ता व आरक्षियों ने भाग लिया। इसके साथ हीं न्याय व्यवस्था से जुड़े अन्य हितधारकों ने भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अन्य हितधारकों में सीडब्ल्यूसी के सदस्य, एलएडीसी के सदस्य, अभियोजन के सदस्य व मध्यस्थ मौजूद थे। इस कार्यक्रम में कई कानून की बारीकियां से सभी को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रंजीत कुमार की अगुवाई में दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान कुटुंब न्यायाधीश मार्तंड प्रताप मिश्रा, जिले के एसपी अरविंद कुमार सिंह, हजारीबाग बार संघ के अध्यक्ष राजकुमार व बार संघ सचिव सुमन कुमार एवं सभी न्यायिक पदाधिकारी मौजूद थे।इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रंजीत कुमार ने अनुसंधानकताओं व अन्य हितधारकों को विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने पोक्सो एक्ट के तहत पीड़िता के साथ मित्रवत व्यवहार करने और सबसे पहले उन्हें मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही। प्रशिक्षण सह जागरूकता अभियान के दौरान अनुसंधानकताओं ने अनुसंधान के दौरान आने वाली कठिनाइयों को भी सभी के समक्ष रखा जिसका सटीक समाधान उन्हें बताया गया। मंच का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना और न्यायिक दंडाधिकारी जूही कुमारी ने किया। डालसा सचिव गौरव खुराना ने भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां अनुसंधानकताओं को दी। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी किया। उपस्थित अनुसंधानकताओं ने इस कार्यक्रम के लिए डालसा सचिव को धन्यवाद दिया और इस प्रकार के कार्यक्रम बीच-बीच में लगाए जाने का आग्रह भी किया। प्रशिक्षण दाता के तौर पर न्यायिक पदाधिकारी में विशेष न्यायाधीश पोक्सो विशाल कुमार, मोटरयान दावा दुर्घटना अधिनियम के पीठासीन पदाधिकारी दीपक कुमार मल्लिक, अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, अधिवक्ता नवनीश चंद्र प्रसाद और विशेष लोक अभियोजक एनसीबी रमेश कुमार मौजूद थे।

शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का एकदिवसीय धरना व अनशन समाप्त

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने एसीपी और एमएसएपी से संबंधित अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने एक दिवसीय धरना का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता करते हुए संजीत पासवान ने आज दिन भर उपवास भी रखा।।कर्मचारी विश्वविद्यालय के वित्त समिति के उसे निर्णय का विरोध कर रहे थे। जिसमें यह प्रस्ताव लिया गया था कि उनके एसीपी और एमएसएपी का भुगतान अब बंद कर दिया जाएगा। कर्मचारी यह तर्क दे रहे थे कि उनको अपनी पूरे सेवा काल में आज तक किसी भी पदोन्नति का लाभ नहीं मिला। अब इस भुगतान के बंद हो जाने से उनके साथ घोर अन्याय होगा। कर्मचारियों से वार्ता करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ,० सादिक रज्जाक, जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ० सुकल्याण मोइत्रा, शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ० सुबोध कुमार सिंह तथा वरीय शिक्षक डॉ० केदार सिंह धरना स्थल पर पहुंचे। सबसे पहले शरबत पिलाकर अनशन को तुड़वाया गया।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

सूरज दयाल का नहीं है कोई जोड़, वादन में मंजे हुए कलाकारों में होती है गिनती

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। शहर के दीपूगढ़ा निवासी सूरज दयाल का कोई जवाब नहीं है। क्योंकि वादन में उनकी गिनती एक मंजे हुए कलाकारों में होती है। हर तरह का वादन बजाने में उन्हें महारत हासिल है। लेकिन उनकी पहचान ऑक्टोपैड वादन से कहीं अधिक है। इसके अलावे नाल वादन, तबला वादन, ट्रिपल वादन, ड्रम वादन, कजन बॉक्स वादन भी करते हैं। अभिनय में भी वे पीछे नहीं हैं। संगीत में प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद से 4 ईयर तबला वादन का किए हैं। बचपन से ही स्टेज करने का शौक रहा तो घर पर टीवी के कार्यक्रमों को देखकर कर अपने लिये वादन का क्षेत्र चुना। उनकी सेच को मूर्त रूप देने में उनके पिता द्वारिका दयाल और मां फूल देवी का अहम योगदान रहा, जिन्होंने हरदम उन्हें प्रेरित किया।

1993 से 95 तक सूरज बिहार शिक्षा परियोजना के नाटकों में एक पात्र का रोल किया, साथ में ढोलक वादन भी किया करते रहें। उसके बाद 96 से आज तक आर्केस्ट्रा और भजन कार्यक्रमों में अपने वादन से झारखंड के रांची, रामगढ़, चतरा, बोकारो, हंटरगंज, साहिबगंज, गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर और बिहार के छपरा, नवादा, पटना, गया एवं विशाखापट्टनम जैसे स्थलों और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों अपने वादन से सुर्खियां बटोर चुके हैं। मशहूर गायक मनोज तिवारी, देवी, कल्पना, इंदू सोनाली, रिचा शर्मा एवं इंडियन आइडेल के टॉप टेन में रहने वाली पापिया गांगुली, जी टीवी सारेगामापा की गायिका श्रद्धा दास के कार्यक्रमों में अपने वादन द्वारा मंच साझा कर चुके हैं। किस मांगो ही एल्बम में अपनी अभिनय का अमिट छाप छोड़ी, कई फिल्मों में कॉमेडियन का रोल किया है कई एल्बम एवं लघु फिल्म, फिल्म में काम कर चुके हैं। हजारीबाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव के कार्यक्रमों में भागीदारी निभाते चले आ रहे हैं। हजारीबाग के कई संस्थानों से जुड़कर बच्चों को वाद्य यंत्रों का शिक्षा देने का कार्य भी करते रहते हैं। इन सबके बाद अपनी इस विधा से अपने झंकार डांस एंड म्यूजिक एकेडमी, झंझरिया पुल सदर प्रखंड की मदद से बतौर संगीत शिक्षक बच्चों को सीखा रहे हैं। साथ ही नगर निगम में भी कार्यरत हैं।

ऑक्टोपैड वादन में महारत हासिल है आज भी लगातार कार्यक्रम करते रहते हैं। अपने कामों से हजारीबाग का नाम एवं अपना नाम रौशन कर रहे हैं।

कचहरी रोड में लगातार रहता है जाम, अधिवक्ता रहते हैं परेशान

उज्जवल पाठक

हजारीबाग। कचहरी रोड वकालत खाना से सिविल कोर्ट जाने में एक रोड है जिसे कचहरी रोड कहते हैं। प्रत्येक दिन लगभग जाम की स्थिति हो जाती है। यहां के अधिवक्ताओं को भी काम करने में कठिनाई होती है। साथ-साथ आए हुए लोग जिसे कोर्ट कचहरी का काम रहता है उन्हें भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, जिससे लोग परेशान रहते हैं। जबकि इस रोड पर बड़ी गाड़ियों यथा चार चक्का के लिए नो एंट्री लगा हुआ है। फिर भी इस रोड के बारे में अधिकतर लोग बात करते मिलेंगे कि यह रोड आखिर हमेशा जाम क्यों रहता है ? जब प्रश्न का जवाब ढूंढने के लिए निकला गया तो लोगों ने बताया कि इसके प्रमुख दो कारण हैं। पहला यह कि रोड के फुटपाथ यानी जहां लोग चलने के लिए इस्तमाल करते हैं, वहां नगर निगम द्वारा दो पहिया वाहन के लिए पार्किंग बना दिया गया है। और रोड पर गाड़ी लगाने के वजह से यह रोड अधिकतर जाम पाया जाता है। एक कारण यह भी है कि इस रोड पर गाड़ी की चेकिंग नहीं होती और वही पुराना बस स्टैंड और डिस्ट्रिक्ट मोड़ में चेकिंग होते रहता है। चेकिंग से बचने के लिए इस रोड का इस्तमाल ज्यादातर लोग करते हैं और इस रोड में दो पहिया वाहनों का आवागमन ज्यादा रहता है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की बाइक पर सवार तस्कर 27 बोतल के साथ गिरफ्तार

अररिया। फारबिसगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर फारबिसगंज-जोगबनी रोड में छापेमारी कर बाइक पर सवार तस्कर को 27 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर बथनाहा थाना क्षेत्र के जिमराही सोनापुर वार्ड संख्या दो का रहने वाला 24 वर्षीय सूरज कुमार खतवे पिता डोमी खतवे है।तस्कर हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल पर शराब ढोकर ले जा रहा था।वह बाइक भी चोरी का निकला।पुलिस ने इसके पास से 20 बोतल विदेशी शराब और 7 केन बियर बरामद किया।कड़ी पूछताछ के बाद गिरफ्तार तस्कर को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जानकारी देते हुए फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक राजा बाबू पासवान,अमरेंद्र कुमार सिंह,अवधेश कुमार एवं सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

मोतिहारी पुलिस ने 287.55 किलो गांजा किया बरामद,एक तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। एसपी स्वर्ण प्रभात को मिली गुप्त सूचना के बाद रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने मादक द्रव्यों के तस्करो के बिरुद्ध कारवाई करते हुए 20 पैकेट में रखे 287.55 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते मोतिहारी एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बेलहिया गांव में कमरूल होदा के ग्वास पर तस्करो ने बड़ी मात्रा में गांजा को छुपा कर रखा है।सूचना पर त्वतरित कारवाई करते हुए रक्सौल डीएसपी के नेतृत्व में रामगढवा थाना पुलिस ने छापेमारी करते हुए उक्त स्थान से गांजा को बरामद कर लिया है।साथ ही इस मामले में एक तस्कर बेलहिया गांव निवासी मुनाफ मियां को भी गिरफ्तार किया है । जिससे पूछताछ कर इसके फारवर्ड व बैकवर्ड लिंकेज के साथ ही गांजा तस्करी में संलिप्त अन्य तस्करो के विरूद्ध छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है,कि एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर मादक पदार्थ के तस्करी के विरूद्ध चलाये गये विशेष अभियान के दौरान बीते एक माह में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र से करीब 1335 किलो गांजा के साथ ही बड़ी मात्रा में ब्राउन सुगर,चरस व स्मैक बरामद किया गया है।साथ ही कई नशे सौदागार भी पकड़े गये है। लिहाजा पुलिस की इस कारवाई से नशे के कारोबार में संलिप्त तस्करो हडकंप व्याप्त है।

शेयर बाजार में छोटा सा निवेश, भारी रिटर्न का लालच दिखाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। रातोरात भाग्य बदलो, शेयर बाजार में छोटी रकम निवेश करने पर बड़ा रिटर्न मिलता है। इसी लालच दिखाकर एक प्रतारक जाल में फसाया। उन्होंने बांसद्रोणी के निवासियों से बहुत सा धन भी छीन लिया। उस जांच के बाद कोलकाता पुलिस ने हावड़ा के एक निवासी को गिरफ्तार कर लिया। बांसद्रोणी निवासी राजीव चक्रवर्ती ने कोलकाता पुलिस की साइबर विंग में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपियों ने शेयर बाजार में छोटी रकम निवेश करने और रातों-रात भारी रिटर्न पाने का झांसा देकर करीब 64 लाख रुपये हड़प लिए। इस शिकायत की जांच करने पर उन्हें एक सरकारी बैंक खाते में 46 लाख रुपये का लेनदेन मिला। उस सूत्र के आधार पर, धोखाधड़ी गिरोह के एक आरोपी, बारासात निवासी 34 वर्षीय तन्मय पाल को गिरफ्तार किया गया। वह 31 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। उससे पूछताछ और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर एक अन्य व्यक्ति का पता लगाया गया। पुलिस ने बुधवार देर रात हावड़ा के लिलुआ में छापेमारी की। वहां से शांतनु गायेन को गिरफ्तार कर लिया गया। महज 20 साल के युवक के खाते में आए 46 लाख रुपये। जांचकताओं के मुताबिक शांतनु इस धोखाधड़ी मामले से सीधे जुड़े हुए हैं।

सुंदरबन में बाघ का एक और हमला, एक मछुआरे की मौत

कोलकाता। फिर बाघ के एक अन्य हमले में एक मछुआरे की मौत हो गई। यह घटना गुरुवार को दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन के वैथाभंगा जंगल में हुई। मृत मछुआरे का नाम वर्णधर मंडल (30) है। उनका घर मोईपीठ थाना क्षेत्र के दक्षिण बैकुंठपुर इलाके में है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार वर्णधर और उसके तीन साथी गुरुवार की सुबह बैठाभंगा जंगल में केकड़ा पकड़ने गये थे। जंगल से केकड़े पकड़ते समय वर्णधर पर अचानक एक बाघ ने हमला कर दिया। वर्णधर को बचाने के लिए साथी नाव में लाठी लेकर बाघ के सामने खड़े हो गए। वर्णधर को किसी तरह घायल अवस्था में बचाया गया। लेकिन उस समय तक वर्णधर के पास कोई प्रतिक्रिया नहीं थी।

अंततः उसके साथी मृत वर्णधर का क्षत-विक्षत शव लेकर गांव पहुंचे। शव को इलाके में लाए जाने के बाद उनके परिजन रोने-बिलखने लगे। हताश परिवार ने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य खो दिया। मामले पर सफाई देते हुए पत्नी कल्पना मंडल ने कहा, "गुरुवार सुबह मछली पकड़ने गए थे और खबर मिली कि बाघ ने उन्हें मार डाला।" मुझे समझ नहीं आ रहा है क्या करुँगी। गौरतलब है कि प्रशासन ने बार-बार मछुआरों को आरक्षित वन क्षेत्र में जाने से मना किया है। लेकिन फिर भी स्थानीय लोग सतर्क नहीं हो रहे हैं। इससे पहले भी कई मछुआरे रिजर्व एरिया में केकड़े पकड़ने के दौरान बाघ के हमले में अपनी जान गंवा चुके हैं। बार-बार चेतावनी के बावजूद इस घटना से प्रशासन चिंतित है।

मुख्यमंत्री ने 'हमारा बिहार, हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण

सभी सड़कें मेंटेन रहें, इसका विशेष ख्याल रखें

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण किया। ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत इस एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप का निर्माण किया गया है। मोबाइल ऐप का लोकार्पण करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि जनता की भागीदारी से बुनियादी ढांचे के विकास में भी तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सड़कें मेंटेन रहें, इसका विशेष ख्याल रखें। जनता द्वारा जो शिकायतें प्राप्त होंगी, उसका त्वरित समाधान करना सुनिश्चित करें। समस्याओं का समाधान करने के लिये लगातार मॉनिटरिंग करते रहें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप की कार्य पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप के माध्यम से आमजन अब सड़कों की खराब स्थिति जैसे गड्ढे, क्षतिग्रस्त किनारे और अन्य समस्याओं की रिपोर्ट विभाग को कर सकेंगे। यह ऐप पूरे राज्य में उपलब्ध होगा और लोगों को आसानी से सड़क संबंधी समस्याओं को साझा करने का एक प्लेटफार्म प्रदान करेगा। ऐप पर किसी भी सड़क की खराब स्थिति का विवरण और उसकी तस्वीरें अपलोड की जा सकेंगी। मोबाइल ऐप निर्मित करने का उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की देखभाल और रखरखाव में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यह ऐप राज्य के सभी प्रखंडों के अनुरक्षणाधीन 65,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की सूची प्रदान करेगा। उपयोगकर्ता अपने प्रखंड की सड़क का चयन कर सकते हैं और गड्ढों या अन्य समस्याओं की रिपोर्ट फोटो के साथ दे सकते हैं। 'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करने के बाद, संबंधित अधिकारी के द्वारा उस समस्या को तय समय सीमा में हल किया जाएगा और समस्या समाधान की स्थिति को भी ऐप के माध्यम से अपडेट किया जाएगा। एक बार समस्या हल हो जाने के बाद, संबंधित अधिकारी पुनः मरम्मत स्थल की तस्वीर अपलोड करेंगे। इससे ग्रामीण सड़कों के अनुरक्षण एवं रखरखाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। ऐप नागरिकों और सरकार के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। 'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा। इसे डाउनलोड कर नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और बिहार की सड़कों को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग की 43 डीलक्स बसों को दिखाई हरी झंडी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परिवहन विभाग की 43 डीलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के पूर्व डीलक्स बस का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और बस में दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। नई डीलक्स बसों के परिचालन से राज्य के विभिन्न हिस्से में लोगों को सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। सस्ती, सुलभ, सुगम, सुरक्षित अत्याधुनिक सुविधायुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए इन 43 डीलक्स बसों का परिचालन राज्य के विभिन्न अंतरक्षेत्रीय मार्गों पर किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, सहित परिवहन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

मुर्शिदाबाद से दो 'जेएमबी' आतंकियों को एसटीएफ ने पकड़ा

कोलकाता। बांग्लादेश में जिहादी ताकतें धीरे-धीरे सक्रिय हो रही हैं। ऐसे में मुर्शिदाबाद के 2 युवक असम एसटीएफ के जाल में हैं। जो बांग्लादेश के जमात-उल-मुजाहिदीन के सदस्य माने जा रहे हैं। इसके अलावा ये देश भर में फैले फर्जी पासपोर्ट गिरोह से भी जुड़े हुए हैं। बुधवार की रात असम एसटीएफ ने मुर्शिदाबाद के हरिहरपारा में बंगाल एसटीएफ के साथ संयुक्त ऑपरेशन चलाया। गिरफ्तार लोगों के पास से दस्तावेज और पेन ड्राइव बरामद किए गए। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मोहम्मद अबास और मिनारुल शेख को हरिहरपारा से गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों का दावा है कि ये बांग्लादेश के जमात-उल-मुजाहिदीन के सदस्य हैं। फर्जी पासपोर्ट रिंग से जुड़ा हुआ मामला। उनके पास से चार मोबाइल और एक पेन ड्राइव बरामद किया गया। हालांकि गिरफ्तार किए गए लोगों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं मिल पाई।

बैजनाथ प्रसाद बने बिहार राज्य भारत स्काउट गाइड के राज्य संयुक्त सचिव

एजेंसी

अररिया। फारबिसगंज निवासी बैजनाथ प्रसाद पिता राजेंद्र प्रसाद साह की नियुक्ति बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के संयुक्त राज्य सचिव पद पर नियुक्ति की गई है।बैजनाथ प्रसाद की नियुक्ति से जिले ही नहीं,बल्कि राज्य के सभी रोवर, रेंजर,स्काउट, गाइड, स्काउट शिक्षक एवं पदाधिकारी के साथ उनके परिवारों में उत्साह का माहौल है। बैजनाथ प्रसाद अपने बाल काल से ही 1988 में स्काउट गाइड में यह सम्मिलित हुए। 1993 में राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा के द्वारा इन्हें राष्ट्रपति स्काउट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।1994 में यह बेसिक स्काउट मास्टर कोर्स में उत्तीर्णता प्राप्त किए। 2005 में इन्हें जिला संगठन आयुक्त स्काउट के पदभार को संभालने का मौका मिला।2006 में एडवांस कोर्स, 2008 में हिमालय वुड बेज कोर्स, 2010 में प्रीएएलटी कोर्स को उत्तीर्ण किया। 2014 में इन्हें मैसेंजर ऑफ पीस का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 2016 में एएलटी में उत्तीर्णता प्राप्त कर राष्ट्रीय प्रशिक्षण टीम के सदस्य बन गए। 2019 में इन्हें मैसेंजर ऑफ पीस का राज्य समन्वयक, 2021 में राज्य स्तरीय ऑनलाइन यूथ मैनेजमेंट सिस्टम के राज्य समन्वयक, 2022 में प्लास्टिक टाइड टर्नर के राज्य समन्वयक बनाए गए। इनके कार्य कौशलता को देखते हुए 2023 में राज्य के लोक सूचना पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। इसी क्रम मे 18 दिसंबर 2024 को संयुक्त राज्य सचिव बिहार राज्य के पद पर पदस्थापित हुए। बैजनाथ प्रसाद अररिया जिला में जिला संगठन आयुक्त स्काउट के पद पर भी बने रहेंगे।बैजनाथ प्रसाद के साथ-साथ उनके माता पिता और रिश्तेदारों को बधाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 6,659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से किया शुभारंभ

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 'संकल्प' से ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों के 533 प्रखंडों के 5671 ग्राम पंचायतों में प्रथम चरण में 6659 खेल मैदानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसमें कुल 63,827.35 लाख रुपये की राशि सन्निहित है। खेल मैदान निर्माण कार्य में अनुमानित 41 लाख मानव दिवस का सृजन होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने कार्यारंभ की जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल कूद के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ खेल की आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायतों में खेल मैदान विकसित किये जा रहे हैं। खेल मैदान के विकास के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और उत्साहवर्द्धन भी होगा। खेल मैदान विकसित होने से युवाओं के बीच खेल प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पद्धाओं के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। खेल मैदान के विकास के क्रम में ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि की उपलब्धता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में निम्न तीन प्रकार के खेल मैदान विकसित किये जा रहे हैं। पहले प्रकार के खेल मैदान बड़े आकार के होंगे जिनका क्षेत्रफल 04 एकड़ तक का है। बड़े खेल मैदान में गांव के युवाओं को खेलने के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रैक, बैडमिंटन, ऊंची कूद, लम्बी कूद, कबड्डी और खो-खो खेलों की सुविधाएं स्थानीय आवश्यकता अनुसार ग्रामीण युवाओं के लिए विकसित की जायेंगी।

एमपी पप्पू यादव ने पूर्णिया रेलवे को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने की मांग की

एजेंसी

पूर्णिया। पूर्णिया के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने दिनांक 9 दिसंबर 2024 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखकर पूर्णिया और आसपास के रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने का आग्रह किया था। उनके इस आग्रह पर रेल मंत्री ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित निदेशालय को विस्तृत जांच के निर्देश दे दिए हैं। सांसद पप्पू यादव ने अपने पत्र में लिखा था कि भारतीय रेलवे द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश के कई रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि उनके संसदीय क्षेत्र कोशी-सीमांचल के अंतर्गत आने वाले पूर्णिया, पूर्णिया कोर्ट, जलालगढ़, बनमनखी, मुरलीगंज, कसबा, बिहारीगंज,जानकीनगर रेलवे स्टेशनों को भी इस योजना में शामिल किया जाए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उनकी इस मांग को गंभीरता से लेते हुए इन सभी रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने संबंधित निदेशालय को इन स्टेशनों की स्थिति का आकलन करने और उन्हें अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने की संभावना पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और विकास किया जाता है। इस योजना में स्टेशन परिसरों का पुनर्विकास, यात्री सुविधाओं में सुधार, साफ-सफाई, वेटिंग एरिया, पार्किंग, यात्री सूचना प्रणाली, और डिजिटल सुविधाएं शामिल की जाती हैं। यह योजना न केवल यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाती है, बल्कि स्थानीय क्षेत्रों के आर्थिक विकास में भी सहायक होती है। इसको लेकर सांसद पप्पू यादव ने कहा कि कोशी-सीमांचल क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों के विकास से क्षेत्र की कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं में बड़ा सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय से बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रहा है। इन स्टेशनों का आधुनिकीकरण होने से यात्रियों को सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा।

कटिहार में डाक निर्यात केंद्र की शुरूआत, उद्यमियों को मिलेगा विदेशी बाजार में प्रवेश का अवसर

एजेंसी

कटिहार। कटिहार शहर के प्रधान डाकघर में डाक निर्यात केंद्र की शुरूआत हुई है, जिससे उद्यमी अपना उत्पाद देश और विदेश भेज सकेंगे। उन्हें इस केंद्र में कस्टम क्लियरेंस की सुविधा भी मिलेगी। यह केंद्र एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। बिहार पूर्वी प्रक्षेत्र भागलपुर के डाक महाप्रबंधक मनोज कुमार ने गुरुवार को डाक उपाधीक्षक कॉन्फ्रेंस हॉल कटिहार में उक्त जानकारी दी। मनोज कुमार ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से उद्यमियों को अपने उत्पादों को देश-विदेश में भेजने का अवसर मिलेगा और उन्हें अच्छी आय होगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले एमएसएमई, हैंडीक्राफ्ट, छोटे-बड़े व्यापारियों को कस्टम क्लीयरेंस के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस केंद्र के माध्यम से उन्हें कस्टमर क्लियरेस से लेकर पैकेजिंग आदि की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। महाप्रबंधक ने बताया कि इस केंद्र के शुरू होने से कटिहार और आसपास के क्षेत्रों के उद्यमियों और किसानों को अच्छी आय होगी। इससे उनकी और देश की उन्नति होगी। यह केंद्र कटिहार के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी जनवरी माह में किसानों के बीच कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसानों को उत्पाद की पैकेजिंग एवं निर्यात को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा कार्यशाला के माध्यम से उद्यमियों और किसानों को अपने उत्पादों को देश-विदेश में भेजने के लिए आवश्यक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। महाप्रबंधक ने डाक विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं जैसे- डाकघर का सेविंग खाता, बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि खाता, बेटा के लिए पीपीएफ खाता, मासिक आय स्किम, सीनियर सिटीजन स्किम, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, डाकघर बीमा सहित कई योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की।

घोटाला अभिषेक बनर्जी की कंपनी में बिल्कुल हवाला के स्टाइल में होता था लेनदेन

'टोकन' के रूप में कागजी नोट का उपयोग किया गया

एजेंसी

कोलकाता । प्राथमिक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत में अपनी पांचवीं पूरक चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कंपनी लिप्स एंड बाउंड्स का नाम सामने आया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि इस कंपनी के खातों में बिल्कुल हवाला कारोबार के स्टाइल में लेनदेन होता रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजी अभिषेक की इस कंपनी में भ्रष्टाचार के लिए परीक्षार्थियों से वसूले गए रुपये के लेनदेन के लिए 'टोकन' के रूप में इस्तेमाल किए गए कागजी नोटों के जरिए पैसे जमा किए गए। चार्जशीट के अनुसार, नकद धनराशि कई बार अलग-अलग माध्यमों से हाथ बदली गई। खास बात यह है कि 'टोकन' के रूप में कागजी नोट का उपयोग किया गया, जिनके सीरियल नंबर मिलाकर लेनदेन पूरा किया जाता था। यह धनराशि लिप्स एंड बाउंड्स के खातों में जमा होती थी। उदाहरण के तौर पर अगर 10 रूपए का एक नोट लिया जाए तो उसे दो हिस्सों में फाड़ दिया जाता था। एक नोट उसके पास जाता था जो पैसे लेगा और एक नोट उसके पास रहता था जो देगा। लेनदेन के समय दोनों नोटों के सीरियल नंबर को मिलाकर पैसे लिए जाते थे। ठीक यही तरीका हवाला कारोबार में भी इस्तेमाल होता है।

चार्जशीट में 'मिडलमैन' और लेनदेन का खुलासा

चार्जशीट के 108वें पन्ने पर ईडी ने उल्लेख किया है कि हर्षवर्धन कोयान नामक व्यक्ति से पूछताछ के दौरान 'टोकन' के रूप में कागजी नोटों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी मिली। हर्षवर्धन 'कोयान सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक हैं। ईडी के अनुसार, मोहित अग्रवाल नामक व्यक्ति ने हर्षवर्धन की कंपनी को लिप्स एंड बाउंड्स से जोड़ा।

मोहित अग्रवाल, जिसे 'मिडलमैन' बताया गया है, ने लेनदेन के लिए दो व्यक्तियों - गणेश साव और मुकेश अग्रवाल - को जिम्मेदारी दी थी। ये दोनों कोलकाता के बीबादीबाग (डलहौसी) इलाके से नकदी इकट्ठा करते थे। चार्जशीट में कहा गया है कि नकद लेनदेन के लिए विशेष कागजी नोट का उपयोग होता था। जिनसे पैसे लेना होता, उन्हें नोट के सीरियल नंबर मोबाइल पर भेजे जाते। सीरियल नंबर मिलने के बाद लेनदेन पूरा किया जाता।

अन्य नाम भी आए सामने

ईडी ने मोहित अग्रवाल से पूछताछ के दौरान पंकज अग्रवाल का नाम भी जाना, जिसने हर्षवर्धन की कंपनी और मोहित के बीच संपर्क कराया। इसके अलावा, सत्येंद्र कुमार झुनझुनवाला और सुजयकृष्ण भद्र (जो 'कालीघाट के काका' के नाम से प्रसिद्ध हैं) का भी नाम सामने आया। सुजयकृष्ण 2012 से 2016 तक लिप्स एंड बाउंड्स के निदेशक और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) रहे।

भर्ती घोटाले में लिप्स एंड बाउंड्स की भूमिका

ईडी ने दावा किया है कि लिप्स एंड बाउंड्स की वित्तीय लेनदेन सीधे प्राथमिक भर्ती घोटाले से जुड़े हो सकते हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि सुजयकृष्ण 'प्राथमिक शिक्षा बोर्ड' के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य से अक्सर मिलते थे।

2023 में ईडी ने सुजयकृष्ण भद्र को गिरफ्तार किया और उनके कार्यालय व घर पर छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज जब्त किए। ईडी का मानना है कि भर्ती घोटाले की धनराशि लिप्स एंड बाउंड्स के खातों में जमा की गई और उसका उपयोग अन्य संदिग्ध गतिविधियों में किया गया है।

नाबालिग से छेड़खानी के आरोप में डिलीवरी ब्वॉय गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। ऑनलाइन बुक किए गए सामान की डिलीवरी के दौरान नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में श्रीरामपुर में पुलिस ने एक डिलीवरी ब्वॉय को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, श्रीरामपुर में एक परिवार ने एक ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी से सामान ऑर्डर किया था। बुधवार को एक युवा डिलीवरी ब्वॉय सामान डिलीवर करने गया था। उस वक्त नाबालिग घर पर अकेली थी। डिलीवरी ब्वॉय ने नाबालिग से ओटीपी मांगा, नाबालिग ने कहा कि उसकी मां घर पर नहीं है और वह ओटीपी नहीं दे सकती है। नाबालिग के मुताबिक, डिलीवरी ब्वॉय ने उससे कहा कि वह कंप्यूटर खोलकर देख ले ओटीपी भेजा गया है। आरोप है कि जब नाबालिग मेल चेक करने गई तो डिलीवरी ब्वॉय ने घर में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ की। उसने नाबालिग को धमकी भी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे सड़क पर देख लेगा। नाबालिग ने अपनी मां को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद नाबालिग के परिजनों ने श्रीरामपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस ने जांच की और ऑनलाइन संस्था से युवक की पहचान करायी। इसके बाद रात में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार को श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी ने मामले पर चिंता जताते हुए सोशल मीडिया के जरिए लोगों को आगाह किया।

संक्षिप्त खबरें

जिप सदस्य ने धान क्रय केंद्र का किया उद्घाटन

मेदिनीनगर। हरिहरगंज जिला परिषद सदस्य मंजू देवी ने खाप कटैया पैक्स में धान अधिप्राप्ति केंद्र का उद्घाटन फीता काटकर किया। मौके पर जिप सदस्य ने कहा कि धान क्रय केंद्र खुलने से क्षेत्र के किसानों को काफी सहूलियत होगी। सरकार द्वारा निर्धारित प्रति क्विंटल 2400 रूपए की दर से धान की कीमत किसानों को मिलेगी । उन्होंने किसानों को औने पौने दाम पर धान न बेचकर क्रय केंद्र में ही विक्री करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बीएओ ब्रजेश कुमार क्रय पदाधिकारी उत्तम दास सांसद प्रतिनिधि अरूण मिश्रा, मुखिया उमेश साव ,पैक्स अध्यक्ष धनंजय सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव,बुधन सिंह यादव, कांग्रेस नेता दयाशंकर सिंह, राघव सिंह,कृष्ण कुमार सिंह,अशोक यादव, राजमोहन यादव, झामुमो नेता सुशील सिंह, अमित कुमार, किसान प्रदीप सिंह, ब्रजेश सिंह, संजय सिंह, अरविंद पाण्डेय, राघव पाण्डेय,सीताराम सिंह, सुदय सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह, विजय सिंह, श्याम बिहारी सिंह, संतोष मिश्रा, जितेंद्र कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

सांसद विष्णु दयाल राम ने खान विभाग के मंत्री से की मुलाकात

मेदिनीनगर। सांसद पलामू विष्णु दयाल राम ने आज नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी जी मुलाकात कर रजहरा कोलियरी में उत्खन्न प्रारम्भ करने एवं विस्थापितों को नौकरी देने से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा किया। श्री राम ने कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत रजहरा कोलियरी को खोलने के लिए सारी प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी है और हर तरह की व्यवस्था भी की जा चुकी है केवल 20 विस्थापितों को नौकरी दी जानी है, अनावश्यक रूप से विलम्ब किया जा रहा है। उपरोक्त मामले में माननीय मंत्री जी ने संबंधित पदाधिकारियों को निदेश देते हुए कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत रजहरा कोलियरी में विस्थापितों के नौकरी देने से संबंधित मामले को बहुत जल्द दूर कर कोयले का उत्खनन प्रारम्भ किया जाएगा।

ओखरगाड़ा मोड़ पर सड़क ठोकर से बाइक दुर्घटना, महिला घायल

गढ़वा। मेराल थाना अंतर्गत ग्राम ओखरगाड़ा मोड़ के पास मुख्य सड़क पर बने ठोकर के कारण एक बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे बाइक पर सवार लगभग 45 वर्षीय महिला बृंदा देवी गिरकर घायल हो गईं। घायल महिला तरके गांव निवासी हैं और घटना शाम 6:30 बजे उस समय हुई जब वह गढ़वा से अपने घर लौट रही थीं। घटना के तुरंत बाद, स्थानीय मुखिया अजीज अंसारी ने गाड़ी की व्यवस्था कर घायल महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेजा। स्थानीय समस्या बनी दुर्घटना का कारण मुखिया अजीज अंसारी ने बताया कि ओखरगाड़ा मोड़ पर सड़क पर बनाए गए ठोकर अत्यधिक ऊंचाई के कारण वाहन चालक अक्सर अनियंत्रित हो जाते हैं।

एसपी के निर्देश पर हरिहरगंज थाना की पुलिस ने पोस्ता की फसल को किया नष्ट

मेदिनीनगर। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरा पिकेट के समीप स्थित एक निजी भूमि में अवैध रूप से लगाए गए लगभग तीन एकड़ क्षेत्र में फैले अफीम पोस्ता के पौधों को पुलिस व प्रशासनिक टीम द्वारा नष्ट किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त होने के बाद संबंधित क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान उक्त भूमि पर अवैध रूप से अफीम पोस्ता की खेती पाई गई, जिसे विधिवत रूप से नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों को चिन्हित कर विधिक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।जनता से अपील की जाती है कि यदि उनके संज्ञान में ऐसी कोई अवैध गतिविधि आए तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या पथरा पिकेट को सूचित करें। आपकी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।

कामता पंचायत सचिवालय में राजस्व शिविर का आयोजन

लातेहार। चंदवा उपायुक्त के पत्रांक- 580/गो० दिनांक 07.12.2024 के आदेशानुसार अंचलाधिकारी के निर्देश पर हल्कावार राजस्व शिविर आयोजित कर आम जनता का राजस्य व भूमि विवाद से संबंधित मामलों का ससमय निष्पादन करने हेतू कामता पंचायत सचिवालय में हल्का 04 एवं 05 का राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सीएसआरएस और रकबा सुधार से संबंधित आवेदन आए, अंचल निरीक्षक महेश ने बताया कि शिविर में आए आवेदन की जाच पड़ताल कर रिपोर्ट अग्रसारित किया जाएगा। इस अवसर पर अंचल कार्यालय की ओर से अंचल निरीक्षक महेश सिंह, राजस्व कर्मचारी अमित तिर्की, जेई प्रदीप भगत, पंचायत समिति सदस्य अयुब खान, मुखिया नरेश भगत, ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार भगत, प्रिंस कुमार, बसीर खान, अमान खान, संजय कुमार, एनामुल खान, महेश उरांव, बीनोद उरांव, दरबान खान, अनवर खान, निकोलस बाड़ा, महेश उरांव, सामुविल तिर्की, नरायण मुंडा, रमेश कुमार भारती, बालगोबिंल गंझु, सुरज गंझु, बब्लू ठाकुर समेत कई लोग मौजूद थे।

गुजरात में बच्ची के साथ दरिंदगी तीन सदस्यी टीम पहुंची अस्पताल

दोषी को हर हाल में सजा दिलाने का काम करेंगे : दीपिका

संवाददाता

मेदिनीनगर। गुजरात के भरूच में पलामू की 10 साल की बच्ची के साथ पिता के दोस्त ने दरिंदगी कर दी। बच्ची की हालत नाजुक है और अस्पताल में इलाजरत है। मामले की जानकारी झारखंड के मुख्यमंत्री तक पहुंची।

सीएम ने तुरंत एक्शन लेते हुए मंत्री दीपिका पांडे सिंह, सुमन गुप्ता और समाज कल्याण के निदेशक किरण पासी को पीड़ित बच्ची और परिवार से मुलाकात करने का निर्देश दिया, जिसके बाद तीन सदस्यी टीम गुजरात के भरूच पहुंच कर पूरे मामले की जानकारी ली। साथ ही पीड़ित परिवार को 4.5 लाख का सहायता राशि दिया है। पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के बाद मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि बच्ची का इलाज बेहतर तरीके से हो सके। किसी तरह की कोई दिक्कत इलाज में ना आए, साथ ही आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए सजा मिले। यह मांग गुजरात सरकार से किया है। झारखंड सरकार पीड़ित के परिवार के साथ खड़ी है। दोषी को हर हाल में सजा दिलाने का काम करेंगे। दीपिका पांडे सिंह ने डॉक्टरों से भी अस्पताल पहुँचने के बाद बच्ची की जानकारी ली है।

बच्ची की हालत चिंता जनक बनी हुई है, जिसके बाद मंत्री ने डॉक्टर को आदेश दिया है कि अगर किसी बड़े अस्पताल में शिफ्ट करने की जरूरत होती है तो इसके लिए भी झारखंड सरकार तैयार है। दूर जाने की स्तिथि में एयर एम्बुलेंस भी मुहैया कराया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम के मामले में संबंधित अधिकारियों के साथ भी बातचीत की है। इसके अलावा झारखंड के मजदूरों और उनके परिवार के लोगों की सुरक्षा को लेकर सरकार से मांग की गई है, जिससे भविष्य में ऐसी घटना दोबारा ना हो सके। दरअसल आरोपी और पीड़ित दोनों ही पलामू के रहने वाले है। पीड़ित परिवार पांकी इलाके का है। वही आरोपी विजय विश्रामपुर के ललकी माटी टोला का रहने वाला है। पीड़ित के पिता परिवार के साथ लंबे समय से गुजरात में रहकर मजदूरी करते है। इसके बगल घर में इसका साथी भी रहता था। पीड़ित बच्ची के पिता का जिगरी दोस्त होने की वजह से हमेशा घर पर आना जाना लगा रहता था। इस दौरान ही बच्ची पर आरोपी गलत नजर रखने लगा।

घटिया सड़क निर्माण एवं जलमीनार की जांच करें उपायुक्त : रूचिर

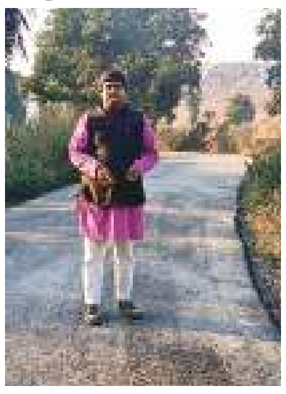

संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने आज चैनपुर प्रखंड के चैनपुर, नेउर कुदागा कला एवं कुदागा खुर्द क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान कर लोगों की जन समस्याओं से अवगत हुआ जहां खुदागा खुर्द में लगा जलमीनार एवं सड़क का जो निर्माण कार्य किया जा रहा है, वह काफी घटिया किया जा रहा। घटिया चारमीनार के चलते इस क्षेत्र में रहने वाले दलित आबादी के पास पीने का पानी भी नहीं पहुंच पा रहा है। वही पक्की सड़क जो लगभग करोड़ों की राशि से बन रहा है जिसमें सिर्फ खाना पूर्ति की जा रही है अलकतरा देने के नाम पर सिर्फ घोटाला किया गया। वहीं सड़क निर्माण के दोनों साइड साइड पैकिंग भी नहीं किया गया, ऐसा लग रहा है कि सड़क निर्माण में ठेकेदार एवं पदाधिकारी की मिली भगत है और वह सिर्फ खाना पूर्ति कर इस करोड़ों रुपया पैसा को निकासी कर बंदर बांट करना चाह रहे हैं, जिसकी जांच जरूरी है भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पलामू जिला परिषद पलामू उपायुक्त से माग करती है कि अभिलंब कुदागा खुर्द में हो रहे सड़क निर्माण कार्य की जांच कर ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करने का काम करें। साथ ही जल मीनार में किए गए भारी घोटाला को भी उजागर कर एवं जल मीनार को ठीक करने का काम करें।

प्रशासन गांव की ओर अभियान का अपर समाहर्ता ने बीडीओ-सीओ संग समीक्षा की

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में आज से प्रशासन गांव की ओर अभियान का शुभारंभ किया जाना है। इस अभियान को सभी प्रखंडों में सफलतापूर्वक आयोजित कराने को लेकर अभियान के नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने सभी बीडीओ-सीओ को वीसी के माध्यम से कई निर्देश दिये।

उन्होंने सभी से कहा कि यह अभियान आज से लेकर 24 दिसंबर तक चलाया जाना है।उन्होंने कहा कि इस सुशासन सप्ताह का मुख्य उद्देश्य आमजनों को दी जाने वाली सेवाओं में सुधार लाना और उनकी समस्याओं को दूर करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लेकर अपने यहां विशेष शिविर अयोजन करें।

इसमें में जन शिकायतों,सीपी ग्राम पोर्टल व सरकारी सेवाओं से संबंधित मामलों का निस्तारण तथा सुशासन व जन शिकायतों के समाधान से जुड़ी सफलता की कहानियों का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को जिला स्तर पर कार्यशाला का आयोजन भी किया जायेगा। विदित हो कि प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग,भारत सरकार के निर्देश के आलोक में सुशासन सप्ताह 2024 अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत 19 से 24 दिसंबर तक सभी प्रखंडो में विशेष शिविर लगाया जाना है।

राजद ने किया अमित शाह का विरोध

संवाददाता

गढ़वा। जिला राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष सूरज सिंह की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय के रंका मोड़ पर गृह मंत्री अमित शाह के विवादित बयान का विरोध किया गया। राजद कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर गृह मंत्री से बयान वापस लेने और इस्तीफे की मांग की। राजद ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया, जिससे देश के 90% बहुसंख्यक आबादी का अपमान हुआ है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि गृह मंत्री ने अपना बयान वापस नहीं लिया, तो राजद सड़क से लेकर सदन तक विरोध मार्च करेगी।

जिला अध्यक्ष सूरज सिंह ने कहा देश संविधान से चलता है और राजद संविधान को मानने वाली पार्टी है। ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इस विरोध प्रदर्शन में जिला प्रधान महासचिव धर्मराज राम, महासचिव त्रिपुरारी सिंह, नौशाद अली, अशोक सिंह, जुनैद खान, सोशल मीडिया प्रभारी पंकज चंद्रवंशी, अताउर रहमान, मंसूर अंसारी, बजेंद्र चौधरी, लाल बहादुर सिंह, इबरार खान, रामकृष्ण चौबे, मुशाहिद अंसारी, योगेंद्र चौबे, राजद कार्यालय प्रभारी अनिमेष कुमार, कामाख्या सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तीन महीना बीत जाने के बाद भी महिला की हत्यारा का पता नहीं

संवाददाता

मेदिनीनगर। कुंड मोहल्ला निवासी सहाबू अंसारी की पत्नी सायरा बानो के हत्या का 3 महीना बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक हथियारों का पता नहीं लगा पाई है। सायरा बानो के बेटा और रिश्तेदार पुलिस से हत्यारा का पता लगाने को लेकर कई बार थाना में जा चुके हैं। इसके बाद भी उन्हें थाना से सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। सायरा बानो का हत्या 3 महीना पहले हुई थी। बताते चलें कि रविवार की रात में मर्डर करने के बाद मृतक सायरा बानो के पति सहाबु अंसारी शहर छोड़कर फरार हो गया था। मृतका शायरा बानो (45) रविवार की रात अपने पति शहाबु अंसारी के साथ घर में थी। पति-पत्नी में अनबन था। लंबे समय के बाद शहाबु अंसारी पन्द्रह दिन पहले अपने घर आया था। इसके बाद रात करीब एक बजे शायरा बानो के पति शहाबु को डाल्टेनगंज रेलवे स्टेशन पर देखा गया था। उसका एक बेटा गुड्डू अंसारी टेम्पो चलाता है। पिता को स्टेशन पर देखकर बेटा ने पूछा तो उसने बताया कि बनारस जा रहे हैं। उसके बाद से अभी तक पुलिस भी उसको खोज नहीं पाई। पुलिस की अनदेखी के कारण मृतक महिला के परिजन काफी हैरान और परेशान है।

पीएलभी को कार्य के प्रति समर्पित रहना होगा: संतोष

संवाददाता

मेदिनीनगर। बाल विवाह बाल श्रम जैसे गैर कानूनी कार्य को रोकने में पीएलभी सक्रियता से कार्य करें। ताकि नैनिहालो का भविष्य को बचाया जा सके। उक्त बातें लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कही। वे गुरुवार को जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नव चयनित 10 पारा लीगल वॉलिंटियर्स के ओरिएंटेशन व ट्रेनिंग कार्यक्रम में समापन के दिन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएलभी का कार्य कानूनों और अन्य उपलब्ध कल्याणकारी उपायों और कानूनों बुनियादी ज्ञान के साथ ये अपने आस पास के लोगों को सहायता करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति वकील रखने व कोर्ट फीस देने में सक्षम नहीं हैं, वैसे लोगों को डीएलएसए मदद करेगा। रेवेन्यू लॉ, सोशल वेलफेयर ,कंज्यूमर प्रोटक्शन लॉ के अलावे आरोपी व्यक्ति को क्या कानूनी अधिकार है के बारे में विस्तार से जानकारी दी । साथ ही स्वतंत्र निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार आर्टिकल 14 और 21 में प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि सात साल से कम सजा वाले केस में पुलिस को गिरफ्तारी के पूर्व 41 ए का नोटिस देना जरूरी है ।उन्होंने कहा कि पीएलभी को यह कार्य को चुनौती के रूप में लेना होगा ।उन्होंने कहा कि हमें उस घर तक जाना है जहां सदियों से अंधेरा है इस मौके पर डालसा के असिस्टेंट संजीव कुमार सिंह ने डालसा से प्रदत सुबिधा व कार्य के बारे में जानकारी दी। साथ ही पीएलभी को क्षेत्र में कैसे काम करना है कि बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पीएलभी को कार्य के प्रति समर्पित रहना होगा तभी आम आवाम को प्राधिकार से मिलने वाले लाभ व सरकारी योजना का लाभ मिल सकता हैं। उन्होंने पीड़ित प्रतिकर अधिनियम, लोक अदालत, सरकारी खर्च पर वकील प्राप्त करने की अहर्ता व प्रक्रिया पर भी चर्चा की। मौके नव चयनित पीएलभी मेंअभिमन्यु कुमार पासवान, सनत कुमार चटर्जी, बलवंत सिंह, विजय नाथ सिंह, उमेश कुमार उपाध्याय, निरंजन प्रसाद सिंह, अंजय ठाकुर, गौरब कुमार, बिनोद शुक्ला, डॉ शिव लगन भगत आदि लोगमौजूद थे।

बहनोई के घर संदिग्ध हालात में साले की मौत

मृतक के बहनोई जवाहिर प्रजापति ने बताया उपेंद्र बुधवार को मेरे भाई अमेरिका प्रजापति के घर शादी संबंध के लिए आए थे

संवाददाता

गढ़वा। जिले के पितुर गांव में बुधवार की रात बहनोई के घर एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनभद्र जिले के दूधी स्थित मालदेवा गांव निवासी उपेंद्र प्रजापति के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, उपेंद्र प्रजापति अपने बेटे के लिए रिश्ता देखने पितुर गांव आए थे।

लड़की देखने के बाद वह अपने बहनोई जवाहिर प्रजापति के घर रुक गए। रात में परिवार के साथ भोजन करने के बाद वे सोने चले गए। मृतक के बहनोई जवाहिर प्रजापति ने बताया उपेंद्र बुधवार को मेरे भाई अमेरिका प्रजापति के घर शादी संबंध के लिए आए थे। रात में भोजन करने के बाद उपेंद्र मेरे घर सोने चले गए। सुबह लगभग 4 बजे उन्हें अचानक तेज हिचकी आने लगी। जब तक हम कुछ समझ पाते, उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही धुरकी थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गढ़वा भेज दिया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच जारी है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। परिवार में किसी भी प्रकार की शंका या विवाद की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

एसपी के निर्देश पर चला चेकिंग अभियान

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए पलामू एसपी के निर्देश पर ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में गुरुवार को छह मुहान चौक के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग अभियान के दौरान ट्रैफिक प्रभारी के द्वारा बिना हेलमेट और लाइसेंस के दर्जनों वाहनों को पकड़ा गया। इसके बाद पकड़े गए सभी वाहनों को सुरक्षित शहर थाना में रखा गया है। वही समाल अहमद के द्वारा पकड़े गए सभी वाहनों को फाइन के लिए डीटीओ ऑफिस भेज दिया गया है। बताते चले की पलामू जिले में आए दिन सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो रही है। इसके बाद भी लोग हेलमेट का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। वहीं कुछ बाइक चालक है जो अपने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर वाहन चला रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

संजू सैमसन और मनीष पांडे को नहीं मिली विजय हजारे ट्रॉफी में जगह

नई दिल्ली। 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर दो चौकाने वाली बात सामने आई है। एक और केरल ने संजू सैमसन को टीम से बाहर रखा है। वहीं कर्नाटक ने सीधे तौर पर मनीष पांडे से किनारा कर लिया है। संजू सैमसन को केरल की टीम से बाहर रखने के पीछे केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने कैंप में शामिल खिलाड़ियों में से ही टीम चुनने को वजह बताया है। जिसके बाद सैमसन ने अपना नाम वापस ले लिया। सैमसन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में केरल का नेतृत्व किया था, जहां वह अपने छह मैचों में से चार जीतकर नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए थे। इस दौरान सैमसन ने पांच मैच में 135 रन बनाए थे। हालांकि सैमसन का नाम 30 सदस्यीय संभावित सूची में था, लेकिन उनको अब 19 सदस्यीय टीम में नहीं चुना गया। दूसरी ओर, कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने साफ तौर पर कहा है कि मनीष पांडे का टीम से बाहर होना उनके प्रदर्शन के आधार पर लिया गया फैसला है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मनीष पांडे ने पांच पारियों में सिर्फ 117 रन बनाए थे।

रियल मैड्रिड ने फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 जीता, पचुका को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड ने बुधवार को यहां लुसैल स्टेडियम में सीएफ पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप 2024 का खिताब जीत लिया है। पचुका ने मैच की शुरूआत आक्रामक तरीके से की, लेकिन मैड्रिड ने 37वें मिनट में अपना पहला गोल किया। विनीसियस जूनियर को जूड बेलिंगहैम से पास मिला, वह बाईं ओर से डिफेंस को पार करते हुए आगे बढ़े और फिर सेंटर में एमबाप्पे को पास दिया और उन्होंने गेंद को नेट में डालकर अपनी टीम का खाता खोला। एमबाप्पे ने 53वें मिनट में दूसरे गोल के लिए क्रिएटर की भूमिका निभाई, उन्होंने रॉड्रिगो को सेट किया, जिन्होंने बॉक्स के बाहर से दाएं पैर से गोल कर रियल को 2-0 से आगे कर दिया। जब मैच में गति धीमी होती दिख रही थी, ओसामा इद्रिसी ने लुकास वाजक्वेज को उसके दाहिने घुटने पर लात मारी और रेफरी ने वीएआर जांच के बाद, 84वें मिनट में मैड्रिड को पेनल्टी दी, जिसे विनिसियस ने गोल में बदलकर अपनी टीम को 3-0 से जीत दिला दी।

यूरोपीय पुरुष हैंडबॉल युवा चैम्पियनशिप 2026 की मेजबानी करेगा रोमानिया

बुखारेस्ट। रोमानिया क्लुज-नेपोका और टुरडा में 2026 यूरोपीय पुरुष हैंडबॉल युवा चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा, रोमानियाई हैंडबॉल महासंघ (एफआरएच) के महासचिव निकोला लुका ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह 2026 में रोमानिया में आयोजित होने वाला दूसरा प्रमुख यूरोपीय हैंडबॉल आयोजन होगा, साथ ही महिला सीनियर यूरोपीय चैम्पियनशिप भी होगी, जिसकी मेजबानी देश चेक गणराज्य, पोलैंड, स्लोवाकिया और तुर्किये के साथ करेगा। एफआरएच के अध्यक्ष कॉन्स्टेंटिन दीन ने सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए एक ठोस आधार तैयार करने के लिए पुरुषों की युवा चैंपियनशिप के महत्व पर प्रकाश डाला, और आने वाली पीढ़ी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया। अपने कार्यकाल के दौरान, दीन ने रोमानिया के लिए चार प्रमुख यूरोपीय हैंडबॉल स्पर्धाएं हासिल की हैं, जिनमें 2022 में पिटेस्टी और क्रायोवा में आयोजित महिला युवा यूरोपीय चैम्पियनशिप भी शामिल है। रोमानियाई पुरुषों की सीनियर टीम जनवरी 2025 में स्पेन में एक तैयारी टूर्नामेंट में भी भाग लेगी।

सूरमा हॉकी क्लब ने प्रशिक्षण शिविर के साथ शुरू की एचआईएल की तैयारी

■ ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज शामिल हैं

चंडीगढ़। एजेंसी

सूरमा हॉकी क्लब ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 42 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिया है। 28 दिसंबर से 1 फरवरी तक चलने वाली लीग के साथ, यह कैंप रणनीति बनाने, टीम के सामंजस्य और खेल शैलियों को समन्वित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में कार्य करता है। प्री-सीजन कैंप में अब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ी शामिल हैं। 14 दिसंबर को शामिल हुए भारतीय दल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुनीत लाकड़ा और मोहित एचएस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। बुधवार को शिविर में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने साथ ढेर सारा अनुभव और विविध खेल शैली लेकर आए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीकी स्टार दयान कैसिएम, बेल्जियम के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफील्डर निकोलस डेला टोरे सहित बाकी अंतरराष्ट्रीय दल आने वाले दिनों में शिविर में शामिल होंगे। शिविर की प्रगति को लेकर टीम के कोच और मेंटर सरदार सिंह ने खिलाड़ियों के बीच सौहार्द और समझ बनाने में इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा खिलाड़ियों को एक-दूसरे से परिचित कराने के लिए यह शिविर महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि कुछ ने पहले कभी एक साथ नहीं खेला है। हमारा लक्ष्य मैदान पर समन्वय सुनिश्चित करना और एक मजबूत, एकजुट टीम बनाना है।

हरमनप्रीत सिंह ने आगामी लीग और टीम की बेहतर तैयारियों के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने कहा हम सभी सूरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, चंडीगढ़ में शिविर लगाना हमारे लिए विशेष रूप से सार्थक है, एक ऐसा क्षेत्र जिसका हम सूरमा हॉकी क्लब के रूप में प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेशी खिलाड़ियों के हमारे साथ जुड़ने से ऊर्जा और भी बेहतर हो गई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसे अपने प्रदर्शन में शामिल करेंगे। सूरमा हॉकी क्लब अपने पहले अभियान की शुरुआत रविवार, 29 दिसंबर 2024 को राउरकेला में तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ करेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज से बाहर हुए केशव

जोहानसबर्ग। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शेष बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं, क्योंकि पहले वनडे के लिए वार्मअप करते समय उनके बाएं पैर में खिंचाव आ गया था। श्रृंखला के अंतिम दो वनडे के लिए उनके स्थान पर स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स ब्योर्न फोर्टुइन को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान के अनुसार, महाराज पुनर्वास के लिए डरबन लौटेंगे और 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले उनका मूल्यांकन किया जाएगा। महाराज को तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। प्रोटियाज वर्तमान में डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, और पाकिस्तान के खिलाफ जीत अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-0 से हारने के बाद, पाकिस्तान ने वापसी की और पहला वनडे तीन विकेट से जीत लिया। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को केपटाउन में खेला जाएगा। जबकि तीसरा वनडे 22 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा।

द हंड्रेड : नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम की मुख्य कोच नियुक्त हुईं लिसा केइटली

लंदन। एजेंसी

लिसा केइटली को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। केइटली, जो 2019 से 2022 तक इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच थीं, डैनी हेजेल की जगह लेंगी, जो टीम के साथ चार साल बिताने के बाद अपने अनुबंध के अंत में सुपरचार्जर्स को छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का हेड कोच बनने का अवसर एक बहुत बड़ा सम्मान है और मैं पिछले चार वर्षों में रखी गई ठोस नींव पर आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं। हंड्रेड एक गेम-चेंजर रहा है। इसने महिलाओं के खेल को एक शानदार मंच प्रदान किया है और खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए वह मंच दिया है जिसकी वे हकदार हैं। उन्होंने कहा हेडिंग्ले इस बात का एक शानदार उदाहरण रहा है कि प्रशंसकों ने इस रोमांचक प्रतियोगिता को कैसे अपनाया है, और मैं वास्तव में अगले साल वहां होने का इंतजार कर रही हूं। एक टीम के रूप में हमारा लक्ष्य प्रतियोगिता जीतना है, और हम डेडलाइन डे से पहले कोर स्क्वाड को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं, साथ ही हम हंड्रेड ड्राफ्ट के माध्यम से जिन खिलाड़ियों की भर्ती करेंगे, मुझे विश्वास है कि हमारे पास इसे हासिल करने की क्षमता है।

घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल बल्लेबाज के रूप में खेलेंगी हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली के घुटने में दर्द के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगी। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जनवरी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए खुद को तैयार करने के लिए तीनों मैचों में बल्लेबाज के तौर पर खेल पाएंगी। बेथ मूनी गुरुवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में होने वाले सीरीज के पहले मैच में बतौर विकेटकीपर हीली की जगह लेंगी। हीली ने बुधवार को कहा, ₹मैं इस सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करूंगी, लेकिन एशेज से पहले बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं है, इसलिए मेरे लिए यह एक मौका है कि मैं एक बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर वापसी करूं और कुछ रन बनाने की कोशिश करूं। मुझे लगता है कि मैंने पिछले आठ या नौ महीनों में शायद ही कोई क्रिकेट खेला हो और ऐसा करने का यह अच्छा मौका है। घुटने की स्थिति ठीक है, यह दिन-प्रतिदिन की बात है और हम आगे बढ़ने के साथ ही आकलन करेंगे। हीली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए हाल ही में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में जॉर्जिया वोल के पदार्पण का रास्ता खुल गया। वोल, जिन्होंने अपने पहले तीन वनडे मैचों में नाबाद 46, 101 और 26 रन बनाए थे, हीली की वापसी के साथ बाहर होने वाली बदकिस्मत खिलाड़ी बनने वाली हैं।

आरसीबी ने 'मेड ऑफ बोल्ड' खेल विकास कार्यक्रम शुरू किया

बेंगलुरु। प्रतिभाओं को उजागर करने और विभिन्न क्षेत्रों से एथलेटिक चैंपियनों को विकसित करने के उद्देश्य से, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने कहा मेड ऑफ बोल्ड पहल आरसीबी के स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन के व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है, जो भारत के लिए एक स्थायी और मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना चाहता है। इस प्रयास का उद्देश्य एथलीटों की पहचान करना और उनका पोषण करना और देश में सक्रिय खेल विकास के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच बातचीत शुरू करना है।

सलमान ने की बल्लेबाजी, लखनऊ रिक्रिएशन ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में लखनऊ रिक्रिएशन क्लब ने लखनऊ ह्वाइट क्रिकेट क्लब को 199 रन से हरा दिया। लखनऊ रिक्रिएशन के सलमान रिजवी ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 75 बाल पर 93 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी झटके। लखनऊ रिक्रिएशन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 325 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज जमाल काजिम ने 35 रन का योगदान दिया। वहीं सलमान रिजवी ने 10 चौका और दो छक्का की मदद से 75 बाल पर 93 रन बनाये, जबकि अब्बास ने नौ चौका और चार छक्का की मदद से 64 बाल पर 92 रन का योगदान दिया। वहीं लखनऊ ह्वाइट की पूरी टीम 126 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी। सलामी बल्लेबाज सागर कुमार ने 16 रन का योगदान दिया। वहीं अपनी टीम में सर्वाधिक अभिषेक कुमार ने 34 रन का योगदान दिया।

आपसी सहमति से अगल हुए पंजाब एफसी और मुशागा बकेंगा

मोहाली। एजेंसी

पंजाब एफसी और क्लब के स्ट्राइकर मुशागा बकेंगा ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी को इस सीजन की शुरुआत में 'द शेर' द्वारा साइन किया गया था। उन्होंने इंडियन सुपर लीग और डूरंड कप में क्लब के लिए कुल 14 मैच खेले। बकेंगा ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन गोल किए और एक असिस्ट प्रदान की। बकेंगा से अलग होने पर पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलेटिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा आपसी चर्चा के बाद, यह तय किया गया कि बकेंगा हमारे साथ अलग होंगे। मैं उनके योगदान के लिए उनका तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। बकेंगा का पंजाब एफसी के लिए आखिरी मैच इंडियन सुपर लीग में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ एक सब्स्टीट्यूट के रूप में था।

जूनियर एशिया कप जीत ने हमें मानसिक मजबूती के बारे में बहुत कुछ सिखाया : कनिका

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय हॉकी की उभरती स्टार कनिका सिवाच ओडिशा वारियर्स के साथ पहली महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में खेलने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न महिला जूनियर एशिया कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद (जहाँ उन्होंने आठ गोल किए और चैंपियन भारत के लिए दूसरी और कुल मिलाकर चौथी स्कोरर रहीं) कनिका इस प्रतिष्ठित लीग में जूनियर रैंक से सीनियर चरण में जाने के लिए उत्सुक हैं।

जूनियर एशिया कप से लेकर एचआईएल तक के अपने सफर को लेकर कनिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा मैं इस बदलाव को लेकर रोमांचित हूं। ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलना और अनुभवी सीनियर्स और कोचों से सीखना कुछ ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए एक नई यात्रा है और मैं इसके जरिए आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हूं।

जूनियर एशिया कप में आठ गोल करने वाली 19 वर्षीय फारवर्ड का मानना है कि उनकी हालिया सफलता ने एचआईएल के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। उन्होंने कहा जूनियर एशिया कप मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहा। हीरो हॉकी इंडिया लीग में इस अगली चुनौती के लिए तैयार होने में मैंने वहां जो अनुभव हासिल किया, वह अमूल्य होगा। ओडिशा वॉरियर्स में शामिल होकर कनिका टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा मैं ओडिशा वॉरियर्स जैसी टीम का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं, जिसमें कुछ बेहतरीन खिलाड़ी और कोच हैं।

व्यापार

यूएस फेड के फैसले से बिगड़ा ग्लोबल मार्केट का मूड

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने के बाद की गई कमेंट्री से दुनिया के ज्यादा स्टॉक मार्केट में गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

वहीं एशियाई बाजारों में चौतरफा दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान किया। इस बार उम्मीद के मुताबिक ही ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद अमेरिका में ब्याज दर घट कर 4.25 प्रतिशत से लेकर 4.50 प्रतिशत के दायरे में आ गई है। ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करते हुए यूएस फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने साफ कर दिया कि 2025 में केवल दो बार ही ब्याज दरों में कटौती की जाएगी, क्योंकि महंगाई फिर से बड़ी चुनौती बन सकती है। उन्होंने साफ किया कि ब्याज दरों में की गई कटौती के बाद यूएस फेड को महंगाई के आंकड़ों के प्रति सतर्क रहना होगा। यूएस फेड के इस फैसले के बाद 10 सालों की अमेरिकी यील्ड 4.52 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सोने की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,500 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शेयर बाजार : निवेशकों को 1 दिन में 2.62 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरूआत भी जबरदस्त कमजोरी के साथ हुई थी। इसकी वजह से सेंसेक्स 80 हजार अंक और निफ्टी 24 हजार अंक से नीचे लुढ़क गए। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे कुछ देर के लिए शेयर बाजार की स्थिति सुधरती नजर आई, लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया। इस बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.20 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, आईटी, बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह टेक, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर हेल्थ केयर सेक्टर में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 449.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 452.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.62 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी किया दाखिल

मुंबई/नई दिल्ली। एजेंसी

जयपुर स्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक जयपुर स्थित एनबीएफसी कंपनी का प्रस्तावित 5 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 1.04 करोड़ शेयरों के नए निर्गम और प्रमोटरों द्वारा 56.38 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण भी शामिल है। इसके अलावा कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड नए इश्यू से प्राप्त इनकम आगे के लोन और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए अपनी भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा अपने कैपिटल बेस बढ़ाने के लिए करेगी। जून 2024 तक एनबीएफसी के पास 1,035.53 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) थी, जिसमें एमएसएमई और वाहन ऋण का योगदान क्रमशः 75.49 फीसदी और 17.46 फीसदी था। वहीं, 30 सितंबर, 2024 तक इसके परिचालन नेटवर्क में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 139 शाखाएं शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन से कटकर एक युगल ने दी जान

जोधपुर। जोधपुर-जयपुर रेल मार्ग पर गुरुवार अलसुबह नटिया फाटक के पास डबल इंजन रेलवे ट्रेक पर एक युगल ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। आत्महत्या का कारण पता नहीं लगा है। संदेह है कि इनमें प्रेमप्रसंग हो सकता है। दोपहर में शवों की पहचान की गई है। शवों को सुबह के समय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। परिजन के आने पर अग्रिम कार्रवाई की गई। मौका स्थल पर एक बिना नंबर मोपेड मिली थी। पुलिस ने जब्त कर थाने में रखवाया है। महिला शादीशुदा बताई गई है। महामंदिर पुलिस को गुरुवार सुबह सवा पांच बजे के करीब कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि आर्मी स्कूल के सामने एक कपल की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है।

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। दो भाईयों को विदेश भेजने के नाम पर उनसे लाखों की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान सुशील कुमार पुत्र जोगिन्द्र सिंह निवासी मोहम्मदपुर रोही के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी प्रह्लाद राय ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 6 जनवरी 2024 को गुरुनानकपुरा मोहल्ला फतेहाबाद निवासी परविन्द्र सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

शिकार पर गए युवक की गोली लगने से मौत

यमुनानगर। शिकार के दौरान एक युवक की गोली लगने से हुई मौत के 48 घंटे बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। इस मामले में शहर के एक कद्दावर राजनेता का नाम सामने आ रहा है। युवक के परिजन ने पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी थी थाना प्रभारी ने ही इस मामले में अपनी तरफ केस दर्ज कराया। थाना छछरौली के गांव इस्माईलपुर का गुरदीप कुछ जानकार शिकारियों के साथ ताजेवाला के जंगल में रविवार शाम को जंगली जानवरों का शिकार करने गया था।

धारदार हथियार से मासूम की हत्या

सुल्तानपुर। गोसाईंगंज के सोनवातारा गांव में पांच वर्षीय मासूम का शव गांव के एक खंडहर में मिला है। शव की हालत से गला रेतकर हत्या का अंदेशा लगाया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच करते हुए शव को कब्जे में लिया है। गोसाईंगंज के सोनवातारा निवासी अरविंद का पांच वर्षीय पुत्र अखिल बुधवार दोपहर 12 बजे घर से लापता हो गया। कुछ देर तक जब बच्चा नजर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। गुरुवार सुबह घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित श्याम लाल के खंडहर नुमा मकान में खून से लथपथ शव मिला।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

औरैया। जनपद के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में ग्राम रुरुआ में गुरुवार की सुबह एक बाइक सवार युवक का शव सड़क किनारे खंदी में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अछल्दा थाना क्षेत्र के गांव तहराज पुर निवासी प्रदीप कुमार पुत्र सुभाष चंद्र दोहरे उम्र करीब 27 वर्ष अपनी बाइक से अपने घर से निकले थे वह रतनपुर गढ़िया गया था,आते समय रुरुआ गांव के समीप सड़क किनारे गड्ढे में ग्रामीणों ने युवक को देखते ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर चौकी प्रभारी मय पुलिस फोर्स पहुंचे और युवक को सीएचसी अजीतमल भेजा गया।

आधी रात लगी आग, मकान जलकर राख

हरिद्वार। रुड़की में बीती रात एक खंडहर पड़े मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। हादसा रुड़की के सोत मोहल्ला में हुआ। दरअसल, दमकल विभाग को देर रात करीब पौने एक बजे पत्थरों वाली गली सोत मोहल्ला में एक पुराने खंडहर मकान में आग लगने की सूचना मिली। मकान आयुष चौरसिया पुत्र हरिश्चंद्र का बताया गया है, जो परिजनों के साथ मौके पर थे। मामले की जानकारी पाकर फायर यूनिट मौके पर पहुंची, जहां आग विकराल रूप लिए हुए थी। आग से आसपास के आवासीय भवनों के लिए भी खतरा बन गया था।

कांग्रेस ने गृहमंत्री का पुतला फूंका

गोपेश्वर। राज्यसभा में संविधान की गौरवशाली यात्रा पर हुई चर्चा में गृहमंत्री अमित शाह की ओर से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी किए जाने पर गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के तिराहे पर प्रदर्शन करते हुए गृह मंत्री का पुतला फूंका। कांग्रेस नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि डा. अंबेडकर भारतीयों के साथ ही विदेशों में निवास कर रहे लोगों के लिए प्रेरणा के साथ आस्था और पूज्यनीय है। बाबा साहेब संविधान निर्माता भी कहे जाते हैं। ऐसे में उन पर टिप्पणी किया जाना लाखों भारतीयों की आस्था के साथ खिलवाड़ है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राज्यपाल ने 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 का किया शुभारम्भ

साइबर क्राइम से समाज को जागरूक करना जरूरी: पटेल

● मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है

भोपाल। एजेंसी

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की उन्नति ने साइबर अपराधों के स्वरूप को बदला है। साइबर अपराध के बदलते पैटर्न जैसे-डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, फिशिंग आदि से समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है। राज्यपाल पटेल गुरुवार को मेनिट भोपाल में रिसेंट ट्रेंड्स इन इमेज प्रोसेसिंग एण्ड पैटर्न रिकग्निशन विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में मेनिट परिसर में आयोजित किया गया है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि आज का समय डिजिटल युग है। इसलिए, समाज को विज्ञान और तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों के बारे में जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने विशेषज्ञों से कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की प्रगति का समाज और राष्ट्र के हित में विमर्श करें। सम्मेलन के माध्यम से तकनीक के परिवर्तनकारी क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान देने आगे आए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है। राज्य में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक दूरदर्शी दृष्टिकोण और अपार संभावनाएं है। प्रदेश की नीति और रीति, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय के अनुरूप है। उन्होंने पारस्परिक सहयोग से डिजिटल क्रांति के मुख्य घटक इमेज प्रोसेसिंग और आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की सम्भावनाओं पर पहल की सराहना की। राज्यपाल ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उनका पुष्प-गुच्छ से स्वागत और शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में साऊथ डकोटा यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. के विषय विशेषज्ञ के.सी. संतोष, दुबई में कार्यरत डॉ. विनयातोष मिश्रा ने इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न रिकग्निशन विषय पर शोध की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला।

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक के घर लोकायुक्त का छापा

भोपाल। एजेंसी

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त पुलिस की टीम ने गुरुवार को परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त आरक्षक सौरभ शर्मा के घर छापा मार कार्रवाई की। इस कार्रवाई में लोकायुक्त को सौरभ शर्मा के अरेरा कॉलोनी स्थित घर से ढाई करोड़ रुपये नगदी, 40 किलो चांदी, सोने के गहने, विदेशी मुद्रा और बेनामी चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज बरामद हुए हैं। फिलहाल जांच जारी है। लोकायुक्त के एडीजी जयदीप प्रसाद ने बताया कि सौरभ शर्मा के दो ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। सुबह 7 बजे दो टीमों को उसके अलग-अलग ठिकानों पर रवाना किया गया था। उसके खिलाफ पहले शिकायत मिली थी। इसकी जांच के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। है। भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में उनकी संपत्ति होने के प्रमाण लोकायुक्त को मिले हैं। अब तक की कार्रवाई में सौरभ के एक होटल और एक स्कूल में निवेश के प्रमाण भी लोकायुक्त टीम को मिले हैं। गौरतलब है कि सौरभ शर्मा परिवहन विभाग (रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस) में आरक्षक रहे हैं। एक साल पहले ही उन्होंने वीआरएस ले लिया था और अभी वह रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि सौरभ को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। उनके पिता पहले परिवहन विभाग में पदस्थ रहे हैं। मूल रूप से ग्वालियर के रहने वाले सौरभ साधारण परिवार से थे। चंद साल की नौकरी में ही रहन-सहन बदल गया था। इसकी शिकायत विभाग सहित अन्य स्थानों पर की जाने लगीं।

बेहतर स्वास्थ्य और शुद्ध मानसिकता का आधार है आहार : डॉ. मोहन

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों का स्त्रोत आहार ही है। आहार की शुद्धता इसकी महत्ता को कई गुना बढ़ा देती है। आहार की शुद्धता का महत्व बताते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद् गीता में कहा है कि शुद्ध आहार से ही विचार की शुद्धता संभव है। अक्षय पात्र फाउंडेशन इस दृष्टि से स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन के माध्यम से नवजीवन परोस रही है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भरपूर भोजन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत भोपाल नगरीय क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक मध्यान्ह भोजन प्रदाय अवसर पर रोहित नगर स्थित परिसर में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षय पात्र परिसर में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झंडी दिखाकर भोजन वितरण वाहनों को रवाना किया तथा 10 स्कूली बच्चों को प्रतीक स्वरूप मध्यान्ह भोजन वितरित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के केंद्रीकृत किचन में पहुंचकर भोजन बनाने की स्वचालित प्रक्रिया का अवलोकन किया। वे दाल-रोटी बनाने की प्रक्रिया में सहभागी भी हुए। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत भोपाल नगरीय क्षेत्र की शासकीय शालाओं को इस बेस किचन से ही मध्यान्ह मध्यान भोजन सप्लाई होता है। कार्यक्रम में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह उपस्थित थीं।

ग्रीस नौका हादसे में कम से कम 40 पाकिस्तानियों की मौत, दूतावास ने भेजी रिपोर्ट

इस्लामाबाद। एजेंसी

हाल ही में ग्रीस के पास समुद्र में तीन नावों के पलटने से पाकिस्तान के कम से कम 40 नागरिकों की मौत हो गई। इनमें से सिर्फ पांच के शव खोजे जा सके हैं। बाकी के जीवित बचने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए उनको भी मृत मान लेना चाहिए। वजह यह है कि ग्रीस तटरक्षक बल ने समुद्र में बचाव अभियान को बंद कर दिया है। ग्रीस की राजधानी एथेंस से पाकिस्तान के दूतावास ने सरकार को भेजी रिपोर्ट में यह सूचना साझा की है। जियो न्यूज चैनल में प्रसारित खबर के अनुसार, लीबिया में अभी भी 5,000 से अधिक पाकिस्तान के नागरिक हैं। वह लीबियाई और पाकिस्तानी एजेंटों के साथ यूरोप की यात्रा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पाकिस्तान से वीजा प्राप्त किया और कानूनी रूप से लीबिया पहुंचे। ग्रीस के समुद्रीय जल क्षेत्र में पलटने वाली तीन नावें लीबिया के टोब्रुक बंदरगाह से आई थीं। पहले जहाज में 45 यात्री सवार थे। इनमें से छह पाकिस्तानी थे। दूसरी नाव पर सवार 47 यात्रियों में से पांच पाकिस्तानी थे। तीसरी नाव में सवार 83 यात्रियों में तीन बांग्लादेशी, दो मिस्र, दो सूडानी और 76 पाकिस्तानी शामिल थे। एक नाव से पांच पाकिस्तानियों के शव बरामद हुए। इनमें चार के नाम हैं- सुफियान, रहमान अली, हाजी अहमद और आबिद। पांचवें की पहचान नहीं हो सकी। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों को मानव तस्करों के

पाक के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकवादी मारे

रावलपिंडी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने मुल्क के सबसे ज्यादा अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग अभियानों में 11 ख्वारिज (आतंकवादी) को मार गिराया। एआरवाई न्यूज ने अपनी खबर में पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के हवाले से यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, ख्वारिज की मौजूदगी की सूचना पर टैंक जिले में सुरक्षा बलों ने एक खुफिया आधारित ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सैनिकों ने उनके ठिकानों पर कब्जा कर सात ख्वारिज मार गिराए। एक अन्य खुफिया आधारित ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र दत्ता खेल में चलाया गया। यहां सुरक्षा बलों ने दो ख्वारिज को गोलियों से छलनी कर दिया। तीसरी मुठभेड़ मोहमंद जिले के सामान्य क्षेत्र ममद गत में हुई। यहां दो ख्वारिज मारे गए।

जेलेंस्की ब्रुसेल्स में मिले नाटो महासचिव रुटे से

वायु रक्षा प्रणाली की मजबूती के लिए मांगी मदद

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। एजेंसी

रूस से लंबे समय से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने यहां उत्तरी अटलांटिक संधि संस्था (नाटो) के महासचिव मार्क रुटे से मुलाकात की। उन्होंने देश की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में नाटो के सदस्य देशों से और अधिक सहयोग का आग्रह किया। यूक्रेन की न्यूज एजेंसी 'उक्रिनफॉर्म' की आज की खबर के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस मुलाकात की सूचना टेलीग्राम पर साझा की। जेलेंस्की ने लिखा, "नाटो महासचिव मार्क रुटे से यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और देश के लिए स्थायी शांति सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए ब्रुसेल्स में मुलाकात की। जेलेंस्की ने कहा कि यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होंने बैठक में हिस्सा लेने वाले नाटो महासचिव और सभी भागीदारों का आभार व्यक्त किया। इस मुलाकात पर यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि मार्क रुटे ने जेलेंस्की से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने हथियारों की खरीद में डेनमार्क और लिथुआनिया की नीति का इशारा किया। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार ब्रुसेल्स में जेलेंस्की की फ्रांस के राष्ट्रपति से भी मुलाकात हुई।

भीषण सड़क हादसा, ट्रक और कार की टक्कर में पांच की मौत

शाहजहांपुर। मदनापुर थाना क्षेत्र में हाईवे पर बुधवार रात बेसहारा पशु से टकराकर अनियंत्रित हुई एक अर्टिगा कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मेडिकल कॉलेज पहुंच कर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, कांट थाना क्षेत्र के गांव नगला बनवारी गांव निवासी रियासत अली (45) पत्नी आमना बेगम, बेटे सुभान (7) व आमिर तथा बेटी खुशी(9) व गुड़िया के साथ बुधवार रात दिल्ली जाने के लिए घर से निकले थे। उनके साथ कार में कासगंज निवासी साहुल उनकी पत्नी अन्नू (35),बेटा अंश (8) और उत्तराखंड निवासी गुल्फसा(25) और उनकी बेटी नूर(4) भी सवार थे। मदनापुर क्षेत्र में हाइवे पर बरखेड़ा जयपाल गांव के पास सड़क पर आए बेसहारा पशु से टकराकर अनियंत्रित हुई उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई।

एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

ऋषिकेश। एजेंसी

बार एसोसिएशन ऋषिकेश के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सजवाण समेत पूरी कार्यकारिणी ने गुरुवार को शपथ ग्रहण की। कोर्ट परिसर में आयोजित इस समारोह में मुख्य चुनाव अधिकारी ओंकार सिंह चौधरी और राजीव खेड़ा ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। गौरतलब है कि बार एसोसिएशन के शांतिपूर्ण चुनाव गत 16 दिसंबर को संपन्न हुए थे। इसमें राजेंद्र सिंह सजवाण ने अध्यक्ष पद पर 18वीं बार जीत हासिल की। शैलेंद्र सेमवाल महासचिव निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर कुमारी तारा राणा, सह सचिव पद पर प्रदीप ठाकुर, और कोषाध्यक्ष पद पर कुलदीप रावत निर्विरोध चुने गए। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर अंजू और ऑडिटर पद पर कमलेश को विजयी घोषित किया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में ऋषि कुमार अंथवाल, नरेश कुमार शर्मा, राघवेंद्र भटनागर, और पवन शर्मा ने शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सजवाण ने सभी अधिवक्ताओं का आभार जताते हुए भरोसा दिलाया कि वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और अधिवक्ताओं के हित में काम करना उनकी प्राथमिकता होगी इस अवसर पर सभी अधिवक्ताओं ने संगठन की नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। समारोह में उत्साह और एकजुटता का माहौल देखने को मिला।

बहादुरगढ़ के गन हाउस में विस्फोट, दुकान मालिक की मौत

झज्जर। बहादुरगढ़ शहर में पुराना नजफगढ़ रोड स्थित मधु गन हाउस में बुधवार देर रात भीषण आग के साथ धमाका हो गया। इस दौरान आग और धमाके की चपेट में आए गन हाउस संचालक की मौत हो गई। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंची थाना शहर पुलिस और फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। गन हाउस मालिक शहर के आर्य नगर निवासी प्रदीप बुधवार रात को हिसाब से गोलियां लेकर बहादुरगढ़ पहुंचा था। उसकी पत्नी और बेटा भी साथ था। प्रदीप ने गाड़ी बाहर खड़ी कर दी और वह गोलियां रखने के लिए गन हाउस के अंदर चला गया। उसकी पत्नी व बेटा बाहर इंतजार करने लगे।

बदलाव 23 व 24 दिसम्बर को राज्य के अधिकांश पर्वतीय इलाकों में बर्फ गिरने की संभावना

क्रिसमस पर नहीं गिरेगी बर्फ, शिमला और मनाली में खिलेगी धूप

शिमला। एजेंसी

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया

19 से 22 दिसम्बर और 25 दिसम्बर को पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने से शिमला और मनाली सहित समूचे प्रदेश में बारिश-बर्फबारी की कोई सम्भावना नहीं है

हिमाचल प्रदेश में क्रिसमस पर इस बार भी बर्फबारी का नजारा देखने को नहीं मिलेगा। मौसम विभाग ने आगामी 25 दिसम्बर को पूरे प्रदेश मौसम के साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है। हिल्स स्टेशन शिमला और मनाली में क्रिसमस के दिन मौसम में कोई बदलाव नहीं आएगा और धूप खिली रहेगी। हालांकि क्रिसमस के पिछले दो दिन 23 व 24 दिसम्बर को राज्य के अधिकांश पर्वतीय इलाकों में बर्फ गिरने की संभावना है। क्रिसमस वाले दिन बर्फबारी की चाह में शिमला की वादियों में हर साल भारी संख्या में सैलानी उमड़ते हैं। वर्ष 1992 में क्रिसमस पर शिमला में भारी बर्फबारी हुई थी। इसके बाद वर्ष 2016 में यहां फिर बर्फबारी हुई। लेकिन पिछले सात वर्षों से सैलानियों को क्रिसमस के मौके पर बर्फबारी का लुत्फ उठाने का मौका नहीं मिला और इस बार भी क्रिसमस के दौरान बर्फ नहीं गिरेगी। ऐसे में बर्फ देखने आए पर्यटकों को मायूसी हाथ लगेगी। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि 19 से 22 दिसम्बर और 25 दिसम्बर को पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने से शिमला और मनाली सहित समूचे प्रदेश में बारिश-बर्फबारी की कोई सम्भावना नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि 23 व 24 दिसम्बर को पर्वतीय इलाकों में कहीं-कहीं बर्फबारी हो सकती है। लेकिन प्रदेश में क्रिसमस के दौरान पर्यटन स्थलों में बर्फबारी की कोई गुंजाइश नहीं है। रात में तापमान में अधिक गिरावट आ रही है और यह आने वाले कुछ दिनों में और भी नीचे जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले छह दिन राज्य में ठंड का प्रकोप बढ़ेगा और खासकर मैदानी व मध्यवर्ती जिलों में रहने वाले लोगों को भीषण शीतलहर का सामना करना पड़ सकता है। इन इलाकों में 19 से 23 दिसम्बर तक शीतलहर का ऑरेंज और 24 व 25 दिसम्बर को येलो अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान मंडी, कांगड़ा बिलासपुर और हमीरपुर जिलों में शीतलहर की स्थिति रही। इस दौरान राज्य का औसतन न्यूनतम पारा सामान्य से 1.7 डिग्री नीचे रहा।

लाहौल स्पीति के ताबो में माइनस 8.3 डिग्री सेल्सियस

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में पारे में गिरावट देखी गई है। प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले के ताबो में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 8.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति जिले के ही कुकुमसेरी में माइनस 4.9 डिग्री सेल्सियस और बजुआरा में -0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा भुंतर में शून्य डिग्री, समधो में 0.1 डिग्री, सियोबाग में 0.2 डिग्री, कल्पा में 0.4 डिग्री, ऊना व सुंदरनगर में 1 डिग्री, बरठीं में 1.4, मनाली में 1.9 डिग्री, हमीरपुर व मंडी में 2.1 डिग्री, बिलासपुर में 3.3 डिग्री, कांगड़ा में 4 डिग्री, शिमला में 5.5 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 5.8 और कुफरी में 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कांग्रेस ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को नजरंदाज किया : केशव

● कांग्रेस ने सिर्फ सत्ता के लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनके संघर्ष को नजरअंदाज किया

लखनऊ। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ सत्ता के लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनके संघर्ष को नजरअंदाज किया, बल्कि दलितों, पिछड़ों और वंचितों की आवाज को दबाने का काम भी किया। उप मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से वंचित वर्ग को ताकत दी, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा उनके योगदान को भुलाकर झूठी राजनीति की। गृहमंत्री अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने से कांग्रेस की असली सच्चाई नहीं छुपेगी। अब जनता जाग चुकी है। कांग्रेस मुक्त भारत निश्चित है। विदित हो कि इन दिनों कांग्रेस पार्टी गृहमंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांग रही है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस अमित शाह के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश कर रही है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेप्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पैरासिटामोल या आई ब्रूफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी-फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च-मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक है। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब वह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्यूकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3-4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्युनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ्य फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के सीधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1-2-3-4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1-2-3-4-5-6-7-8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर कंडीशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने-पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है,और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती हैं। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल हैं।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741